- रिपोर्ट के मुताबिक भारत में फरवरी में रिकार्ड 4.25 लाख यात्री वाहनों की बिक्री-12

- कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार-12

- सीमा पर बाड़ लगाने के लिए 105 एकड़ जमीन देगी बंगाल सरकार-13

- मैंने फोन और सोशल मीडिया बंद कर दिया और अंतरात्मा की आवाज सुनी : सैमसन-14

आज का मौसम
30.0° अधिकतम तापमान
16.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.37
सूर्यास्त 06.13

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 05:07 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 3 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 98, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

हिजबुल्लाह भी कूदा जंग में, इजराइल पर शुरू किए हमले
कुवैत में कई अमेरिकी विमान गिरे, यूएई में रिफाइनरी बंद

दोनों ओर से हमले तेज होने के बाद जंग का दायरा बढ़ा, कुवैत में अमेरिकी दूतावास पर भी ईरान का मिसाइल हमला

दुबई, एजेंसी

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच संघर्ष का दायरा बढ़ने के साथ मंगलवार को तीसरे दिन युद्ध भीषण हो गया। इजराइल और अमेरिका के विमानों ने ईरान पर भारी बमवारी की तो जवाब में ईरान ने खाड़ी देशों को निशाना बनाते हुए कुवैत में अमेरिका के कई एफ- 15 लड़ाकू विमान मार गिराए। कुवैत में अमेरिकी दूतावास पर भी मिसाइल हमला किया, जिसके बाद यहां आग के साथ धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। ईरान के हमले के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक रिफाइनरी को बंद करना पड़ा। ईरान ने इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय को भी निशाना बनाने का दावा किया है, हालांकि इजराइल ने इसकी पुष्टि नहीं की।

इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खोमेनी की मौत के बाद लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्लाह भी जंग में कूद पड़ा। सोमवार को उसने उत्तरी इजराइल में रॉकेटों से हमला किया। जवाब में इजराइल सशस्त्र बल ने बेरुत में हमला कर हिजबुल्लाह के खुफिया मुख्यालय के प्रमुख हुसैन मकलेद को मार गिराया। इजराइल ने बेरुत में हिजबुल्लाह के वरिष्ठ आतंकवादियों, दर्जनों केंद्रों और हथियार जमा करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले स्थल पर सटीक हमला किया। इस हमले में 31 अन्य लोगों की भी मौत हो गई। इधर, ईरान ने यूएई, कतर, कुवैत, बहरीन और सऊदी अरब समेत खाड़ी देशों को निशाना बनाना जारी रखा। यहां ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

भीषण जंग के बीच ईरान ने दावा किया कि उसने कुवैत में अमेरिका के कई एफ-15 स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। ये विमान ईरान पर हमले के लिए उड़ान भर रहे थे। हालांकि उनके पायलटों को सुरक्षित बचा लिया गया। कुवैत के आधिकारिक प्रवक्ता कर्नल साद अल अतवान ने विमानों के गिरने की पुष्टि की। हालांकि अमेरिका ने कहा कि उसके तीन विमानों को कुवैत की वायु रक्षा प्रणाली ने धोखे में हमला कर गिराया है। ईरान ने इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय को भी अपने हमलों का निशाना बनाए जाने का दावा किया है। हालांकि इसकी पुष्टि इजराइल की ओर से नहीं की गई। कुवैत सिटी में अमेरिकी दूतावास पर भी मिसाइल से हमला किया जिसके बाद परिसर के अंदर से आग और धुआं उठता देखा गया।

ईरान और ईरान समर्थित मिलिशिया ने इजराइल और अरब देशों पर बड़े पैमाने पर मिसाइलें दागीं। इसके बाद सऊदी अरब की सरकारी स्वामित्व वाली तेल कंपनी अरामको ने दम्माम के समीप अपनी रास तानूरा तेल रिफाइनरी को अस्थाई रूप से बंद कर दिया। सऊदी अरब के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि यह फैसला एहतियाती तौर पर लिया गया है। ईरानी हमलों के कारण तेल के व्यापार को खासा नुकसान पहुंचा है।

तेहरान में इजराइली हमलों के बाद उठता धुएं का गुबार।

इजराइल में ईरान के मिसाइल हमले से गड्ढे में तब्दील सड़क।

- महायुद्ध में तब्दील होने लगा ईरान-अमेरिका-इजराइल संघर्ष, पश्चिम एशिया में और बढ़ा तनाव
- बेरुत में इजराइल के जवाबी हमले में मारा गया हिजबुल्लाह का खुफिया प्रमुख, 31 आम लोगों की भी मौत

ईरान में दो दिन के अंदर 555 लोगों की मौत, 131 शहरों को भारी नुकसान

- अपने परमाणु स्थल नतांज पर भी हवाई हमले का ईरान ने लगाया आरोप

तेहरान/वियना। युद्ध क्षेत्रों में मानवीय सहायता पहुंचाने वाली संस्था रेड क्रिसेंट के मुताबिक अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों में ईरान में दो दिनों में 555 लोगों की मौत हो गई है और देश के 131 नगरों को खासा नुकसान पहुंचा है। कतर ने ईरान के दो लड़ाकू विमानों को मार गिराने का दावा किया है। इस बीच ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका-इजराइल ने उसके नतांज परमाणु संवर्धन स्थल को हवाई हमलों का निशाना बनाया है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने इस दावे की पुष्टि नहीं की। आईएईए में ईरान के राजदूत रेजा नजफी ने सोमवार को कहा कि अमेरिका-इजराइल के हवाई हमलों में ईरान के नतांज परमाणु संवर्धन स्थल को निशाना बनाया गया है। इसके विपरीत आईएईए प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने कहा कि अब तक एजेंसी को कोई संकेत नहीं मिला है कि ईरान में परमाणु केंद्रों को निशाना बनाया गया है। आईएईए मुख्यालय में रूस के अनुरोध पर संचालन मंडल की बैठक चल रही है। इजराइल ने इससे पहले 13 जून को नतांज में हमला किया था, जिससे यह काफी हद तक नष्ट हो गया था।

हमले में घायल खामेनेई की पत्नी ने भी तोड़ा दम

तेहरान। इजराइल के हमले में घायल हुईं ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की पत्नी की भी सोमवार को मौत हो गई। सरकारी मीडिया के अनुसार खामेनेई की पत्नी को शहादत नसीब हुई है। शनिवार को खामेनेई इजराइल के मिसाइल हमले में मारे गए थे। उनके कई रिश्तेदारों की भी मौत हो गई थी।

बगदाद : अमेरिकी सैनिकों को बनाया ड्रोन का निशाना

दुबई। सोमवार को इराक में बगदाद हवाई अड्डे पर भी अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाकर हमले किए गए। ईरान समर्थक मिलिशिया ने इस ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली। इससे एक दिन पहले ही उसने उत्तर में इरबिल शहर में एक अमेरिकी अड्डे पर गोलीबारी करने की बात कही थी। रविवार को कई अमेरिकी सैनिक भी मारे गए थे। साइप्रस ने कहा कि एक ड्रोन हमले में भूमध्यसागरीय द्वीप राष्ट्र में एक ब्रिटिश अड्डे को निशाना बनाया गया था।

यूरेनियम आपूर्ति पर भारत और कनाडा के बीच हुआ समझौता

नई दिल्ली। भारत और कनाडा ने सोमवार को यूरेनियम एवं महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को लेकर अहम समझौतों पर हस्ताक्षर करने के साथ वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को जल्द अंतिम रूप देने पर भी सहमति बनी।

कार्नी के साथ प्रधानमंत्री मोदी।

- आपसी व्यापार को 50 अरब डॉलर पर ले जाने का लक्ष्य

दोनों नेताओं के बीच यहां हुई बातचीत के दौरान रक्षा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी, छोटे एवं मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर, शिक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया गया। मोदी ने प्रेस वक्तव्य में कहा कि भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2030 तक 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। यह फिलहाल लगभग 13 अरब डॉलर है। उन्होंने कहा, आर्थिक सहयोग की पूरी क्षमता हासिल करना हमारी प्राथमिकता है।

एआई निर्मित फर्जी फैसलों पर भरोसा कदाचार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश की एक निचली अदालत में एआई की मदद से कथित तौर पर तैयार किए गए काल्पनिक फैसलों पर भरोसा करने के मामले का संज्ञान लेते हुए कहा कि इसके आधार पर निर्णय लेना कोई त्रुटि नहीं बल्कि कदाचार है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने कहा है कि वह मामले की विस्तार से पड़ताल करेगी। शीर्ष अदालत ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता तथा बार भारतीय विधिज्ञ परिषद को नोटिस जारी किया है। अदालत ने सहायता के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान को भी नियुक्त किया है। पीठ ने कहा, हम निचली अदालत के एआई निर्मित गैरमौजूद, फर्जी या कृत्रिम कथित निर्णयों पर भरोसा करने का संज्ञान लेते हैं और इसके परिणामों की पड़ताल करना चाहते हैं क्योंकि इसका न्यायिक प्रक्रिया की शुचिता पर सीधा असर पड़ता है। पीठ ने कहा, यह कदाचार होगा और इसके कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। यह आवश्यक है कि हम इस मुद्दे की विस्तार से पड़ताल करें।

- आंध्र के मामले का लिया संज्ञान कहा- इसकी गहन जांच करेंगे

सीओ सदर ने परखे सुरक्षा के इंतजाम

बाइक सवार से पूछताछ करती पुलिस।

पीलीभीत, अमृत विचार: सहायक पुलिस अधीक्षक एवं सीओ सदर नताशा गोयल ने होली पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से थाना न्यूरिया क्षेत्रान्तर्गत उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड बॉर्डर पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान आबकारी विभाग एवं थाना न्यूरिया पुलिस बल के साथ संयुक्त रूप से संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों एवं वस्तुओं की गहन तलाशी ली गई।

बॉर्डर क्षेत्र में आवागमन करने वाले दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की सघन जांच कर संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखी गई। चेकिंग अभियान के उपरांत थाना न्यूरिया क्षेत्र के व्यस्ततम स्थानों, बाजारों व चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त की गई।

स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों से संवाद स्थापित कर त्योहार को आपसी भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की गई। सुरक्षा व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। थानाध्यक्ष न्यूरिया को प्रभावी गश्त, सतत निगरानी एवं त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

होली : खूब हुई रंगों की बौछार, चलती रही पूजन की तैयारी

सुबह से ही सड़कों पर दिखा पर्व का माहौल और उत्साह, बच्चे पिचकारी लेकर लोगों को रंग से भिगोते रहे

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : होलिका दहन के साथ ही जनपद भर में होली की मस्ती घुल गई। गलियों से लेकर बाजार तक फागुन का उल्लास हर किसी के सिर चढ़कर बोला। सुबह से ही होली खेलने की शुरूआत तो हो गई, लेकिन असल रंग दुल्हेंडी के दिन खेला जाएगा। हालांकि दुल्हेंड़ी चार मार्च को मनाई जाएगी। हर तरफ लोग रंग खेलते हुए नजर आए। गली मोहल्ले ही नहीं बल्कि बाजार में भी जमकर रंग खेला गया। अधिकतम जगह भगवा और सिलेंडर गुलाल का क्रेज देखने को मिला। एक दूसरे को होली की बधाई दी गई।

सोमवार को होली पूजन वाले दिन शहर से लेकर ग्रामीण अंचल रंग में डूबे रहे। शहर के जाटो चौराहा, बरेली दरवाजा, जेपी रोड, ड्रमंडगंज चौराहा, चौक बाजार, रंगीला चौराहा, गैस चौराहा, चावला चौराहा, मोती राम चौराहा, सुनगढ़ी तिराहा के पास जमकर रंग खेला गया। सुबह आठ बजे से ही बाजार में रंग खेलना शुरू हो गया। दुकानों के बाहर बच्चे पिचकारी में रंग भरकर राहगीरों पर रंग डालकर मौज मस्ती कर रहे थे। बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए बड़े भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने भी बच्चों के साथ जमकर होली खेली। होली गीत गूंजते रहे और मार्ग से गुजरने वालों पर रंगों की बौछार होती रही। रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे, आज न छोड़ेंगें हमजोली खेलेंगे होली.. जैसे गीतों की गूंज रही। कई स्थानों पर दोपहर तीन बजे तक रंग और गुलाल से होली खेली गई। इधर, शाम होते ही महिलाओं ने शाम होते ही पारंपरिक रीति-रिवाजों से होलिका स्थल का पूजन किया। महिलाओं ने धूप दीप आदि जलाकर पारंपरिक रीति रिवाजों से होली पूजन किया। जिसके बाद देर रात होलिका दहन कर होली का जश्न मनाया गया। देर रात तक होली का धमाल मचा रहा। फिलहाल कुछ इलाकों में होलिका दहन को लेकर कंफ्यूजन बना रहा। इधर, पीलीभीत प्रेस क्लब की ओर से नेहरू पार्क में होली उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए।

उन्होंने एक दूसरे के गुलाल लगाकर और गुझिया खिलाकर होली की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर अध्यक्ष डॉ.अभिताभ अग्निहोत्री, महासचिव वैभव शुक्ला, सौरभ पांडेय, अजय गुप्ता, सृजित अवस्थी, सौरभ सिंह, प्रियांशु सक्सेना, जगन्नाथ उर्फ प्यारेलाल, विक्रांत शर्मा, साकेत सक्सेना, धीरेंद्र मिश्र एडवोकेट, सुमित सक्सेना आदि मौजूद रहे।

बाजार में रंग गुलाल की सजी दुकानें। ● अमृत विचार

बाजार में एक किराना की दुकान पर खरीदारी करते ग्राहक। ● अमृत विचार

शराब की दुकानों पर लगी लंबी कतार

होली को लेकर शराब की दुकानों पर दिन भर भीड़ लगी रही। शहर के गैस चौराहा, कोतवाली तिराहा के नजदीक, एकता सरोवर, गौहनिया चौराहा, छतरी चौराहा समेत विभिन्न स्थानों पर बनी शराब की दुकानों पर खरीदारों की लाइन लगी रही। हर कोई शराब खरीदने में व्यस्त दिखा। दुकानें शाम को बंद होनी थी लेकिन सुबह दस बजते ही इधर, शटर उठे और शराब खरीदने को कतार लग गई। आलम ये रहा कि दोपहर तक ब्रांडेड शराब का स्टॉक दुकानों पर खत्म हो गया।

बाजार में राहगीर पर रंग डालते बच्चे। ● अमृत विचार

चौक बाजार में होलिका का पूजन करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

कार्यक्रम में होली खेलती महिलाएं। ● अमृत विचार

जो निकला वही रंगों से भीगा

सुबह से हुई रंग की शुरुआत के बाद बाजार में हर तरफ रंग देखने को मिला। जाटो चौराहा के अलावा मोतीराम चौराहा से जो निकला, वह भीगा। इस चौराहा पर बच्चे और बड़ों ने मिलकर जमकर रंग खेला। इस दौरान रोड से निकलने वाले राहगीरों पर रंग डाला। चौराहे पर हुड़दंग देखकर राहगीरों ने अपने रास्ते बदल दिए, मगर होली के इस हुड़दंग में कोई भी बच नहीं सका, तो वहीं मोतीराम चौराहा, जाटो चौराहा, सुनगढ़ी तिराहा से जो भी गुजरा उस पर रंगों की बौछार हुई।

रंग गुलाल की दुकानों पर लगी भीड़

दुल्हेंड़ी से दो दिन पहले बाजार में खासकर रंग, गुलाल और पिचकारियों की दुकान पर अधिक भीड़ रही। हर्बल गुलाल कर डिमांड अधिक रही। इस बार भी भगवा रंग के गुलाल की डिमांड अधिक रही। वहीं पिचकारी को लेकर भी खरीदारों का तांता लगा रहा। इस बार बाजार में देसी पिचकारियों की धूम रही। देर रात तक कपड़ों की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ लगी रही। साथ ही पूजन के लिए गन्ने और जौ की बिक्री होती रही। भीड़ के चलते कई जगह जाम लगता रहा। पूरे जिले में फोर्स तैनात रहा। हर चौराहा गली नुक्कड़ पर पुलिस निगरानी करती रही। इतना ही नहीं अफसर भी भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। रंग को लेकर कुछ जगह छिपटपुट कहासुनी हुई। जिसे स्थानीय संभ्रांत लोगों ने निपटा दिया।

जिले भर में 2500 से अधिक पुलिसकर्मी करेंगे निगरानी

कार्यालय संवाददाता,पीलीभीत

- 1397 स्थानों पर होलिका दहन पुलिस-प्रशासन की रही मुस्तैदी
- संवेदनशील स्थानों पर होगी अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती

अमृत विचार : होलिका दहन से लेकर रंगोत्सव तक शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस महकमे ने जिले में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी है। जिले को जोन, सेक्टर और सब सेक्टर में बांटकर रणनीति तैयार की गई है। एसपी के नेतृत्व में शहर में पैदल मार्च कर सुरक्षा का संदेश भी दिया गया।

जिले में होली पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस ने व्यापक सुरक्षा खाका तैयार किया है। जिले को पांच जोन, 17 सेक्टर और 42 सब सेक्टर में विभाजित किया गया है। जोन की जिम्मेदारी क्षेत्राधिकारी, सेक्टर की कमान थाना प्रभारियों और सब सेक्टर की जिम्मेदारी चौकी प्रभारियों को सौंपी गई है। होलिका दहन और दुल्हेंड़ी के दौरान जिले भर में लगभग ढाई हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इनमें 40 निरीक्षक, 180 उपनिरीक्षक के अलावा बड़ी संख्या में हेड कांस्टेबल, कांस्टेबल और महिला पुलिसकर्मी शामिल हैं। अतिसंवेदनशील और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। साथ ही वहां पीएसी को तैनात किया गया है। देर शाम एसपी सुकीर्ति माधव ने पुलिस अधिकारियों के साथ शहर में पैदल मार्च कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जुलूस मार्गों, प्रमुख चौराहों और मिश्रित आबादी वाले इलाकों में सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। किसी भी सूचना पर त्वरित कार्रवाई के लिए फोर्स को अलर्ट मोड पर रखा गया है। होली और दुल्हेंड़ी पर जिले में कुल 10 जुलूस निकाले जाएंगे। इनमें थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के नौगवां पकड़िया, न्यूरिया के मोहल्ला ठाकुरद्वारा, अमरिया कस्बा व ग्राम बांसखेड़ा, बरखेड़ा कस्बे से दो जुलूस, गाजीपुर मुगल और पूरनपुर के शेरपुर ग्राम से एक-एक जुलूस शामिल है। इसके अलावा कई गांवों में छोटी-छोटी चौपाइयों के जुलूस निकलते हैं। माधोटांडा क्षेत्र में महिलाओं द्वारा सड़क पर होली खेलने की परंपरा को देखते हुए वहां भी विशेष सतर्कता बरती जाएगी। होलिका दहन को लेकर भी पुलिस ने थानावार तैयारियां पूरी कर ली हैं।

25 क्यूआरटी रहेंगी तैनात

होली पर्व के दौरान जिले में 25 क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) गठित की गई हैं। इसके साथ ही 11 निरीक्षक, 36 उपनिरीक्षक, 50 हेड कांस्टेबल, 100 कांस्टेबल, 46 महिला आरक्षी और 42 होमगार्ड को रिजर्व में रखा गया है, जिन्हें जरूरत पड़ने पर तत्काल किसी भी स्थान पर भेजा जाएगा।

थानावार होलिका दहन के आंकड़े

- कोतवाली- 86
- गजरौला- 74
- अमरिया- 64
- बीसलपुर- 161
- बिलसंडा- 103
- करेली- 61
- पूरनपुर- 90
- हजारा- 26
- सुनगढ़ी- 84
- न्यूरिया- 110
- जहानाबाद- 152
- बरखेड़ा- 120
- दियोरिया कलां 89
- माधोटांडा- 66
- सेहरामऊ उत्तरी 62
- घुंघचाई- 41

गश्त कर देखे इंतजाम

बरखेड़ा, अमृत विचार : होली को लेकर सुरक्षा बंदोबस्त सख्त हैं। एसपी समेत अन्य अधिकारी भ्रमण कर हालात परखने में जुटे हैं। इसी क्रम में सोमवार को ग्राम पौटाकलां, गाजीपुर मुगल, कस्बा बरखेड़ा, सिमरिया ताराचंद, कटकवारा में एएसपी विक्रम दहिया, सीओ प्रगति चौहान ने पुलिस बल के साथ पैदल गश्त की।

स्कूल में खेला रंग

बिलसंडा, अमृत विचार : नगर के रूप देवी पब्लिक इंटर कॉलेज में स्कूली बच्चों ने सोमवार को जमकर रंग खेला एक दूसरे को रंग लगाकर होली पर्व मनाया। शिक्षकों ने बच्चों को होली का त्यौहार के महत्व के बारे में जानकारी दी। होली का त्यौहार मनाने का कारण बताया। इस दौरान प्रबंधक शिवेंद्र कुशवाहा, शौर्य कुशवाहा, काव्या, मानसी, राखी, उदित, अजय, आरव आदि मौजूद रहे।

होली उत्सव मनाया, रंग और गुलाल वितरित किया

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- इनरव्हील क्लब ऑफ पूरनपुर ग्लोरी ने होटल में किया कार्यक्रम
- जरूरतमंद बच्चों को पिचकारी और रंग के पैकेट उपहार में दिए

अमृत विचार : इनरव्हील क्लब ऑफ पूरनपुर ग्लोरी की ओर से एक होटल में होली उत्सव मनाया गया। क्लब की सदस्य पूनम गुप्ता, शशि खंडेलवाल, डिंपी गुप्ता, अंजू मिश्रा, मीना रस्तोगी आदि शामिल हुए।

गुलाल लगाकर सदस्यों का स्वागत कर होली की शुभकामनाएं दी गई। होली उत्सव बड़े उत्साह के साथ फूलों की होली खेल कर मनाया गया। कई प्रतियोगिता और गेम खेले गए। इसमें मीनाक्षी खन्ना, कल्पना गुप्ता और खुशबू गुप्ता विजयी रहे। जरूरतमंद बच्चों को पिचकारी व रंग के पैकेट उपहार में दिए गए। अध्यक्ष कल्पना गुप्ता के मार्गदर्शन में उत्सव मनाया। इसमें सचिव रुचि खन्ना, उपाध्यक्ष रिंकी गुप्ता, राजविंदर चीमा, खुशबू गुप्ता, निधि गुप्ता, मधुरिमा गुप्ता, सोनम अग्रवाल, कीर्ति मल्होत्रा, शैफाली, मीनाक्षी खन्ना, प्रीति अग्रवाल, सीमा गुप्ता, सुधा गुप्ता, सीमा अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, सुमन गुप्ता आदि मौजूद रहे।

6 से किया जाएगा विशेष होली ट्रेन का संचालन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- किशनगंज से लालकुआं के बीच होगा संचालन
- दिल्ली रूट पर 40 से बढ़ाकर चलाई जा रही 50 रोडवेज बसें

अमृत विचार : होली पर्व के मद्देनजर जनपद में परिवहन व्यवस्था को लेकर रेलवे और स्थानीय रोडवेज प्रशासन मुस्तैद दिख रहा है। रेल यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे महकमे ने 06 मार्च से विशेष होली स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह स्पेशल ट्रेन किशनपुर से लालकुआं वाया गोरखपुर होते हुए चलाई जाएगी। वहीं स्थानीय रोडवेज प्रशासन की ओर से भी यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दिल्ली रूट पर बसों की संख्या बढ़ा दी गई है। लोकल रूटों पर जरूरत पड़ने पर बसों के फेरे बढ़ाए जा रहे हैं।

होली के त्योहार नजदीक आते ही बड़ी संख्या में लोग ट्रेनों एवं रोडवेज बसों से आवाजाही करते हैं। यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए स्थानीय रोडवेज प्रशासन द्वारा बीते 28 फरवरी से अतिरिक्त बसों का संचालन शुरू किया जा चुका है। यात्रियों की बढ़ी भीड़ के चलते दिल्ली रूट पर 40 बसों की जगह पर अब 50 रोडवेज बसें चलाई जा रही है। लोकल रूटों पर जरूरत पड़ने पर बसों के फेरे बढ़ाए जा रहे हैं। इसको लेकर रोडवेज कर्मियों की ड्यूटियां लगाई गई जो यात्रियों की संख्या के बारे में डिपो को सूचना दे रहे हैं।

इधर अब रेल महकमे द्वारा होली पर यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ के दृष्टिगत किशनपुर से लालकुआं वाया गोरखपुर के बीच विशेष होली ट्रेन संचालित करने का निर्णय लिया है।

इज्जतनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने बताया कि होली स्पेशल ट्रेन किशनगंज से 05 से 26 मार्च तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को तथा लालकुआं से 6 से 27 मार्च तक प्रत्येक शुक्रवार को 4 फेरों में संचालित की जाएगी। बताया कि ट्रेन संख्या 05741 किशनगंज-लालकुआं विशेष होली स्पेशल ट्रेन प्रत्येक बृहस्पतिवार को किशनगंज से 08.30 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन ठाकुरगंज, अररिया, फारबिसगंज, ललितग्राम, झंझारपुर, सीतामढ़ी, रक्सौल आदि से होते हुए दूसरे दिन कप्तानगंज, गोरखपुर, गोंडा सीतापुर, लखीमपुर, गोला गोरकर्णनाथ, मैलानी होते हुए पूरनपुर स्टेशन पर 12.20 एवं पीलीभीत जंक्शन पर 13.45 बजे पहुंचेगी। यहां पांच मिनट के ठहराव के बाद स्पेशल ट्रेन भोजीपुरा, बहेड़ी, किच्छा होते हुए 16.55 बजे लालकुंआ पहुंचेगी। वापसी में यही ट्रेन संख्या 05742 लालकुआं-किशनगंज प्रत्येक शुक्रवार को लालकुआं से रात 08.10 बजे रवाना होगी। यहां से यह स्पेशल ट्रेन किच्छा, बहेड़ी, भोजीपुरा होते हुए रात 10.55 बजे पीलीभीत जंक्शन पहुंचेगी। पांच मिनट के ठहराव के बाद यह स्पेशल ट्रेन निर्धारित स्टेशनों से होती हुई शनिवार रात 2 बजे किशनगंज पहुंचेगी।

चार बच्चों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर बढ़ाया मान

मझोला, अमृत विचार: पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय गिधौर के बच्चों ने परचम लहराया। शासन स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में यहां के चार छात्र छात्राओं मोहित राठौर, करन, भावना, मनीषा ने परीक्षा उत्तीर्ण की।

छात्रा भावना।

कक्षाध्यापिका रितु बरनवाल समेत समस्त स्टाफ की भी सराहना की गई। सभी का स्वागत किया गया।

होली उत्सव के दूसरे दिन भी उमड़े भक्त

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : श्रीराधा माधव संकीर्तन मंडल के तत्वाधान में चल रहे बृज होली महोत्सव के तीसरे दिन श्रीराधारमण मंदिर में सोमवार को होली उत्सव मनाया गया। श्रीराधा रमण की श्रृंगार आरती के पश्चात संकीर्तन शुरू हुआ।

बृज की प्रसिद्ध लड्डु मार होली और फूलों की होली ने सभी भक्तों का मन मोह लिया। एक दूसरे पर पुष्प वर्षा एवं नृत्य करके एक दूसरे को गुलाल लगाया। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि सभी पीलीभीत में न होकर श्रीधाम वृंदावन के राधारमण के मंदिर में हो। रसिया को नार बनाओ री रसिया को, मेरो खोए गयो बाजू बंद रसिया होरी में, तोहे सूजी कहा अलमस्त गुजरिया होली खेलन को आई रे, रंग में रंग दई बाह पकड़ लई लाजन मर गई होली में..आदि होली गीतों के साथ मंडल के सदस्यों ने समा बांध दिया। नीरज रस्तोगी, डॉ. एसके अग्रवाल, विश्वनाथ चंद्र, अतुल अग्रवाल ने भक्तजनों को प्रसादी अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर प्रमोद पंत, राजीव अग्रवाल, दीपक गोयल, अटल शुक्ला, अर्पित शुक्ला, पंकज रस्तोगी, उमेश चंद्र, अभिलाष कुमार, मनीष अग्रवाल, ओम वर्मा, शिवांश सक्सेना, अजय पांडे, मुदित अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, उमेश चंद्र, मनोज अग्रवाल आदि का सहयोग रहा।

श्रीराधा माधव संकीर्तन मंडल के तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में श्रद्धालु।

नगर पंचायत कर्मचारियों ने एक दूसरे को लगाया रंग

होली खेलते कर्मचारी, सभासद व अन्य। ● अमृत विचार

बिलसंडा, अमृत विचार : होली के अवसर पर नगर पंचायत कार्यालय पर रंग खेला गया। चेयरमैन डीके गुप्ता ने सभासदों, कार्यालय कर्मियों और सफाईकर्मियों के साथ होली खेली। सभी ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया। इस दौरान अधिवक्ता आशीष सक्सेना, सुनील शुक्ला, रजत सागर, दिनेश कमांडो, सुधांशु पाराशर,बाबूराम,रामकिशोर, अमन गुप्ता,अनुज मिश्रा, रंजीत कश्यप, सफाई नायक मोनू,राजेश कुमार समेत स्टाफ मौजूद रहा।

त्योहार

डग्गामार भी बने सफर के साथी, ई-रिक्शा चालकों ने उठाया फायदा, नियमों को ताक पर रख भरी सवारियां

होली पर ट्रेन और बसों में उमड़ी भीड़

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : होली पर्व पर अपनों के बीच पहुंचने की चाह में यात्रियों का सैलाब उमड़ पड़ा। नतीजा यह रहा कि पीलीभीत से चलने वाली ट्रेनों से लेकर रोडवेज बसों तक में पैर रखने की जगह नहीं बची। सीटें फुल होने पर मजबूरी में डग्गामार वाहन और ई-रिक्शा भी सफर के साथी बने, जहां नियम-कायदों की खुलेआम अनदेखी होती रही।

होली को लेकर जिले में परिवहन व्यवस्था पर जबरदस्त दबाव देखने को मिला। रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर दिनभर यात्रियों की भीड़ लगी रही। परिवहन निगम ने दिल्ली रूट पर 20 रोडवेज बसों के संचालन और छोटे रूटों पर अतिरिक्त फेरों का दावा किया था, लेकिन होली से एक दिन पहले सोमवार को ये दावे धरातल पर कमजोर नजर आए। सोमवार को बरेली रूट के यात्रियों के लिए नौगवां चौराहे पर रोडवेज बसों की कतारें जरूर दिखीं, लेकिन पीलीभीत से पूरनपुर, बीसलपुर और टनकपुर रूट पर जाने वाले यात्रियों को बसों की कमी के चलते भटकना पड़ा। शहर के असम चौराहे पर पूरनपुर रूट के यात्रियों की भीड़ जमा रही, जबकि रोडवेज बसों का दूर-दूर तक पता नहीं चला। ऐसे में इस रूट पर मैजिक और टेंपो चालकों ने जमकर फायदा उठाया।

पीलीभीत-पूरनपुर और पीलीभीत-बीसलपुर रूट पर शाम तक बस सेवा की यही स्थिति बनी रही। पीलीभीत-माधोटांडा रूट पर भी बसों का संचालन न होने से यात्रियों को डग्गामार वाहनों से ही सफर तय करना पड़ा। ट्रेनों में भी हालात कुछ ऐसे ही रहे। सामान्य डिब्बों में खचाखच भीड़ दिखी। पीलीभीत से बरेली की ओर चलने वाली पीलीभीत-बरेली पैसेंजर ट्रेन में सबसे अधिक दबाव रहा। इस ट्रेन से बरेली होकर आगे दिल्ली जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक होने से हालात और बिगड़ गए। कई यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ा, जबकि वेटिंग सूची भी लंबी चलती रही। सीट न मिलने पर यात्रियों ने डग्गामार बसों और निजी वाहनों का सहारा लिया। शहर के भीतर ई-रिक्शा चालकों ने भी मौके का फायदा उठाते हुए क्षमता से अधिक सवारियां भर लीं। इससे प्रमुख बाजारों और चौराहों पर जाम की स्थिति बनी रही और यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। त्योहार के चलते पुलिस और परिवहन विभाग की नजर बनी रही, लेकिन यात्रियों की संख्या के आगे इंतजाम नाकाफी साबित हुए। अनुमान है कि होली के बाद भी कुछ दिनों तक ट्रेनों और बसों में यही दबाव बना रहेगा।

रेलवे जंक्शन पर ट्रेन में उमड़ी भीड़। ● अमृत विचार

इफ्तार मंगलवार
सुन्नी : 6:16
शिया : 6:24

सहरी बुधवार
सुन्नी : 5:09
शिया : 5:01

शहर में आज

- होली को लेकर एफएसडीएम का अभियान सुबह 10 बजे से।
- यातायात पुलिस का वाहन चेकिंग एवं जागरुकता अभियान सुबह 09 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

किशोरी को फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी 15 वर्षीय पुत्री को रवि नामक युवक बहला फुसलाकर ले गया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

ग्रामीण से मारपीट एफआईआर दर्ज

बिलसंडा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव रूरिया घुरिया निवासी नितेश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि एक मार्च की रात करीब साढ़े आठ बजे गांव के सोनपाल, सुनील, राजकुमार ने घर में घुसकर गाली गलौज कर मारपीट की। बीच बचाव कराने पर पिता नन्हेलाल को भी पीटा। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

मारपीट और जान से मारने की दी धमकी

बीसलपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम बेलाडांडी निवासी नरेंद्र ने दो युवकों के खिलाफ अभद्र व्यवहार करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हादसे में घायल युवक अस्पताल में भर्ती

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला ग्यासपुर निवासी मिट्ठू खान सड़क हादसे में घायल हो गए। उन्हें सरकारी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। वहीं ग्राम रोहनिया निवासी भागीरथ भी मार्ग दुर्घटना में घायल हुए। उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया है।

तीन जंगल मार्गों पर रात में यातायात प्रतिबंधित

वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर पीटीआर प्रशासन ने उठाया कदम, आपातकालीन वाहनों को एस्कॉर्ट के साथ जाने की अनुमति

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पीलीभीत-पूरनपुर हाईवे पर माला जंगल के अंदर से गुजरते वाहन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : बाघ समेत वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर पीलीभीत टाइगर रिजर्व क्षेत्र के अंतर्गत पीलीभीत-पूरनपुर हाईवे समेत तीन जंगल मार्गों पर शाम से लेकर सुबह तक वाहनों की आवाजाही को प्रतिबंधित किया जा रहा है। रात में बाघ समेत अन्य वन्यजीव सड़कों पर आने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में वन्यजीवों की जान को खतरा भी है। दरअसल, टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा यह कदम सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए आदेश के अनुपालन में लिया गया है। वन्यजीवों की सुरक्षा की दृष्टि से टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा लिए गए इस निर्णय को लेकर खासा घमासान खड़ा हो गया है। ऐसे में यदि इन जंगल मार्गों पर यातायात प्रतिबंधित किया गया तो टकराव के आसार से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि वन अफसर इस बात पर रात में जंगल मार्गों पर यातायात प्रतिबंधित करने की बात पर अडिग हैं।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पूरनपुर-पीलीभीत, पीलीभीत-माधोटांडा और माधोटांडा-खटीमा मार्ग समेत अन्य जंगल मार्गों पर बाघ समेत अन्य वन्यजीवों के गुजर रहे वाहनों के आगे आने के मामले अकसर सामने

- **इनहीं मार्गों पर रहती है वन्यजीवों की सर्वाधिक चहलकदमी**

आ रहे हैं। वन अफसरों की मानें तो वन्यजीवों की सर्वाधिक चहलकदमी इनहीं तीनों जंगल मार्गों पर पर रहती है। इन जंगल मार्गों पर रात को भी बड़ी तादाद में वाहनों की आवाजाही जारी रहती है। ऐसे में रात को जंगल मार्गों पर आने वाले वन्यजीवों की जान को तो खतरा है ही, साथ ही मार्ग से गुजर रहे लोगों पर भी खतरा मंडराता रहता है। हालांकि पूर्व में टाइगर रिजर्व प्रशासन ने मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर माधोटांडा-खटीमा मार्ग के संवेदनशील क्षेत्र से रात्रि में वाहनों के आवाजाही को प्रतिबंध करने करने निर्णय भी लिया था, मगर इसको अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका था।

इधर, अब टाइगर रिजर्व प्रशासन ने मात्र महोफ रेंज के अंतर्गत आने वाले माधोटांडा-खटीमा मार्ग ही नहीं बल्कि माला रेंज के अंतर्गत सर्वाधिक वाहनों की आवाजाही वाले पीलीभीत-पूरनपुर हाइवे और पीलीभीत-माधोटांडा मार्ग पर रात्रि के दौरान यातायात प्रतिबंधित कर दिया है। इस बाबत टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से रविवार शाम माला एवं महोफ रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारियों को आदेश जारी किया गया है। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट द्वारा बीते वर्ष 17 नवंबर को पारित आदेश के क्रम में नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में टाइगर रिजर्व के अंतर्गत गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग एवं राजमार्ग समेत जनपदस्तरीय मार्गो पर यातायात प्रतिबंधित किया गया है। इसी आदेश के परिपेक्ष्य में अब टाइगर रिजर्व प्रशासन पीटीआर के अंतर्गत पीलीभीत-पूरनपुर हाईवे, पीलीभीत-माधोटांडा एवं माधोटांडा-खटीमा मार्ग (वन क्षेत्र के अंदर से गुजरने वाले खंड) पर सूर्यास्त से लेकर सूर्योदय तक यातायात प्रतिबंधित कर दिया है। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक इस प्रतिबंध के दौरान केवल आपातकालीन वाहनों को वन विभाग के एस्कार्ट के साथ गुजरने की अनुमति दी गई है।

आवागमन के लिए कोई विकल्प नहीं होने से मची खलबली

टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से पीलीभीत-पूरनपुर हाईवे समेत तीन जंगल मार्गों पर यातायात प्रतिबंधित किए जाने संबंधी आदेश रविवार शाम जारी किया गया। कुछ ही देर बाद आदेश सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के साथ खलबली मच गई। सोशल मीडिया पर तमाम तरह की प्रतिक्रियाएं आने लगी। सोशल मीडिया ग्रुपों पर टाइगर रिजर्व प्रशासन के आदेश को लेकर कुछ जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधि ने तो लोगों को यह कहकर आश्वस्त करने लगे कि किसी को भी परेशान होने की जरूरत नहीं है, कोई भी रास्ता बंद नहीं होगा। इसके अलावा एक पार्टी नेता ने इस आदेश को जनविरोधी करार दे दिया। वहीं वन्यजीव प्रेमियों ने आदेश को तो सराहा, मगर साथ ही उन्होंने बिना सोचे-समझा निर्णय बता डाला। इसके अलावा आम लोग भी इस निर्णय पर तमाम तरह ऊंगलिया उठा रहे हैं। दरअसल, यह सब सवाल उठना भी लाजिमी है। इसकी वजह यह है कि यदि इन तीनों मार्गो पर यातायात प्रतिबंधित कर दिया गया तो विकल्प के तौर पर ऐसा कोई रास्ता नहीं है जिससे वाहनों की आवाजाही हो सके। कुल मिलाकर इस निर्णय को यदि अमलीजामा पहनाया गया तो बड़े टकराव या फिर झगड़ा-फसाद की भी आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि टाइगर रिजर्व प्रशासन अपने निर्णय पर पूरी तरह अडिग है।

पालन करा लिया गया तो वसूली से मिलेगी राहत

अभी कुछ दिन पहले ही पीटीआर क्षेत्र की एक चेक पोस्ट पर वाहनों से अवैध वसूली करते हुए एक कर्मचारी एंटी करप्शन टीम द्वारा पकड़ा जा चुका है। उसे एफआईआर दर्ज कर जेल भेज दिया गया था। इस मामले में वन दरोगा पर भी गंभीर आरोप लगे हुए हैं। मगर उस पर जांच के नाम पर कार्रवाई टाल दी गई है। अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया जा सका है। इधर, अब जंगल मार्ग पर रात्रि के वक्त आवागमन प्रतिबंधित किए जाने से खलबली मच गई है। फिलहाल अगर इस नियम का पालन पीटीआर के अधिकारियों ने करा लिया तो वसूली जैसे गंभीर आरोपों से स्वतः ही छुटकारा मिल जाएगा।

एक घंटे के अंतराल पर गुजारे जाएंगें वाहन

टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा पीलीभीत-पूरनपुर हाईवे समेत तीन जंगल मार्गों पर रात के समय यातायात प्रतिबंधित करने के साथ शुरूआती सात दिन के साथ मामूली राहत भी दी गई है, ताकि आमजन रात्रि में यातायात प्रतिबंध के बारे में बेहतर ढंग से जान सके और अभ्यस्त हो सके। टाइगर रिजर्व प्रशासन का कहना है कि शुरुआती एक सप्ताह में प्रतिबंधित काल के दौरान एक-एक घंटे के अंतराल पर वाहनों को जंगल मार्गों से गुजरने की छूट दी जा रही है। सप्ताह भर बाद इसे रात्रि में पूर्णतया प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

> सुप्रीम कोर्ट के पारित आदेश के क्रम में वन क्षेत्र से गुजरने वाले जंगल मार्गों पर रात के समय यातायात प्रतिबंधित किया गया है। मात्र आपातकालीन वाहनों को एस्कार्ट के साथ जाने की अनुमति दी गई है। यह निर्णय वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर लिया जा रहा है। इस बाबत संबंधित रेंजों के क्षेत्रीय वनाधिकारियों को निर्देशित किया गया है। **-भरत कुमार डीके**, प्रभारी डीएफओ, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

मृतक के परिवार से मिले राज्यमंत्री ने की मदद

मृतक के बच्चे को दुलार करते राज्यमंत्री।

मझोला, अमृत विचार : राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार सोमवार को भरा पचपेड़ा गांव पहुंचे। बीते दिनों निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी का टीला ढहने से दबकर श्रमिक बबलू की मौत हो गई थी। राज्यमंत्री उनके परिवार से मिले और शोक संवेदना व्यक्त की। मृतक की पत्नी नेहा देवी को सात लाख रुपये दिए।

इसके अलावा पांच लाख का बीमा से लाभ दिलाने का आश्वासन दिया। कंपनी द्वारा एक एग्रीमेंट भी बनाया गया कि जब तक कंपनी क्षेत्र में रहेगी 18 हजार रुपसे मासिक के रूप में नौकरी दी जाएगी। राज्यमंत्री ने कंपनी को निर्देशित किया कि मृतक की तीन पुत्रियां हैं। उनकी पढ़ाई का खर्च कंपनी देगी। इस दौरान निशान सिंह, सीओ सदर नताशा गोयल, एसडीएम मयंक गोस्वामी, तहसीलदार विदेह सिंह, एसओ अमरिया अमित सिंह, दारा सिंह, बूटा सिंह, परमजीत सिंह, गुरजीत सिंह, रबेल सिंह, छत्रपाल, धीरज वर्मा, राजकुमार, संतोष कुमार आदि मौजूद रहे।

11 लोगों के खिलाफ हत्या की एफआईआर

संवाददाता, दियोरियाकलां

- **दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के ग्राम किशनपुर में हुई थी घटना**

अमृत विचारः ग्राम किशनपुर में जमीन के विवाद में हमला कर युवक की हत्या के मामले में कार्रवाई की गई। मृतक के पिता की ओर से पुलिस ने 11 नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

दियोरियाकलां कोतवाली में दी गई तहरीर में ग्राम किशनपुर के रहने वाले बनवारीलाल पुत्र कल्यानराय ने बताया कि गांव के ही कुछ लोगों से उनकी रंजिश है। एक मार्च को उनका पुत्र हरिओम, दामाद जसवीर, अमन बाजार जा रहे थे। इस दौरान आरोपियों ने लाठी डंडे, कुल्हाड़ी, बांका से हमला कर दिया। चीख पुकार सुनकर हरिओम की पत्नी सोनी देवी समेत अन्य परिवार वाले बचाने पहुंचे तो उन पर भी हमला किया। घायलों को अस्पताल ले गए। वहां हरिओम को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। एसओ गौतम सिंह ने बताया कि मामले में गांव के ही रवि, सुनील, गंगाराम, बबलू, पवन, ज्वाला प्रसाद, अशोक, मधु, काजल, मुल्लो देवी, अनारा देवी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले में कार्रवाई की जा रही है।

महिला के कुंडल लूटने के दो आरोपी गए जेल

पीलीभीत, अमृत विचार : न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम गौहर के निवासी केशव पुत्र दीनदयाल ने तीन फरवरी को सूचना देकर बताया था कि उसकी रिश्तेदार कस्बा न्यूरिया के बाजार से लौट रही थी। इस बीच अज्ञात व्यक्ति ने कान के कुंडल लूट लिए। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सुरागरसी की। इस दौरान टीम ने ग्राम भिंडारा निवासी हरीश राठौर और उत्तराखंड के मझोला गांव निवासी मनप्रीत सिंह को पकड़ा7 उनके पास से लूटे गए कुडल बरामद किए गए। आरोपियों ने लूट की घटना को स्वीकार किया ।एसओ सुभाष मावी ने बताया कि दोनों आरोपियों को चालान कर कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया है।

कैनाइन डिस्टेंपर वायरस की चपेट में तो नहीं आया था बाघ

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **आईवीआरआई में पोस्टमार्टम के बाद लिया गया सैंपल**
- **माला रेंज में शनिवार रात मृत मिले बाघ का मामला**

अमृत विचार : माला रेंज में मृत मिले बाघ का आईवीआरआई बरेली में पोस्टमार्टम के बाद उसका बिसरा सुरक्षित रखा गया है। दरअसल पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बाघ के पिछले कुछ दिन से भूखे होने की बात सामने आई है। जबकि बाघ चलने फिरने में समर्थ था। ऐसे में बाघ के कैनाइन डिस्टेंपर वायरस या फिर किसी अन्य बीमारी की चपेट में आने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल आईवीआरआई में विशेषज्ञों द्वारा बाघ का सैंपल लेने के बाद जांच की जा रही है। जांच के बाद ही बाघ की मौत की वास्तविकता सामने आ सकेगी।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व की माला रेंज में शनिवार रात धमेला वॉच टावर के नजदीक नर बाघ का शव पाया गया था। शव पड़े होने की जानकारी गशत कर रहे वनकर्मियों को लगी तो उन्होंने उन्होंने इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को दी थी। सूचना मिलते ही प्रभारी डीएफओ भरत कुमार डीके ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की थी। इसके बाद बाघ की मौत की पुष्टि होने के बाद आला अफसरों को सूचना दी गई। रात करीब दो बजे के आसपास मुख्य वन संरक्षक/फील्ड डायरेक्टर पीपी सिंह भी मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने ने भी मृत बाघ के शव की बारीकी से जांच की थी। जांच के दौरान बाघ के शरीर पर कोई चोट आदि का निशान नहीं पाया गया था। रविवार को आईवीआरआई बरेली में विशेषज्ञों की टीम द्वारा बाघ के शव का पोस्टमार्टम किया गया था। पोस्टमार्टम के बाद आईवीआरआई के विशेषज्ञों ने बाघ की मौत जहर आदि होने से इंकार किया है। हालांकि उसके भूखे होने की बात सामने आई है। जिसमें बाघ द्वारा मौत से कुछ दिन पूर्व से कुछ न खाना-पीना बताया गया।

विशेषज्ञ द्वारा जांच के बाद स्थिति होगी स्पष्ट

बाघ की मौत कैनाइन डिस्टेंपर वायरस से हुई है या फिर किसी अन्य बीमारी से, इसको लेकर आईवीआरआई के विशेषज्ञ जांच करेंगे। कैनाइन डिस्टेंपर एक वायरल जनित बीमारी है, जो कुत्तों आदि के संपर्क में आने से होती है। हालांकि जंगल में कुत्ते तो नहीं होते, मगर कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि जंगल में पाये जाने वाले सियार से भी बाघों में कैनाइन डिस्टेंपर की संभावना रहती है। इधर स्टूल टेस्ट में बाघ की मल काफी गीला पाया गया है। ऐसे में डायरिया से भी बाघ की मौत होने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल बिसरा सैंपल की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

> आईवीआरआई के पैनल ने पोस्टमार्टम के बाद स्पष्ट रूप से बताया है कि इसमें कोई गड़बड़ी नहीं है। यह प्राकृतिक मौत का मामला है। उन्होंने बीमारियों की जांच के लिए विसरा सैंपल एकत्र किए हैं। बाघ की मौत कैनाइन डिस्टेंपर से हुई है या फिर कोई और कारण रहा है, आईवीआरआई के विशेषज्ञों द्वारा सैंपल की जा रही जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। **-भरत कुमार डीके**, प्रभारी डीएफओ, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

विवाहिता की मौत, पति समेत छह पर रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, बिलसंडा

- **आए दिन दहेज के लिए उत्पीड़न करते थे ससुराली**
- **मायके वालों ने जहर देकर जान से मारने का लगाया आरोप**

अमृत विचार : विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में दहेज हत्या का आरोप लगा है। पुलिस ने पति समेत छह आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज की है।

माधुरी।

बीसलपुर थाना क्षेत्र के गांव गुलैंदा गोटिया निवासी जयराखन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी बेटी का विवाह एक वर्ष पूर्व भैनपुरा गांव के हिमांशु से हुआ था। मगर पति हिमांशु, उसका भाई अभिषेक, ससुर राजेंद्र, सास रूपवती, ननद अनुराधा व कंचन दान दहेज से संतुष्ट नहीं हुए। आए दिन दहेज के लिए शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न करते थे। गाली गलौज और मारपीट करते थे। 1 मार्च को शाम करीब 8 बजे सभी ने योजना बनाकर उसकी बेटी के खाने में जहर देकर मार दिया। सूचना मिलने वह उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीसलपुर ले गए। यहां पर डॉक्टर ने बेटी को मृत घोषित कर दिया। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की गई है। शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

68 मासूमों को मिली नई जिंदगी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **आरबीएसके के तहत कराया गया ऑपरेशन**
- **गंभीर जन्मजात बीमारियों का किया नि:शुल्क इलाज**

अमृत विचार : जन्म से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) उम्मीद की किरण बनकर सामने आया है। योजना के तहत जिले में अब तक 44 प्रकार की जन्मजात बीमारियों से ग्रसित 68 बच्चों का निःशुल्क और सफल उपचार कराया जा चुका है। इससे उनके परिवारों को बड़ी राहत मिली है।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत जन्मजात गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों का निःशुल्क इलाज कराया जा रहा है। इस योजना के तहत जिले में अब तक दिल में छेद, बहरेपन व गूंगेपन की समस्या, क्लेफ्ट लिप एवं क्लेफ्ट पैलेट, न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट, हाइड्रोसिफेलस, कंजेनाइटल कैटरेक्ट, हार्ट डिजीज और क्लब फुट जैसी बीमारियों से ग्रसित 68 बच्चों की सर्जरी कराई जा चुकी है। सभी बच्चे वर्तमान में स्वस्थ हैं। सीएमओ डॉ. आलोक कुमार शर्मा ने बताया कि अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच 68 बच्चों का निःशुल्क इलाज कराया गया। इनमें हृदय रोग से पीड़ित 9 बच्चों का सफल ऑपरेशन जेएन मेडिकल कॉलेज में कराया गया। उन्होंने बताया कि जन्म से टेढ़े-मेढ़े पैर (क्लब फुट) से पीड़ित 25 बच्चों का उपचार जिला अस्पताल में किया गया। कटे-फटे होंठ (क्लेफ्ट लिप) से ग्रसित 15 बच्चों की सर्जरी सारस्वत हॉस्पिटल में कराई गई। वहीं न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट से पीड़ित दो बच्चों का ऑपरेशन महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में कराया गया। इसके अलावा न्यूरोमोटर बीमारी से ग्रसित नौ बच्चों का इलाज भी जेएन मेडिकल कॉलेज में निशुल्क कराया गया। ग्राम इंडिया लच्छी निवासी 17 वर्षीय देवदत्त पुत्र राजीव कुमार को हृदय रोग से पीड़ित पाए जाने पर जेएन मेडिकल कॉलेज भेजा गया था, जहां उसका सफल ऑपरेशन हुआ। वर्तमान में उसकी हालत सामान्य है और वह पूरी तरह खतरे से बाहर है। निशुल्क इलाज और सर्जरी से गरीब व मध्यम वर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ नहीं पड़ रहा है। समय पर उपचार मिलने से बच्चे सामान्य जीवन की ओर लौट रहे हैं, जिससे अभिभावकों के चेहरे पर भी मुस्कान लौट आई है।

विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

दियोरियाकलां, अमृत विचार : एसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने पति समेत अन्य ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज की है।

जिसमें ग्राम पकड़िया निवासी ठकुरीलाल ने बताया कि उनकी पुत्री ज्योति की शादी छह मार्च 2024 को थाना माधोटांडा के ग्राम जमुनिया खास निवासी लालाराम के पुत्र अंकित उर्फ रामप्रताप से हुई थी।

पति अंकित उर्फ रामप्रताप, ससुर लालाराम, सास प्रेमा देवी, नन्द चंद्रकली, नंदोई राम सिंह, मामा जोराव आदि ने तीन लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर प्रताड़ित किया। आरोप है कि नशा देकर हत्या करने की कोशिश की गई। गर्भपात भी करा दिया गया। इसके बाद अक्टूबर 2025 में पीटकर घर से निकाल दिया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

बाल विवाह जागरुकता कार्यक्रम का किया आयोजन

बाल विवाह जागरुकता कार्यक्रम में स्वास्थ्यकर्मी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः डीएम और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार ग्राम पंचायत मंडरिया में स्वास्थ्य विभाग की ओर से एकल स्वास्थ्य शिविर लगाया गया।

जिसमें महिला कल्याण विभाग द्वारा बाल विवाह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रसाशिका तृप्ति मिश्रा ने विभागीय योजनाओं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना सखी वन स्टॉप सेंटर एवं चाईल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणाम बताए गए। इंद्रा दत्तक ग्रहण इकाई ने हेल्पलाइन नम्बरों इत्यादि की जानकारी दी। तत्पश्चात जेंडर स्पेशलिस्ट जयश्री द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान अंतर्गत शपथ दिलाई।

पीलीभीत के जैनुल ने प्रतियोगिता में बढ़ाया मान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

खिलाड़ी जैनुल आब्दीन।

- **वॉलीबॉल में यूपी की टीम ने बालक वर्ग में प्राप्त किया गोल्ड मेडल**
- **टीम में जनपद के होनहार खिलाड़ी जैनुल भी कर रहे थे प्रतिभाग**

अमृत विचार : पश्चिम बंगाल के हुगली में हुई 46वीं राष्ट्रीय सब जूनियर वॉलीबॉल प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की टीम ने बालक वर्ग में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इस टीम में जनपद के होनहार खिलाड़ी जैनुल आब्दीन भी प्रतिभाग कर रहे थे।

उत्तर प्रदेश की टीम ने फाइनल मुकाबले में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई)की टीम को कड़े संघर्ष में लगातार तीनों सेट में पराजित किया। इसमें जैनुल आब्दीन का प्रदर्शन प्रतियोगिता की शुरुआत से सराहनीय रहा। जैनुलाब्दीन को श्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया। जिला वॉलीबाल संघ के सचिव राजेश शुक्ला ने बताया कि जैनुलाब्दीन वर्तमान में न्यू हाल प्रयागराज छात्रावास में वॉलीबॉल का गहन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इनका चयन छात्रावास के लिए 2024 में हो गया था। जैनुल की शानदार उपलब्धि पर जनपद में खुशी की लहर दौड़ गई। यह भी बताया की वर्ष 2025 -26 में जनपद से करीब आधा दर्जन वॉलीबॉल खिलाड़ी विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, जिसमें अमन हालदार, समीर खान , रेहानखान ,सौरभ मंडल जैनुल आब्दीन व विजय मंडल आदि हैं। जैनुल ने इससे पूर्व गांधी स्टेडियम पीलीभीत में अपना आरंभिक प्रशिक्षण प्रशांत कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में प्राप्त किया था। इस मौके पर प्रशांत शुक्ला, संघ के अध्यक्ष रमाकांत शर्मा ,जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह, मुन्नालाल सक्सेना, दीपेंद्र चौहान, रेहान रजा खां, मोहम्मद साबिर ,नूर मोहम्मद ,देवेंद्र मोर्य अजय सिंह, भुवन जोशी,संजय, विकास अग्रवाल, सारिक आदि ने उज्जवल भविष्य की कामना की।

जंगल किनारे बसे लोगों को उजाड़ने की चल रही साजिश

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **भाकपा माले की बैठक में उठाए कई बिंदु, आंदोलन करने की दी चेतावनी**

अमृत विचारः भाकपा माले की जिला कमेटी की बैठक रविवार देर शाम बल्लभ नगर स्थित कार्यालय में सम्पन्न हुई। जिला सचिव देवाशीष राय ने कहा कि टाइगर रिजर्व की सीमा से दो किलोमीटर की दूरी तक पारिस्थिकी संवेदी जोन घोषित करने की योजना का भाकपा माले विरोध करेगी। इसके खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

कहा कि जंगल के किनारे बसे लोग पहले से ही बाघों और जंगली जानवरों के हमलो से जान गवां रहे है और वन विभाग के उत्पीड़न से परेशान हैं। सरकार जंगल किनारे बसे किसानों-मजदूरों की रक्षा के लिए समुचित व्यस्था करने के बजाय उनकी जमीनों और गांवो को पारिस्थिकी संवेदी जोन के दायरे में लाकर उनके जीवन को और ज्यादा असुरक्षित बना रही है।

उन्होंने कहा कि यह योजना जंगल किनारे बसे गांवो को बाघों और जंगली जानवरों के हमलों के लिए और ज्यादा सुरक्षित बनाकर और समस्त निर्माण व विकास कार्य रुकवाकर धीरे धीरे इन गांवो से ग्रामीणों को विस्थापित होने के लिए विवश करने की साजिश है। बैठक में जिला प्रभारी अफरोज आलम, देवीदयाल, नगीना, प्रह्लाद, रामभरोसे, शम्स विकास, किसन लाल, धर्मेंद्र पांडेय, सर्वेश, रामचन्द्र वर्मा, सईद आदि मौजूद रहे।

पुलिस बल के साथ निकाला रूटमार्च

शहर में पुलिस बल के साथ रूटमार्च करते एसपी सुकीर्ति माधव। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **संवेदनशील स्थानों पर तैनात पुलिस को भी किया चेक**

अमृत विचार : होली को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस अलर्ट है। सोमवार को दिनभर सख्त इंतजाम रहे। शाम होते ही अफसरों ने खुद कमान संभाली और रूट मार्च निकाला। भारी पुलिस बल के साथ अधिकारियों को रूटमार्च करता देख खलबली मची रही। अधिकारियों ने संवेदनशील स्थानों पर जाकर वहां पर तैनात किए गए भारी पुलिस बल से हालात की जानकारी की। इस दौरान खुराफात की कोशिश क रने वालों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए गए। एसपी सुकीर्ति माधव, सीओ सदर नताशा गोयल, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, कोतवाल सत्येंद्र कुमार, इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने शहर में जबकि ग्रामीण अंचलों में भी पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में रूटमार्च निकाला गया। आमजन व व्यापारियों से संवाद किया गया और उन्हें सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त किया गया। साथ ही आमजन से त्यौहारों को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाए जाने की अपील की गई।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक
सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

मेडिकल कॉलेज में किशोर की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

डॉक्टर-स्टाफ पर इलाज में लापरवाही का आरोप, पहुंची कोतवाली पुलिस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अस्पताल परिसर में विलाप करते मृतक के परिजन। ● अमृत विचार

- पेट में इंफेकशन बताकर बरेली के निजी अस्पताल में डॉक्टर ने किया था ऑपरेशन
- पुलिस के समझाने पर भी नहीं माने परिजनों का पोस्टमार्टम कराने से इनकार

अमृत विचार : बरेली के एक निजी अस्पताल में हुए ऑपरेशन के बाद भी किशोर की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। फेफड़े में इंफेक्शन की शिकायत होने पर हालत बिगड़ती चली गई और फिर परिजन उसे मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। यहां उसकी मौत हो गई। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस पहुंची और जानकारी की। काफी देर तक वार्ता चलती रही और अंत में परिवार ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया। इस दौरान अस्पताल परिसर में हड़कंप मचा रहा।

बरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम लखनऊ गौटिया निवासी वीरेश कुमार का 14 वर्षीय पुत्र अमन पिछले काफी समय से बीमार चल रहा था। उसके पेट में दर्द की शिकायत थी। इस पर परिवार वालों ने बरेली के एक निजी अस्पताल में दिखवाया। यहां पेट में इंफेकशन की शिकायत बताई। इस पर 5 जनवरी को बरेली के ही निजी अस्पताल में ऑपरेशन किया गया। इसके बाद भी स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ। इस बारे में पूछा गया तो निजी अस्पताल के स्टाफ ने 15 लाख का खर्च बताया। जब असमर्थता जताई गई तो रेफर कर दिया। इसके बाद किशोर को एम्स ऋषिकेश में दिखवाया। यहां पर भी इलाज नहीं मिला। इसके बाद लखनऊ के अस्पताल में दिखाया गया। वहां पर भी इजाज नहीं मिला। इसके बाद परिवार वाले उसे लेकर मेडिकल कॉलेज पीलीभीत पहुंचे। यहां इलाज के दौरान मौत हो गई। परिवार ने इस पर हंगामा कर दिया। उनका आरोप था कि मेडिकल कॉलेज में इलाज में लापरवाही बरती गई। उनका कहना है कि किशोर वेंटिलेटर पर रखा गया था। उसके जबरन मुंह में नली लगाई गई। इसका परिवार ने विरोध भी किया था, लेकिन इसे सुना ही नहीं गया और उसकी मौत हो गई। हंगामा होने की सूचना पुलिस को दी गई। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। परिवार से वार्ता की गई। इसके बाद बमुश्किल परिजन मान गए और पोस्टमार्टम से इन्कार कर दिया। किशोर की मौत के बाद परिवार में चीख पुकार मची रही।

> एक किशोर की इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज में मौत हुई थी। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर गई थी। मामले की जानकारी की गई। मगर परिवार ने पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया। अगर कोई तहरीर मिलती है तो कार्रवाई की जाएगी।
> –**सत्येंद्र कुमार**, कोतवाल सदर

पुस्तक का विमोचन करते जिला अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह व अन्य। ● अमृत विचार

जिला अधिकारी ने किया पुस्तक का विमोचन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- वन्यजीवन पर आधारित पुस्तक सफरनामा का किया विमोचन
- ये पुस्तक है वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर बिलाल मियां खान की

अमृत विचार : गांधी प्रेक्षागृह में बीते दिनों संपन्न हुए भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव के समापन के दिन डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने वन्यजीवन पर आधारित हिंदी पुस्तक सफरनामा का विमोचन किया।

ये पुस्तक वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर बिलाल मियां खान की है। इस पुस्तक में वर्ष 2003 में माला रेंज में गोली से मारी गई बाघिन, पीलीभीत से फैजाबाद पहुंचे बाघ को गोली द्वारा मारने, वर्ष 2003 में चूका पिकनिक स्पॉट का प्रथम उद्घाटन व वर्ष 2012 से वर्ष 2026 तक मानव वनजीवन संघर्ष के दौरान मनुष्य एवं जीव जंतुओं की विस्तार पूर्वक घटनाएं और जंगल व उसके आसपास के पर्यटन को दर्शाया गया है।

गर्दन पर मिला निशान पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

संवाददाता, बरखेड़ा

- ड्यूटी के दौरान होमगार्ड की मौत का मामला

अमृत विचार : ड्यूटी के दौरान होमगार्ड की मौत के मामले में पोस्टमार्टम का इंतजार है। परिवार की ओर से भी कोई आरोप नहीं लगाए गए हैं। मगर पोस्टमार्टम के दौरान गर्दन पर निशान मिलने से मामला संदिग्धता की ओर इशारा कर दिया है। परिवार के मन में भी इसे लेकर सवाल उठे। हालांकि पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

बता दें कि बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम कोकिली के रहने वाले 55 संत कुमार तिवारी (55) होमगार्ड थे। वह वर्तमान में कस्बा बरखेड़ा के वार्ड नंबर सात में रह रहे थे। उनकी ड्यूटी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बरखेड़ा में लगी थी। रविवार शाम को वह कॉलेज परिसर में पड़े मिले थे। आनन-फानन में सीएचसी लाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। बरखेड़ा पुलिस ने सोमवार को शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बताते हैं कि पोस्टमार्टम के लिए शव खोला गया तो गर्दन पर निशान दिखाई दिए, जबकि पंचायतनामा में इसका कोई जिक्र नहीं था। इस पर परिवार वाले भी दंग रह गए। फिर पंचायतनामा भरने वाले दरोगा को पोस्टमार्टम हाउस बुलवाया गया। वहीं, पर गर्दन पर आए निशान की बात उसमें शामिल कर दी गई। गर्दन पर निशान मिलने के बाद से मौत की गुत्थी संदिग्धता की ओर इशारा कर गई। हालांकि पूरी तरह से स्थिति स्पष्ट करने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

हत्या के प्रयास का आरोपी बाल अपचारी गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कटरा क्षेत्र में छात्र नैतिक को गोली मारकर घायल करने के मामले में पुलिस ने आरोपी बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पिता का लाइसेंसी पिस्टल और खोखा बरामद कर लिया है। कटरा थाना क्षेत्र के मोहल्ला कहरान बजरिया निवासी राधा जायसवाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि शनिवार की शाम उसके बेटे नैतिक जायसवाल एक किशोर घर से बुलाकर ले गया था। उसे एक घंटे बाद बेटे के गोली मारने की सूचना मिली थी। वह मौके इंटर कालेज पर पहुंची तो उसका बेटा खून से लथपथ पड़ा हुआ था। उसके गोली बायी ओर छाती में लगी थी। पुलिस ने बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया और पिस्टल बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपी का चालान कर दिया।

तीन बसें सीज, 20 वाहनों का किया चालान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

बस मालिकों के साथ बैठक करते एआरटीओ शांति भूषण पांडेय। ● अमृत विचार

- एआरटीओ ने बस ऑपरेटरों के साथ की बैठक, दी हिदायत

अमृत विचार: यात्रियों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। बाहरी राज्यों से आने-जाने वाली सवारियों को किसी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना से बचाने को लेकर एआरटीओ ने जिले में बड़े स्तर पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान स्लीपर और डग्गामार समेत तीन बसें सीज की गईं। इसके अलावा 20 वाहनों का चालान किया गया।

एआरटीओ शांति भूषण पांडेय ने इससे पहले अपने कार्यालय पर बस मालिकों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि निर्धारित किराए से अधिक वसूली कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी वाहन के विरुद्ध अधिक किराया लेने की शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। कोई भी वाहन ओवरस्पीड, ओवरलोडिंग या क्षमता से अधिक सवारी लेकर संचालित न किया जाए। नशे की हालत में वाहन चलाने पर पूर्ण प्रतिबंध की चेतावनी दी गई। साथ ही प्रत्येक बस में दो ड्राइवर अनिवार्य रूप से रखने के निर्देश भी दिए गए। इसके बाद एआरटीओ ने यात्री कर माल अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र प्रताप ने एआरएम लखीमपुर के साथ संयुक्त रूप से स्लीपर और डग्गामार बसों की सघन जांच की। अभियान के दौरान तीन स्लीपर बसों को बंद कराया गया, जिनके कागजात वैध नहीं पाए गए। कुछ बसें निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां लेकर संचालित हो रही थीं। इसके अतिरिक्त 20 विभिन्न वाहनों के चालान भी किए गए। परिवहन विभाग की इस कार्रवाई से अवैध व नियमों की अनदेखी कर चलने वाले बस संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है।

सड़क हादसों में दो बाइक सवार घायल

तिलहर, अमृत विचार : अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से मोटरसाइकिल सवार कांठ थाना क्षेत्र के भरतपुर फैजुल्लागंज निवासी राम प्रताप पुत्र जगराज घायल हो गए। वहीं एक अन्य सड़क दुर्घटना में कुलदीप पुत्र छेदा लाल भी घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल लाया गया। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार दिया गया, जहां से हालत को देखते हुए उन्हें आगे के उपचार के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

उन्नत प्रजातियों व ट्रेंच विधि पर दिया जोर

संवाददाता, पलिया कलां

बिरिया गांव में गोष्ठी में किसान। ● अमृत विचार

अमृत विचार: बजाज चीनी मिल ने थारू बाहुल्य गांव बिरिया में गन्ना किसान गोष्ठी आयोजित की, जिसमें उन्नतशील प्रजातियों व ट्रेंच विधि से गन्ने की बुवाई करने पर जोर दिया गया।

गन्ना किसान संस्थान शाहजहांपुर के उपनिदेशक डॉ. पीके कपिल, वरिष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मिथिलेश पांडेय व उप महाप्रबंधक (गन्ना) राजीव तोमर ने किसानों को आधुनिक खेती की जानकारी दी। उप महाप्रबंधक ने बताया कि वर्तमान समय बसंतकालीन गन्ना बुवाई के लिए उपयुक्त है। किसी भी अस्वीकृत या अपरिचित प्रजाति की बुवाई न करें। गोबर की खाद प्रयोग करने पर जोर दिया। किसानों को खेती के साथ बागवानी व सब्जी उत्पादन अपनाने तथा गन्ने की कतारों के बीच कम से कम चार फीट की दूरी रखने की सलाह दी। खेतों में गन्ने की पत्तियां जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में भी बताया। गोष्ठी की अध्यक्षता घुम्मन प्रधान ने की। इस दौरान चीनी मिल के प्रमोद तोमर, रमाकांत सहित क्षेत्र के काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

डीसीएम की टक्कर से पिता पुत्र की मौत, दो लोग घायल

संवाददाता, शाहजहांपुर/अल्हागंज

अमृत विचार : अल्हागंज थाना क्षेत्र के गांव देहना निवासी 32 वर्षीय रविराज ने अपने 12 वर्षीय बेटे पीयूष से कहा कि होली का पर्व है और जलालाबाद बाजार में चलकर सामान खरीदकर लाते है।

सोमवार की सुबह साढ़े 10 बजे पिता और पुत्र ई-रिक्शा में बैठकर जलालाबाद बाजार जा रहे थे। जलालाबाद-फर्रुखाबाद मार्ग पर सीएनजी गैस सिलेंडर से भरे डीसीएम ने ई-रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों लोग ई-रिक्शा से बाहर जाकर गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। साथ ही ई-रिक्शा चालक सरबजीत और उसके पिता मुन्ना लाल भी घायल हो गए। चालक डीसीएम छोड़कर भाग गया। अल्हागंज पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सीएचसी पर भेज दिया। डाक्टर ने रविराज और उसके बेटे पीयूष को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने डीसीएम को कब्जे में ले लिया। अल्हागंज प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा,
शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो.9457833777

ट्रेन से यात्री को बेहोशी की हालत में उतारा मेडिकल कॉलेज भेजा

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जननायक एक्सप्रेस में एक यात्री को अचानक बेहोश हो गया। आरपीएफ और जीआरपी ने उसे उतारा। यात्री को मेडिकल कालेज भेज दिया। ट्रेन करीब 15 मिनट खड़ी रही। जननायक एक्सप्रेस रविवार को दिन में साढ़े 12 बजे प्लेटफार्म तीन पर आकर रुकी। इंजन से दूसरी बोगी में एक यात्री बेहोशी की हालत में सीट पर पड़ा था। यात्रियों ने इंजन के लोको पायलट से कहा कि सीट पर एक यात्री बेहोशी की हालत में पड़ा है। लोको पायलट ने आकर कोच में देखा और स्टेशन मास्टर को सूचना दी। इस दौरान आरपीएफ और जीआरपी कोच के पास पहुंचे। आरपीएफ और जीआरपी ने यात्री को बेहोशी की हालत में उतारा, जिसकी उम्र करीब 45 साल होगी। इस दौरान जननायक एक्सप्रेस करीब 15 मिनट खड़ी रही। आरपीएफ ने यात्री को बेहोशी की हालत में मेडिकल कालेज भेज दिया।

स्पेलर मशीन में फंसकर कंधे से हाथ अलग

- सुरजूपुर गांव में खली निकालते समय हुआ हादसा, जुटी ग्रामीणों की भीड़
- प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने बरेली के निजी अस्पताल किया रेफर

संवाददाता, जैतीपुर

हादसे के बाद घायल किशोर का उपचार करते डॉक्टर। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सुरजूपुर गांव में स्पेलर मशीन पर काम के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। 12 वर्षीय किशोर का हाथ कंधे से अलग हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मदद पहुंचाई।

जानकारी के अनुसार सुरजूपुर गांव के बिनौरा मोड़ पर हरिशंकर राठौर का सरसों सहित अन्य तेल निकालने का स्पेलर लगा हुआ है। रविवार शाम करीब पांच बजे मशीन चल रही थी। इसी दौरान गांव निवासी विश्राम का 12 वर्षीय बेटा रवि स्पेलर से खली निकालने लगा। तभी उसके हाथ में पहना कड़ा मशीन में फंस गया और देखते ही देखते उसका हाथ कंधे से अलग हो गया। हादसा होते ही हरिशंकर राठौर ने तुरंत स्पेलर बंद किया, लेकिन तब तक किशोर गंभीर रूप से घायल हो चुका था और मौके पर काफी खून फैल गया। सूचना मिलने पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल रवि को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। रवि के पिता विश्राम ने बताया कि उनका बेटा खेलते हुए स्पेलर के पास पहुंच गया था। हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी प्रिंस शर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

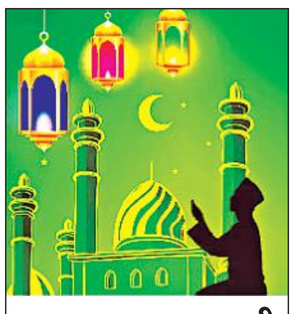

इफ्तार
मंगलवार शाम
सुन्नी : 6:11
शिया : 6:14

सहरी
बुधवार सुबह
सुन्नी : 5:03
शिया : 5:05

न्यूज ब्रीफ

खेत में जानवर चराने को लेकर मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना पढुआ क्षेत्र के गांव खैरीपुरवा (सुजानपुर) निवासी सत्यराम ने बताया कि वह अपने खेत की देखभाल के लिए गया था। वहां उसने देखा कि बलुआपुरवा निवासी अनुराग उसकी गेहूं की फसल में अपने जानवर चरवा रहा था। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों से मारपीट की। बाएं हाथ में काट लिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है।

मेड़ बांधने के विवाद में दंपती व बेटी से मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली धौरहरा के गांव देवीपुरवा मजरा खरवहिया नंबर 1 के रहने वाले सुरेश कुमार नागर ने बताया कि 1 मार्च की शाम करीब 4 बजे गांव के ललित, सिद्धार्थ और नीरज उसके खेत में जबरन मेड़ बांध रहे थे। इस पर उसकी पत्नी गुड्डी देवी और पुत्री दिव्या सुमन खेत पर पहुंचीं और मेड़ बांधने का विरोध किया। इस पर पत्नी और पुत्री के साथ मारपीट की। बचाने पहुंचे सुरेश कुमार को भी पीटा। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिलाओं पर लाठी डंडों से हमला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शहर के मोहल्ला राजगढ़ निवासी रामगुनी ने बताया कि वह अपनी बहू मोनी के साथ घर के बाहर बैठी थीं। आरोप है कि तभी दीपू, रामू, नामचां व आरती लाठी-डंडों के साथ पहुंचे और उन पर हमला कर दिया। इससे सास-बहू घायल हो गईं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दोनों का मेडिकल परीक्षण कराया है।

गिरफ्तारी पहले या मुठभेड़, वायरल वीडियो से उठ रहे सवाल

आरोपी ने किया दावा: रविवार की शाम एक बाग से गिरफ्तार कर लिया, फिर पैर में मारी गोली, पुलिस ने कहा भागने पर आत्मरक्षार्थ चलाई गई गोली

टीएन अवस्थी, लखीमपुर खीरी

अस्पताल में भर्ती आरोपी छोटू सिंह।

> मुठभेड़ में गिरफ्तार छोटू गैंगरेप मामले में आरोपी है। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। उसे जब टीम ने घेरा तो छोटू ने टीम पर फायर कर दिया था। आत्मरक्षा में चली पुलिस की गोली से वह घायल हुआ है। जिसका उपचार कराकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।
>
> **-मनीष कुमार सिंह**, प्रभारी निरीक्षक सिंगाही।

अमृत विचार: मूक बधिर थारू बच्ची से सामूहिक गैंगरेप मामले में दूसरे हाफ एनकाउंटर को लेकर सिंगाही पुलिस घिर गई है। इस बार खुद घायल आरोपी ने पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में आरोपी दावा कर रहा है कि उसे रविवार की शाम ही एक बाग से गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद सोमवार को उसके पैर में गोली मारी गई, जबकि पुलिस मुठभेड़ की कहानी पेश कर रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने पुलिस टीम पर फायर किया। पुलिस के आत्मरक्षार्थ चलाई गई गोली पैर में लगने से आरोपी घायल हुआ है।

थाना सिंगाही क्षेत्र की एक मूक बधिर मंद बुद्धि की थारू बालिका (10) शनिवार को परिवार वालों के साथ पड़ोस के गांव में अपने रिश्तेदार के घर एक समारोह में शामिल होने गई थी। जहां से उसे दूसरे समुदाय के जावेद ने अपने साथी थाना पढुआ के गांव रामनगर बगहा निवासी छोटू सिंह के साथ उसे अगवा कर लिया। पास के गन्ने के खेत में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। इस घटना से क्षेत्र में जहां भारी आक्रोश फैल गया। वहीं पुलिस महकमे में भी खलबली मच गई थी।

मौके पर पहुंची एसी डॉ. ख्याति गर्ग के कड़े तेवरों पर एक्सन में आई पुलिस ने रविवार को मुख्य आरोपी जावेद को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया था। उसके पैर में गोली लगी थी। उपचार के बाद आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश में संभावित स्थानों पर छापेमारी करने का दावा कर रही थी। सोमवार को पुलिस ने दूसरे हाफ एनकाउंटर में आरोपी छोटू को गिरफ्तार करने का दावा किया। उसके बाएं पैर में लोगी लगी है। इस हाफ एनकाउंटर को लेकर पुलिस की तब किरकिरी हुई। जब अस्पताल में भर्ती आरोपी छोटू सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा। वीडियो में खुद घायल आरोपी ने पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए हैं। वायरल वीडियो में आरोपी कह रहा है कि उसे पहले ही हिरासत में ले लिया गया था। उसके अनुसार, गिरफ्तारी के बाद अगले दिन मुठभेड़ दिखाते हुए उसके पैर में गोली मारी गई, जिससे वह घायल हो गया और चलने में दिक्कत होने लगी। आरोपी का कहना है कि मुठभेड़ की कहानी बाद में बनाई गई।

उधर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी सामूहिक दुष्कर्म मामले में वांछित था। सिंगाही पुलिस ने घेराबंदी कर उसे सिंगाही नौरंगाबाद मार्ग के किनारे स्थित मुख्तियार की बाग से ग्राम मनमथपुर जाने वाले कच्चे मार्ग पर पकड़ने का प्रयास किया। इस दौरान आरोपी पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर करने लगा। पुलिस के आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में छोटू सिंह के बांए पैर में गोली लगी है, जिसे गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 तमंचा 12 बोर, 1 खोखा कारतूस 12 बोर व एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस का दावा है कि पूरी कार्रवाई नियमों के तहत की गई है। बहरहाल वीडियो वायरल होने के बाद अब सिंगाही पुलिस की जमकर फजीहत हो रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों और परिस्थितियों की जांच की जाएगी और यदि किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

घटना को लेकर गांव में तनाव बरकरार

थारू बालिका से सामूहिक दुष्कर्म की घटना होने के बाद आसपास के गांवों में भी तनाव व्याप्त है। हालांकि पुलिस हर गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए है, लेकिन इस घटना ने सभी को हैरान कर दिया है। लोग बच्चियों और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में हो, जिससे शीघ्र सुनवाई पूरी कर आरोपियों को कठोर सजा मिले। उधर पीड़ित बच्ची के परिजनों ने आरोपियों को फांसी देने की मांग उठाई है।

पूजन के बाद शुभ मुहूर्त में हुआ होलिका दहन

रंगोत्सव कल, परंपरागत रूप से लोगों ने किया होलिका का पूजा पाठ, जौ की बाली और खूब बिके उपले एवं टेशू

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: होली का उल्लास हर तरफ सोमवार को हो दिखाई देने लगा। घरों में पकवान बनाकर विधि विधान से महिलाओं ने होलिका का पूजन किया। इस बार आधी रात 12:50 बजे के बाद जिले भर में होलिका दहन शुरू हुआ। मंगलवार को दोपहर बाद तक पूर्णिमा और सूतक व चंद्र ग्रहण की वजह से इस बार रंगोत्सव बुधवार को होगा। हालांकि सोमवार की रात होली जलने के बाद कुछ स्थानों पर अबीर गुलाल खेला गया।

होली की तैयारी में लोग पिछले कई दिनों से लगे थे। मगर, सोमवार को तैयारियों का उत्साह और अधिक लोगों में दिखाई दिया। घरों में पूजन की तैयारियां देर शाम तक चलती रहीं। महिलाओं ने देर रात होलिका स्थल पर जाने से बचने के लिए दिन में ही विधि विधान से पूजन किया। जबकि अधिकांश लोगों ने परिवार संग शुभ मुहूर्त में होलिका स्थल पर जाकर विधि विधान से परंपरागत रूप से होलिका तापकर उसकी परिक्रमा कर गोबर के उपले से लेकर जौ-गेहूं की बाली, टेशू के फूल अर्पित किए। इसके बाद घरों और कई जगह सार्वजनिक रूप से गाने बजाकर देर रात तक धमाल किया।

होलिका दहन के लिए जौ की बाली बेचते लोग। ● अमृत विचार

पलिया में होलिका पूजतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

रंगोली के बीच सजी होली।

10 से 15 रुपये की बिकीं जौ की बालियां

कभी गांवों से मुफ्त में मिलने वाली गेहूं एवं जौं की बालियों से लेकर गोबर के उपलों ने भी होली पर व्यापार का रूप ले लिया है। सोमवार को गुरु गोविंद सिंह तिराहा, सब्जी मंडी, संकटा देवी चौराहा, संकटा देवी रोड, सौजन्या तिराहा आदि जगहों पर इनकी बिक्री होती रही। गेंहू से लेकर जौं की बालियां दस से 15 रुपये में गोबर के उपले, टेशू के फूल आदि की खूब बिक्री हुई।

श्रद्धालुओं ने विविध पकवानों से पूजी होली

पलिया कलां। नगर के राम मंदिर से पांडे बाबा मंदिर जाने वाले रास्ते पर स्थित प्रमुख होलिका स्थल पर आज सारे दिन बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु स्त्री- पुरुषों ने धूप -दीप ,फूल- फल ,मेवा- मिष्ठान,गोझिया आदि से पूजा -अर्चना कर होलिका की परिक्रमा की और होलिका माता के जयकारे लगाए। इनमें नगर के मोहल्ला बाजार, रंगरेजान, अहिरान व इन्द्रानगर आदि के अनेक मारवाड़ी श्रद्धालु विशेष रूप से पूजा करते दिखे। इस मौके पर मौजूद कई लोगों ने होलिका माता की जय बोलते हुए बताया कि वे देर रात होलिका जलने के बाद दूसरे दिन दोपहर तक होली में जौं, अलसी, बल्ला आदि डालकर फेरे लगायेंगे और इष्ट मित्रों के गले मिल, होली की बधाई दे जमकर रंग खेलेंगे। यह उनका सबसे प्रमुख धार्मिक त्योहार है। इसके अतिरिक्त मोहल्ला ढाकिन, टेहरा, सिंगहिया एवं किसान के होली स्थलों पर भी लोगों ने होलिका की पूजा- अर्चना की। उधर, आज सारे दिन रंग गुलाल, मिष्ठान विक्रेताओं के यहां खरीददारों की भारी भीड़ जुटी रही। इसके अतिरिक्त रेडीमेड वस्त्र विक्रेताओं, श्रृंगार -सामग्री की दुकानों एवं जूता- चप्पल आदि विक्रेताओं के यहां भी भारी भीड़ जुटी देखी गई।

चंद्र ग्रहण के सूतक काल में मंदिरों के कपाट आज रहेंगे बंद

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- **मंगलवार सुबह 8.55 से लगेगा सूतक काल**

अमृत विचार: होली पर्व पर भद्रा काल और चंद्र ग्रहण के कारण मंगलवार तीन फरवरी को सुबह 8.55 बजे से सूतक काल आरंभ होने के चलते पौराणिक शिव मंदिर सहित अन्य मंदिरों के कपाट बंद रहेंगे।

पौराणिक शिव मंदिर में सोमवार को श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ का दर्शन, पूजन कर जलाभिषेक किया। शिव मंदिर प्रबंध समिति ने चंद्र ग्रहण के सूतक काल में पौराणिक शिव मंदिर के कपाट बंद रखने का निर्णय लिया है। पंडित मुनेंद्र शुक्ला ने बताया कि मंगलवार को चंद्रग्रहण सायं 6 बजे से 6.48 तक है। चंद्रग्रहण का सूतक काल नौ घंटे पहले शुरू हो जाता है। इसलिए मंगलवार को सुबह 8.55 से चंद्रग्रहण के मोक्ष होने तक सायं 6.48 तक मंदिरों के कपाट बंद रहेंगे।

शाम सात बजे पूजन आरती के साथ दर्शनार्थ कपाट खुलेंगे। उन्होंने बताया कि सोमवार को शाम 5.18 बजे से फाल्गुन पूर्णिमा तिथि आरम्भ हुई। तीन मार्च मंगलवार को सायं 6 बजे से चंद्र ग्रहण का दृश्य होगा और 6.48 पर मोक्ष होगा। मंगलवार सुबह 8.55 बजे से ग्रहण का सूतक लगने के कारण मंदिर के कपाट बंद हो जाएंगे और रात्रि की आरती सात बजे के बाद होगी। चार मार्च बुधवार को रंगोत्सव मनाया जाएगा।

छोटी काशी के पौराणिक शिव मंदिर में पूजा करने जाते श्रद्धालु।

होली पर आलू भूनकर खाते हैं हिंदू-मुस्लिम समुदाय के लोग

संवाददाता, मोहम्मदी (खीरी)

- **मिसाल: हिंदू-मुस्लिम एकता देखनी हो तो होली पर आइए**

अमृत विचार: मोहल्ला पश्चिमी लखपेड़ा की होली हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल है। इसे कस्बे की सबसे बड़ी होली कहा जाा है। 80 वर्षों से अधिक समय से मुस्लिम बाहुल्य इस मोहल्ले में होली जलाई जाती है और हिंदू-मुस्लिम समुदाय के लोग होली में आलू भूनकर खाने की परंपरा निभाते हैं। मुस्लिम समुदाय के लोग होलिक दहन में सहयोग करते हैं और शामिल होते हैं।

मोहल्ले के बुजुर्ग रमजान, सतीश कुमार, इशहाक, मोहम्मद इदरीश आदि बताते हैं कि पहले ताल्लुकेदार (जमींदार) होते थे, जिनका सभी सम्मान करते थे। पश्चिमी लखपेड़ा की होली सबसे पुरानी है। वह अपने बाबा और दादी से सुनते चले आ रहे हैं कि यहां के लोगों ने होली तापने जमींदार के आने पर उनका स्वागत भुने आलू से करने का निर्णय लिया। सुबह के समय होली में ही आलू भूनकर खिलाना आसान था। तभी से होली तापने आने पर ताल्लुकेदार और मोहल्लेवासियों को होली में आलू भूनकर खिलाया जाने लगा।

धीरे-धीरे यह परंपरा बन गई। बाद में ताल्लुकेदारी भी समाप्त हो गई, लेकिन होली में आलू भूनकर एक दूसरे को खिलाने की परंपरा चल रही है। यह होली अच्छन मियां के घर के पास जलती है। पहले पूरा मोहल्ला सहयोग करके लकड़ी इकट्ठा करता था, लेकिन अब नगर पालिका की ओर से लकड़ी का इंतजाम किया जाता है। मोहल्ले के ज्यादातर लोग कहते हैं कि वह अपने बचपन से दोनों समुदायों के मिलजुलकर होली मनाने की इस परंपरा का देखते चले आ रहे हैं।

जमकर खेलें रंग और गुलाल, पालिका प्रशासन तैयार

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: होली पर रंग खेलने के लिए आम जनमानस ने जहां पारंपरिक तैयारियां पूरी कर ली हैं तो वहीं पालिका प्रशासन ने भी त्यौहार के दिन तीन बार पानी देने के पुख्ता इंतजाम कर लिए हैं, जिससे नगर वासियों को होली वाले दिन रंग खेलने से लेकर इसे छुड़ाने में पानी को लेकर किसी तरह की कोई दिक्कत न हो। पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने बताया कि वार्डों में पानी भरे टैंकरों की भी व्यवस्था की गई है ताकि शहर वासियों को दिक्कत न हो।

नगर पालिका प्रशासन वैसे तो रोजाना सुबह और शाम दो-दो घंटे पानी की सप्लाई घरों में करता है। मगर, होली पर पालिका प्रशासन ने पानी को लेकर विशेष तैयारियां करने के साथ आपात स्थित के लिए भी पुख्ता इंतजाम किए हैं, जिससे रंगों के त्योहार पर लोगों को पानी की किल्लत न होने पाए। नगरवासी रंगोत्सव पर्व पूरे उल्लास के साथ मना सकें। इसलिए रंगोत्सव के दिन यानि बुधवार को दिन में तीन बार पानी की आपूर्ति घरों में की जाएगी।

बता दें कि नगर में करीब दो लाख की आबादी निवास करती है। इनको प्रतिदिन नगर पालिका का जलकल विभाग 14 ओवरहेड टैंक से पानी की टंकी के माध्यम से सप्लाई देता है।

जलकल विभाग रोजाना सुबह और शाम दो-दो घंटे पानी आपूर्ति देता है। मगर, रंग खेलने के बाद इसे छुड़ाने में पानी की जरूरत बहुतायात में होती है। इसिलए पालिका प्रशासन ने दोपहर में 12 बजे से दो बजे तक पानी की अतिरिक्त सप्लाई देने का निर्णय लिया है। पालिकाध्यक्ष ने बताया कि होली पर पानी से संबंधित किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। सुबह, दोपहर और शाम को पानी सप्लाई मिलेगी। दोपहर में दो घंटा पानी आपूर्ति होगी।

विषम परिस्थियों में टैंकर से होगी पानी की सप्लाई

ईओ संजय कुमार ने बताया कि होली पर पानी की आपूर्ति करने के लिए तैयार पूरी कर ली गई है। ओवरहेड टैंक के साथ सभी टैंकर भी भरवा लिए गए हैं, जिससे यदि किसी मोहल्ले में पानी आपूर्ति बाधित हो जाए जो टैंकर भेजकर पानी मुहैया कराया जा सके।

नगर पालिका लखीमपुर

- वार्ड-30
- आबादी- करीब दो लाख
- ओवरहेड टैंक- 14
- क्षमता- करीब 14 हजार किलोलीटर
- पानी टैंकर- नौ
- क्षमता-38500 लीटर

रंग छुड़ाने में इनका भी रखें ध्यान

- रंग छुड़ाने के लिए ठंडे साफ पानी का प्रयोग करें।
- रगड़कर रंग छुड़ाने का प्रयास कदापि न करें।
- साबुन या डिटर्जेंट का इस्तेमाल बिल्कुल न करें।
- आंटा, दूध व तेल से बने उबटन से रंग छुड़ाएं।
- नहाने के बाद शरीर पर जैतून या नारियल तेल लगाएं।

> होली में नगर वासियों को पानी की किल्लत नहीं होगी। इसके लिए सभी ओवरहेड टैंक सोमवार रात में ही फुल करवा लिए गए। सुबह सप्लाई देने के बाद फिर से टैंक फुल कर लेने के निर्देश दिए हैं, जिससे दोपहर में 12 से दो बजे तक फुल प्रेशर से पानी दिया जा सके। चूंकि इस बार चंद्रग्रहण के कारण रंगोत्सव बुधवार को है, इसलिए दोनों दिन जलापूर्ति की पूरी व्यवस्था की गई है।
>
> **-डॉ. इरा श्रीवास्तव**, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद लखीमपुर।

दिन में होली जलाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- **रामापुर चौकी क्षेत्र में अराजक तत्वों ने की हरकत**

अमृत विचार: सदर कोतवाली क्षेत्र की रामापुर चौकी में होली से ठीक पहले माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। अराजकतत्वों ने गांव के होलिका दहन स्थल पर सुबह 11 बजे आग लगा दी, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। पुलिस ने लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ग्रामीणों के अनुसार होलिका दहन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। सोमवार सुबह करीब 11 बजे अचानक होलिका स्थल से धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते लकड़ियां जलने लगीं। लोगों का आरोप है कि त्योहार के रंग में खलल डालने की नीयत से किसी शरारती तत्व ने जानबूझकर आग लगाई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। चौकी प्रभारी धनंजय शुक्ला ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। साथ ही घटना की सूचना उच्चाधिकारियों को दी। सूचना पर शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे और लोगों को कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस की मौजूदगी में होलिका दहन स्थल पर दोबारा लकड़ियां डलवाई गईं और ग्रामीणों से शांति एवं सौहार्द के साथ होली मनाने की अपील की गई। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामला संज्ञान में आया था। प्रथम दृष्टया यह किसी शरारती तत्व की हरकत प्रतीत होती है। फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था कायम है और निगरानी बढ़ा दी गई है। माहौल बिगाड़ने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

होली पूजन कर की सुख समृद्धि की कामना

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: नगर क्षेत्र में विभिन्न 23 स्थानों में होलिका सजाई गई है, जहां महिलाओं ने धार्मिक परंपराओं के साथ विधि विधान से होलिका पूजन कर सुख, समृद्धि की कामना की।

नगर के विभिन्न होलिका दहन स्थलों मुन्नूगंज, मेला मैदान, ट्रक यूनियन रोड, त्रिलोक गिरि मंदिर के निकट, हमीद मार्केट सहित अन्य जगहों पर महिलाओं ने होलिका दहन से पहले पूजा अर्चना की। उन्होंने मां होलिका, भगवान विष्णु और भक्त प्रहलाद की पूजा कर अपने बच्चों की लंबी उम्र, परिवार की सुख समृद्धि और समाज की खुशहाली की कामना की। पूजा के महिलाओं ने दौरान गोबर के बल्ले, चांद सूरज के प्रतीक और प्रसाद अर्पित किया गया। पंडित शिवम मिश्रा ने बताया कि धार्मिक परंपरा के अनुसार, होलिका दहन के समय गेहूं और जौ की बालियां भी भूनी जाती हैं। बताया कि भक्त प्रह्लाद भगवान विष्णु के परम भक्त थे। उनके पिता हिरण्यकश्यप को यह पसंद नहीं था। उसने अपनी बहन होलिका से कहा कि वह प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठे। लेकिन आग में होलिका जल गई और भक्त प्रह्लाद सुरक्षित बच गए। बुराई पर अच्छाई का प्रतीक इसी घटना की याद में हर साल होली का पर्व मनाया जाता है।

होली पर जमकर बिका अबीर, गुलाल और गुझिया

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: होली पर्व को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है। सोमवार दोपहर से देर शाम तक लोगों ने बाजार में सजी दुकानों पर जमकर अबीर, गुलाल, नमकीन, गुझिया आदि की खरीदारी की है।

मेला मैदान की जूता, चप्पल, कपड़े, मिठाई, नमकीन, बर्तन, जनरल स्टोर की दुकानो, तीर्थ बाजार सहित नगर में सभी प्रमुख मार्गों पर देर रात तक भीड़भाड़ की स्थिति बनी रही, जिससे सड़कों पर पूरे दिन जाम की स्थिति बनती, बिगड़ती रही। होली के त्यौहार को दो-तीन दिन पहले से ही नगर के प्रमुख बाज़ारों, दुकानों, सभी छोटे बड़े मॉल में खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। गुलाल, पिचकारी, नमकीन और मिठाइयों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ लग गईं, जिससे बाज़ारों में पैर रखने तक की जगह नहीं मिली। होली पर्व पर खरीदारों की भीड़ के कारण नगर के सभी मुख्य मार्गों और तीर्थ बाजार, मेला मैदान परिक्षेत्र में ई रिक्शा और छोटे, बड़े वाहनों के बेतरतीब संचालन से ट्रैफिक जाम की स्थिति दोपहर बाद से देर शाम तक बनी रही, जिससे खरीदारी करने ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों के साथ नगर निवासियों, राहगीरों को भी परेशानी हुई।

नगर की व्यस्ततम रोड अलीगंज रोड, मिल डायवर्जन रोड, खुटार रोड और मिल रोड पर ई-रिक्शा के साथ ही दोपहिया और चार पहिया वाहनों की अधिकता के कारण सड़कों पर जगह कम पड़ गई। वहीं, सड़क किनारे अव्यवस्थित ढंग से खड़े वाहनों और अतिक्रमण ने जाम की स्थिति को और गंभीर बना दिया। कई स्थानों पर ठेले, अस्थायी दुकानें और फेरीवाले सड़क तक फैल गए, जिससे यातायात बाधित हुआ और लोगों को जाम से निकलने में काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

यातायात सुचारु और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोतवाली पुलिस के साथ मौजूद ट्रैफिक पुलिस को भी जाम खुलवाने में मशक्कत करनी पड़ी। नगर निवासियों, दुकानदारों का कहना है कि त्योहार पर ग्राहकों की भीड़ स्वाभाविक है। कोतवाल अंबर सिंह ने बताया कि ट्रैफिक कंट्रोल और सुरक्षा की दृष्टि से त्यौहार को लेकर नगर के सभी चौराहो, तिराहों, भीड़भाड़ वाली जगह पर पर्याप्त पुलिस बल् की तैनाती की गई है।

- **सड़कों पर रही भीड़, दिन भर बनी रही जाम की स्थिति**

गोला में त्यौहार के सामान की खरीदारी करते लोग। ● अमृत विचार

गोला की मिल रोड पर निकलती लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

मिलजुलकर मनाएं होली, रंग खेलें पर किसी को तकलीफ न हो

जिले की पहचान हिंदू-मुस्लिम एकता से है, जिसे बरकरार रखें। बिना किसी की इच्छा के उसे जबरन रंग न लगाएं। जनपद वासियों को होली की ढेर सारी शुभकामनाएं।
-दुर्गा शक्ति नागपाल, डीएम

सभी लोग आपस में मिल जुलकर होली मनाएं। सौहार्दपूर्ण वातावरण में शांति के साथ रंग खेलें पर किसी को तकलीफ न हो। साथ ही हुड़दंग न करें और बाइक व वाहन तेज गति से न चलाएं।
-डॉ. ख्याति गर्ग, एसपी।

आपसी प्रेम और सौहार्द के प्रतीक पर्व होली को मिलजुलकर मनाएं। नगर पालिका लखीमपुर की ओर से सफाई के साथ ही चूना आदि डलवाया गया है। साथ ही पेयजलापूर्ति की समुचित व्यवस्था की गई है।
-डॉ. इरा श्रीवास्तव, अध्यक्ष नगर पालिका लखीमपुर।

न्यूज ब्रीफ

धौरहरा में मारपीट पिता-पुत्र घायल

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली धौरहरा क्षेत्र के गांव सिसैया कलां का रहने वाले शमसू ने बताया कि उन्होंने दोपहर लगभग 1:30 बजे गांव के झुल्लन से उसके पुत्र सलाहुद्दीन को मारने-पीटने की शिकायत को लेकर उलाहना दिया गया। इसी बात पर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। आरोप है कि झुल्लन ने गाली-गलौज करते हुए डंडा-लाठी से शमसू और उसके पुत्र सलाहुद्दीन पर हमला कर दिया। हमले में दोनों के सिर, हाथ-पैर व शरीर पर चोटें आईं हैं। जाते समय आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मारपीट कर जान से मारने की धमकी

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के रमुआपुर निवासी पीड़िता रजाना देवी ने बताया कि 28 फरवरी की रात लगभग 10 बजे गांव का ही विपक्षी गुरवचन लाल, कमलेश कुमार और गुरवचन की पत्नी ने उसके पुत्र रविप्रकाश की लात, घूसों और राड से पिटाई कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोप है कि उन्होंने उसके घर का बिजली का तार काट दिया और बिजली का उपयोग नहीं करने दे रहे हैं। मना करने पर वह लोग उसके घर में घुस आए और उसे भी मारापीटा, उसके पुत्र को जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ईदगाह मैदान में रोजा इफ्तार छह को

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : शहर की भारत भूषण कॉलोनी के रहने वाले जिला पंचायत सदस्य वारिस अली अंसारी ने बताया कि ईदगाह मैदान में छह मार्च शुक्रवार को रोजा इफ्तार का कार्यक्रम किया जाएगा, जिसमें उन्होंने लोगों से आने की अपील की है।

गांव इमलिया में बाघ का शव मिला

ग्रामीणों ने गोला रेंजर को दी सूचना, वन विभाग के आला अधिकारी पहुंचे घटना स्थल पर

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः गोला वनरेंज की पश्चिमी बीट के गांव इमलिया में गांव के दक्षिण निकले नाले के समीप रावेन्द्र पुत्र श्रीकृष्ण के गन्ने के खेत मे नर बाघ का शव मिलने से हड़कंप मच गया।

इमलिया गांव के लोग सोमवार सुबह गन्ना छीलने के लिये रावेंद्र के खेत की ओर गये तो उन्होंने मेड़ से कुछ ही दूरी पर बाघ पड़ा देखा। काफी देर तक बाघ के शरीर से कोई हरकत न होने पर ग्रामीणों ने गोला रेंजर को सूचना दी। ग्रामीणो की सूचना पर गोला वन क्षेत्राधिकारी संजीव कुमार तिवारी, वन चौकी प्रभारी अजीत श्रीवास्तव दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी विभागीय उच्चाधिकारियों को दी। बाघ की मौत की सूचना पर गोला पहुंची मुख्य वन संरक्षक रेनू सिंह, चीफ कंजरवेटर वन लखनऊ, डीएफओ संजय विश्वाल, चीफ प्रोजेक्ट टाइगर रामकुमार, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ रोहित, रवी, नेशनल कंजरवेटर सोसायटी से दबीर हसन, डीएफओ नार्थ कीर्ती ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया।

गोला वन रेंज परिसर में दुधवा नेशनल पार्क के डॉ. दयाशंकर, कर्तनिया घाट के पशु चिकित्सक डॉ. दीपक, गोला के उप मुख्य पशु चिकित्सधिकारी डॉ. उमाशंकर मिश्र की टीम ने बाघ का पोस्टमार्टम किया। इस मौके पर जिले की मोहम्मदी और शारदानगर वन रेंज का महकमा मौजूद रहा।

गन्ने के खेत में पड़ा बाघ का शव।

इमलिया में घटना स्थल पर मौजूद ग्रामीण। ● अमृत विचार

> गोला रेंज में ही बाघ के शव का डॉक्टरों की टीम ने पोस्टमार्टम किया है। मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। बाघ की उम्र 10 से 12 वर्ष के आसपास है। शरीर पर कोई चोट या हमले के संकेत नहीं मिले हैं, जिससे अनुमान है कि बाघ की मौत प्राकृतिक रूप से हुई है। बिसरा बरेली भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर ही स्थिति स्पष्ट हो पायेगी। **-संजीव कुमार तिवारी**, वन क्षेत्राधिकारी गोला।

दो वर्ष से था इमलिया गांव के आसपास बाघ का आतंक

इमलिया गांव के लोगों ने बताया कि लगभग दो वर्षा से बाघ ने अपना डेरा गांव के पास निकले नाले में बना रखा था और वहा छुट्टा पशुओं एवं बकरियों को अपना निवाला बना चुका था। जिसके चलते इमलिया, नगरा सलेमपुर, कारैया के ग्रामीणों ने कई बार वन विभाग को सूचित किया, लेकिन वन विभाग ने बाघ की रेकी नहीं की।

वन विभाग गस्त के नाम पर करता रहा खानापूर्ति

इमलिया और आसपास गांवों के लोग बताते हैं कि वन विभाग रात्रिकालीन गस्त के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति करता रहता है। ग्रामीणों का कहना है पिछले कुछ सालों से जंगली जानवर जंगलों से निकलकर खेतों में टहल रहे हैं। वनकर्मी जानवरों की सुरक्षा के नाम पर केवल खानापूर्ति करते हैं। बताते हैं कि पिछले कुछ महीनों में कई वन्यजीवों की मौतें हो चुकी हैं। वन्यजीव प्रेमियों के अनुसार सरकार द्वारा वन्यजीव संरक्षण के लिए भारी भरकम बजट स्वीकृत किया जाता है। लेकिन सदुपयोग करने में लापरवाही की जाती रही।

तेंदुए के हमले में मजदूर हुआ घायल

संपूर्णानगर, अमृत विचारः संपूर्णानगर वन रेंज क्षेत्र में सुमेरपुर गांव स्थित बगिया के पास गांव सेमरी निवासी हरिहर (50) गन्ना छील रहे थे। इस दौरान तेंदुए ने उनके सिर पर हमला कर दिया। मजदूर और तेंदुए के बीच संघर्ष भी हुआ। शोर-शराबा सुनकर ग्रामीण मौके की ओर दौड़े, जिसके बाद तेंदुआ भाग गया। हमले में मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया और लहूलुहान हालत में गिर पड़ा। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद पलिया सीएचसी भेजा गया। वन कर्मियों ने घटना स्थल का निरीक्षण कर गश्त तेज कर दी है। वन क्षेत्राधिकारी ललित कुमार ने बताया कि गन्ना छील रहे मजदूर पर तेंदुए के हमले की पुष्टि हुई है। घायल को इलाज के लिए भेजा है। ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए क्षेत्र में पिंजड़ा लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीते दिन खजुरिया क्षेत्र में हुई घटना के बाद वहां भी पिंजड़ा लगाया गया है। वन विभाग की टीम गांव-गांव जाकर लोगों को सतर्क रहने और खेतों में अकेले न जाने की सलाह दे रही है।

होली को लेकर दिनभर निरीक्षण पर रहे सीएमओ

चंदनचौकी सीएचसी का निरीक्षण करते सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः होली पर्व को लेकर स्वास्थ्य एवं इमरजेंसी सेवाओं को दुरुस्त रखने के लिए सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता रविवार दोपहर से देर रात तक लगातार भ्रमण पर रहे। उन्होंने ब्लॉक बिजुआ से लेकर भारत-नेपाल सीमा तक संचालित स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। डीपीएम अनिल यादव भी साथ मौजूद रहे।

सीएमओ ने पीएचसी पड़रिया तुला व सुंदरवल से निरीक्षण की शुरुआत की। इसके बाद वह शाम 5:30 बजे पलिया सीएचसी पहुंचे, जहां इमरजेंसी वार्ड, ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता, दवाओं और उपकरणों की स्थिति का जायजा लिया। रात करीब 8 बजे चंदन चौकी व 9 बजे गौरीफंटा सीएचसी का निरीक्षण किया। देर रात तक चले निरीक्षण में सभी केंद्रों पर इमरजेंसी सेवाएं सुचारु पाई गईं। सीएमओ ने संभावित सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए एंबुलेंस सेवाओं, ट्रॉमा किट, जीवनरक्षक दवाओं और प्राथमिक उपचार की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधीक्षकों से कहा कि किसी भी स्थिति में दवाओं की कमी नहीं होनी चाहिए और 24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं मुस्तैदी से संचालित रहें। उन्होंने रासायनिक रंगों के बजाय प्राकृतिक रंगों का उपयोग करने पर जोर दिया।

छात्र-छात्राओं ने किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● देशभक्ति गीत, कविता पाठ, नाट्य मंचन को दर्शकों ने खूब सराहा

अमृत विचारः कस्बा सिंगाही के गांव सिंगहा खुर्द में स्थित शांती देवी सरस्वती ज्ञानोदय विद्यालय का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि प्रधान संघ अध्यक्ष श्याम मोहन दीक्षित ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि श्याम मोहन दीक्षित ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इतनी अद्भुत प्रतिभा देखने की उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी।

विद्यालय के छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय स्तर के प्रतिभागियों की श्रेणी में आते हैं और यदि उन्हें उचित मार्गदर्शन व अवसर मिले तो वे प्रदेश ही नहीं, देश का नाम भी रोशन कर सकते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत गणेश एवं सरस्वती वंदना से हुई। स्वागत गीत, देशभक्ति गीत, कविता पाठ, नाट्य मंचन, फैशन शो सहित अनेक रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ, जिसमें पूर्व सत्र के टॉपर विद्यार्थियों व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन रजनीश जायसवाल ने किया। इस दौरान प्रबंधक राजकुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

होली और रमजान से पहले नीमगांव में बलवा ड्रिल

संवाददाता, बेहजम

अमृत विचारः होली और रमजान को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए थाना नीमगांव परिसर में सोमवार को दंगा निरोधक बलवा ड्रिल आयोजित की गई। सीओ यादुवेंद्र यादव के नेतृत्व में संभावित उपद्रव, भीड़ के उग्र होने और दंगा जैसी परिस्थितियों से निपटने का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

अधिकारियों ने मौके पर विभिन्न परिस्थितियां बनाकर जवानों की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को भी परखा। थानाध्यक्ष प्रवीर कुमार गौतम ने बताया कि त्यौहारों के मद्देनजर पुलिस पूरी तरह सतर्क है। दंगा निरोधक बलवा ड्रिलके दौरान पुलिसकर्मियों को भीड़ पर नियंत्रित करने, उपद्रवियों की पहचान कर उन्हें भीड़ से अलग करने, सुरक्षा घेरा बनाने और आवश्यकता होने पर नियंत्रित बल प्रयोग की रणनीति का अभ्यास कराया गया। दंगा नियंत्रण उपकरणों ढाल, हेलमेट, बॉडी प्रोटेक्टर आदि के उपयोग का भी प्रदर्शन किया गया।

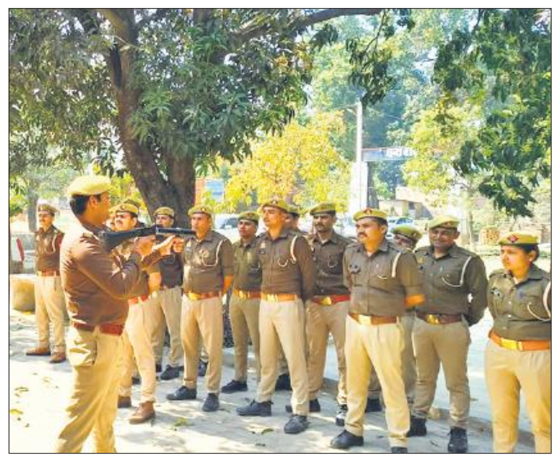

बलवा ड्रिल के दौरान जवानों को समझाते सीओ यादवेंद्र यादव। ● अमृत विचार

हैदराबाद पुलिस ने किया गांवों में पैदल मार्च

रोशननगर, अमृत विचार : हैदराबाद थानाध्यक्ष सुनील कुमार मलिक के नेतृत्व में पुलिस ने गांव रोशननगर, ममरी, हैदराबाद सहित थाना क्षेत्र के अनेक गांवों में फ्लैग मार्च किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य आम लोगों के बीच सुरक्षा का विश्वास कायम करना और असामाजिक तत्वों को कड़ा संदेश देना है। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाये रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है और लगातार गश्ती अभियान चलाया जा रहा है। पर्व में सहयोग करें और किसी भी प्रकार की अफवाह या असामाजिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

मझगईं में फ्लैग मार्च कर दिया सख्त संदेश

मझगई, अमृत विचार : सीओ जितेंद्र सिंह परिहार के नेतृत्व में पुलिस बल ने कस्बे और आसपास के संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान आमजन को त्योहार के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया गया। सीओ ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। होली के उल्लास में किसी प्रकार की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं थाना प्रभारी राजू राव ने बताया कि त्योहार को देखते हुए पुलिस की पैनी नजर बनी हुई है और क्षेत्र में लगातार गश्त जारी रहेगी।

फूलबेहड़ में फ्लैग मार्च कर दिया सतर्कता का संदेश

फूलबेहड़, अमृत विचार : थाना फूलबेहड़ पुलिस ने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर फ्लैग मार्च किया। थाना प्रभारी फूलबेहड़ संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल ने रामनगर खुर्द, अग्गर खुर्द, सुंदरवल चौराहा सहित कई संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल मार्च कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। इस दौरान चौकी प्रभारी वालेंद्र मिश्र भी मौजूद रहे। पुलिस ने संवाद कर होली का त्योहार आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाने की अपील की।

सबसे पुराना स्थापित 1960
गुप्त रोगी
रोजाना मिलें
हर जगह से परेशान रोगी मिले
नामर्दी, शीघ्रपतन, इच्छा की कमी
बिना ऑपरेशन
दर्द रहित उपचार
बवासीर
खूनी, वादी, बवासीर, भगन्दर
कांच का बिना ऑपरेशन
इलाज दर्द रहित
उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध टॉप नं. 1
डॉ. सी.पी. गुप्ता
क्लीनिक
निकट जिला पंचायत चौपुला
कुतुबखाना रोड, बरेली
मो. 9259082174

वार्षिकोत्सव के अवसर पर बच्चों ने बिखेरी सांस्कृतिक छटा

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचारः विकास खंड बिजुआ की ग्राम पंचायत गोगांवा स्थित शकुन ज्ञानस्थली अकेडमी में हुए वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर अभिभावकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों को पुरस्कृत कर उत्साह वर्धन किया गया।

मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विनय तिवारी, विशिष्ट अतिथि वीरेंद्र भूषण, नरेश सिंह भदौरिया, प्रबंधक मनोज कुमार यादव ने मां सरस्वती और भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण से किया। छात्रों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्री तिवारी ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम की सराहना करते हुए विद्यालय के उत्कृष्ट कार्या एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

वार्षिकोत्सव में पायल, आस्था, उमरा, सभ्या, कशिश, आराध्या अभय, आदर्श, प्रांजल, देवांश, सत्यम, भूमि, आर्या आरोही, अक्षिता, अभिनव, अभिषेक, मानवी, अंशुमान, डोली, आस्था, प्रिया, पंखुड़ी, अनमोल, युवराज, नवनीत, आयुष, विराट आदि ने सरस्वती वंदना, काली नृत्य, पंजाबी नृत्य, आदिवासी नृत्य, राजस्थानी नृत्य, आर्मी गीत, जोकर नृत्य, झांसी की रानी, शिव विवाह, ब्रज की होली, नशा मुक्ति आदि गीत एवं सजीव झांकियों द्वारा सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत करते हुए मनमोहक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में मौजूद लोगों का दिल जीत लिया। वार्षिकोत्सव में राहुल यादव, अनिल दीक्षित, रामनरेश मिश्रा, प्रताप यादव, नौशाद खान, कश्मीर सिंह, अंशिका, शीतल, दिनेश, कपिल, दीपक, रमेश सहित तमाम अभिभवक और ग्रामीण मौजूद रहे।

● छात्र-छात्राओं ने बेहतर प्रस्तुतियां देकर बांधा शमां

गोगावां के शकुन ज्ञानस्थली में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

स्कूल के वार्षिकोत्सव में मौजूद अभिभावक और ग्रामीण। ● अमृत विचार

तीन दिन बंद रहेगा शिव मंदिर कॉरिडोर का निर्माण कार्य

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर का निर्माण कार्य होली पर्व के कारण मंगलवार तीन मार्च से पांच मार्च गुरुवार तक बंद रहेगा। परिक्रमा पथ, यात्री विश्राम हाल, रिटेनिंग वॉल पर मूर्तियां लगाई जाने का कार्य कराया जा रहा है। होली पर्व के चलते मंगलवार से गुरुवार पांच मार्च तक कार्य प्रभावित रहेगा। कार्यदाई संस्था के जेई अजय प्रताप सिंह ने बताया कि श्रमिक होली का त्यौहार मनाने के लिए अपने घर गए हैं, जिसके चलते तीन दिन निर्माण कार्य बंद रहेगा। श्रमिकों के लौट आने पर दोबारा तेजी से कार्य कराया जाएगा।

नगर पंचायत गेट पर कूड़ा डालकर ठेका सफाई कर्मियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, बरवर

अमृत विचारः होली जैसे बड़े त्योहार से ठीक पहले बरवर टाउन में उस समय हालात बिगड़ गए। जब सात माह से वेतन न मिलने से त्रस्त ठेका सफाई कर्मचारियों का सब्र टूट गया। सोमवार को करीब 25 कर्मचारियों ने नगर पंचायत गेट के सामने सड़क पर कूड़ा फैलाकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। अचानक हुए इस प्रदर्शन से बाजार क्षेत्र में अफरातफरी मच गई और कुछ देर के लिए यातायात भी बाधित रहा।

कर्मचारियों का आरोप है कि वे कई महीनों से वेतन के लिए नगर पंचायत के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन हर बार आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। होली नजदीक होने के कारण वे उम्मीद लेकर भुगतान की मांग करने पहुंचे थे, मगर वहां मौजूद बाबू कन्हैया ने कथित तौर पर न सिर्फ भुगतान से इनकार किया बल्कि अभद्र भाषा का प्रयोग भी किया। इस व्यवहार से आहत कर्मचारियों का आक्रोश फूट पड़ा। प्रदर्शन के दौरान कई कर्मचारियों की आंखें नम दिखीं। उनका कहना था कि सात महीनों से वेतन न मिलने के कारण परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। बच्चों की पढ़ाई, राशन और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भारी पड़ रहा है। त्योहार के मौके पर भी घरों में मायूसी का माहौल है। आक्रोशित कर्मचारियों ने ठेलियों में कूड़ा भरकर नगर पंचायत गेट और मुख्य बाजार चौराहे पर बिखेर दिया। सड़क पर फैले कूड़े के कारण कुछ समय के लिए आवागमन बाधित रहा और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही नगर पंचायत अध्यक्ष संजय शर्मा मौके पर पहुंचे।

उन्होंने कर्मचारियों को समझाने का प्रयास किया। सफाई नायक धर्मेंद्र को तत्काल सड़क से कूड़ा हटाने के निर्देश दिए। कुछ ही देर में सफाई कराकर यातायात बहाल किया गया। बताया जा रहा है कि इन 25 कर्मचारियों को उस समय कार्य पर लगाया गया था, जब नगर पंचायत में अधिशासी अधिकारी (ईओ) का पद रिक्त था। बाद में नियुक्त मौजूदा ईओ जेपी मौर्य ने चयन प्रक्रिया पूर्ण न होने का हवाला देते हुए भुगतान पर आपत्ति जताई, जिससे वेतन अटक गया। फिलहाल सफाई कर्मचारियों में रोष है और वे बकाया वेतन के शीघ्र भुगतान की मांग पर अड़े हैं।

> सड़क पर कूड़ा फैलाना अशोभनीय है, जिसे तत्काल साफ करा दिया गया है। यदि किसी बाबू ने कर्मचारियों से अभद्र व्यवहार किया है तो उसकी जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। **-संजय शर्मा**, अध्यक्ष नगर पंचायत बरवर।

> इन सफाई कर्मियों की नियमित नियुक्ति नहीं हुई है। जो नियमित ठेका संविदा कर्मचारी है, उन सभी का वेतन दिया जा रहा है। **-जेपी मौर्य**, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बरवर।

● सफाई कर्मियों ने लिपिक पर लगाया अभद्रता का आरोप

● नगर पंचायत अध्यक्ष ने जांच कराने का दिया भरोसा

सफाई कर्मचारियों को समझाते नगर पंचायत अध्यक्ष संजय शर्मा। ● अमृत विचार

मारपीट कर नकदी और मोबाइल छीना

बेहजम, अमृत विचारः थाना नीमगांव क्षेत्र के गांव जमूरा निवासी विनीत तिवारी सिकंदराबाद में पेस्टिसाइड की दुकान चलाते हैं। दुकानदार ने बताया कि गांव के कुछ दबंग उनकी दुकान में घुस आए और पुरानी रंजिश को लेकर उनके साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान आरोपियों ने उनसे लगभग 15 हजार रुपये नकद और उनका मोबाइल फोन छीनकर ले गए। घटना के बाद विनीत तिवारी ने सिकंदराबाद पुलिस चौकी पहुंचकर घटना की शिकायत दर्ज कराई। चौकी प्रभारी बृजेश कुमार ने बताया कि 29 जनवरी को भी दोनों पक्षों के बीच विवाद और मारपीट की घटना हुई थी, जिसमें बाद में समझौता हो गया था। पीड़ित का कहना है कि उसी रंजिश के चलते दोबारा हमला किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर, दिनदहाड़े हुई इस वारदात से कस्बे के व्यापारियों में रोष है।

धारदार हथियारों से युवक की हत्या, शव बरामद

खेत में मिली बाइक, बेटे की दवा लेकर घर वापस आ रहा था रमेश, ससुराल पक्ष पर लगाया हत्या का आरोप

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचारः थाना मझगईं क्षेत्र में बेटे की दवा लेकर घर लौट रहे 28 वर्षीय युवक की धारदार हथियारों से प्रहार कर हत्या कर दी गई। उसका शव सड़क किनारे पड़ा बरामद हुआ, जबकि उसकी बाइक शव से करीब 100 मीटर दूर खेत में खड़ी बरामद हुई है। परिजनों ने धारदार हथियार से हत्या का आरोप ससुराल पक्ष के लोगों पर लगाया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर चार आरोपियों को हिरासत में लिया है, जिनसे पुलिस पूछताछ कर रही है। हालांकि पुलिस प्रथम दृष्टया सड़क दुर्घटना की आशंका भी जता रही है।

गांव विष्णूपुर निवासी रमेश कुमार चौहान पुत्र जितेंद्र अपने बीमार बेटे की दवा लेने नौगवां बाजार गया था। दवा लेकर वह बाइक से घर जा रहा था, लेकिन देर रात तक घर नहीं पहुंचा। इस

घटना स्थल का निरीक्षण करती पुलिस। ● अमृत विचार

● **पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया**

बीच ग्रामीणों ने थाना मझगईं क्षेत्र के नौगवां कस्बे से खालेपुरवा जाने वाले मार्ग पर सड़क किनारे उसका शव पड़ा देखा तो परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान रमेश के रूप में की। शव देखते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रमेश के शरीर और चेहरे पर कई गंभीर चोटों के निशान थे। परिजनों का आरोप है कि गर्दन, मुंह और छाती पर वार कर हत्या की गई। शव से करीब 100 मीटर की दूरी पर स्थित खेत में उसकी बाइक खड़ी मिली। बताया जाता है कि रमेश बाहर रहकर मजदूरी करता था और होली के त्यौहार के चलते दो दिन पहले ही गांव आया था। बेटे की तबीयत खराब होने पर वह दवा लेने गया था। अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

रमेश कुमार चौहान।

रोती मृतक की पत्नी

"चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना का भी प्रतीत हो रहा है, लेकिन हत्या की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।
–**राजू राव**, प्रभारी निरीक्षक, थाना मझगईं।"

घर में मातम पसरा है और गांव में आक्रोश का माहौल है। मृतक की भाभी रामरती ने थाना मझगईं में तहरीर देकर रमेश की पत्नी के मायके पक्ष के तीन लोगों पत्नी के चाचा राजकिशोर निवासी कोठिया, मामा प्रेम सागर निवासी लोकनपुरवा और मौसी के पुत्र सोनू निवासी छोटी पलिया पर हत्या का आरोप लगाया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों को हिरासत में लिया है। हालांकि पुलिस प्रथम दृष्टया सड़क हादसा बता रही है, लेकिन सवाल यह उठता है कि यदि उसकी सड़क हादसे में मौत हुई तो बाइक भी घटना स्थल के करीब होनी चाहिए थे, लेकिन बाइक 100 मीटर दूर खेत में खड़ी बरामद हुई है।

फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

हत्या की सूचना पर सोमवार को फील्ड यूनिट की टीम स्थानीय पुलिस के साथ घटना स्थल पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। टीम में शामिल एक्सपर्ट ने कई वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। इस दौरान स्थानीय पुलिस भी मौजूद रही।

एनएमएमएस परीक्षा में 318 विद्यार्थियों ने पाई सफलता

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएस) परीक्षा में जिले के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। हाल ही में घोषित परिणाम के अनुसार परीक्षा में शामिल 2614 परीक्षार्थियों में से 318 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर छात्रवृत्ति के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया है। परिणाम घोषित होते ही सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं विद्यालयों में खुशी का माहौल है।

जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि राष्ट्रीय आय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा 9 नवम्बर को जिले के 9 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई थी। परीक्षा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया था। रविवार को घोषित परिणाम में 318 विद्यार्थियों ने निर्धारित मानकों को पूरा करते हुए सफलता हासिल की। इस परीक्षा के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 9 से 12 तक प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जिससे उनकी शिक्षा को आर्थिक सहयोग मिलेगा।

उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना है। चयनित विद्यार्थियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत छात्रवृत्ति का लाभ दिया जाएगा। शिक्षकों ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है, वहीं अभिभावकों ने इसे बच्चों की मेहनत और विद्यालयों के मार्गदर्शन का परिणाम बताया है।

परीक्षा के प्रमुख आंकड़े

कुल पंजीकृत परीक्षार्थी	2997
परीक्षा में शामिल हुए परीक्षार्थी	2614
अनुपस्थित परीक्षार्थी	383
सफल (उत्तीर्ण) परीक्षार्थी	318

● **12 हजार वार्षिक छात्रवृत्ति मिलेगी**

बाइक से टकराकर बस में लगी आग

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः ईसानगर थाना क्षेत्र के हसनपुर-कटौली मार्ग पर सोमवार शाम सेमरिया गांव के पास तेज रफ्तार प्राइवेट बस और बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं बस में अचानक आग लग गई और कुछ ही देर में वह आग का गोला बन गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सोमवार शाम करीब पांच बजे तेज गति से आ रही बस ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार प्रीतम सिंह यादव (25) निवासी बिरसिंहपुर बुरी तरह उछलकर सड़क पर जा गिरा। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना ईसानगर पुलिस, पीआरवी टीम और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई।

धू-धू कर जल रही निजी बस। ● अमृत विचार

● **समय रहते यात्रियों को निकाला गया सुरक्षित, युवक घायल**

गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल ईसानगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बाद में चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए ओयल अस्पताल भेजा है। इधर, टक्कर के बाद बस में अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गई। चालक और परिचालक की सूझबूझ से सभी यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, हालांकि तब तक बस पूरी तरह जल चुकी थी।

थानाध्यक्ष ईसानगर निर्मल तिवारी ने बताया कि घायल युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। बस में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद कुछ देर के लिए मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य करा दिया गया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की ताबड़तोड़ छापेमारी

● **होली से पहले सख्ती: एक्सपाइरी बिस्किट-नमकीन नष्ट, 20 लीटर दूषित चाशनी बहाई**

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः होली पर मिलावट और अस्वच्छता पर लगाम कसते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने सोमवार को जिलेभर में अभियान चलाया। कुल 18 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खोया, पनीर, काजू बर्फी, मिल्क केक, बर्फी व अन्य मिठाइयों के नमूने लिए। कई जगह कालातीत (एक्सपायर्ड) सामान जब्त कर मौके पर ही नष्ट कराया गया, जबकि स्वच्छता मानकों में कमी मिलने पर कड़े निर्देश जारी किए गए।

शहर में बांके बिहारी स्वीट्स, रेवाड़ी स्वीट्स व माखन भोग स्वीट्स के कारखानों में एसडीएम की मौजूदगी में जांच किट से छेना व खोया मिठाइयों की ऑन-स्पॉट जांच की गई। गुणवत्ता संतोषजनक

गोला में एक होटल पर जांच करती टीम। ● अमृत विचार

पाई गई, हालांकि साफ-सफाई और व्यक्तिगत हाइजीन में और सुधार के निर्देश दिए गए। मोहम्मदी के पश्चिमी लखापेड़ा स्थित न्यू विनय स्वीट हाउस से 46 पैकेट एक्सपायर बिस्किट, जमशेद किराना स्टोर से 90 पैकेट, 8 पैकेट नमकीन जब्त कर नष्ट की गई। रजनीश किराना स्टोर से 2 पैकेट एक्सपायर चाय पत्ती व 20 किलो पुरानी रंगीन कचरी भी नष्ट कराई गई। गोला नगर पालिका स्थित गायत्री स्वीट्स के कारखाने का निरीक्षण नायब तहसीलदार भानु प्रताप सिंह व ताहिर परवेज़ की मौजूदगी में हुआ।

कारीगर हेडगियर व ग्लव्स में मिले, फिर भी मेडिकल जांच व पेस्ट कंट्रोल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। खोया व सोयाबीन रिफाइंड का नमूना लिया गया और 13 लीटर रिफाइंड सीज किया गया। काजू बर्फी का भी नमूना भरा गया। फरधान के खजुआ शंकरपुर स्थित इकाई से 5 किलो तैयार खोया में से नमूना भरा।

अलीगंज में तीन मिठाई दुकानों पर खोया, पनीर व मिठाइयों की जांच की गई। गुणवत्ता ठीक मिली, लेकिन खाद्य पदार्थ ढककर रखने और अखबारी कागज का प्रयोग न करने के निर्देश दिए गए। निघासन के सिंगाही रोड स्थित हनुमान डेयरी में छत-दीवारों पर जाले मिलने पर 20 लीटर दूषित चाशनी मौके पर नष्ट कराई गई और खोया का नमूना लिया गया। पलिया रोड स्थित श्री राम स्वीट व श्री वाला जी स्वीट से भी नमूने भरे गए। एक प्रतिष्ठान में गंदी पानी टंकी मिलने पर पानी का प्रवाह सील कर तत्काल सफाई के आदेश दिए गए।

ढकेरवा, बेहजम व पलिया में भी कार्रवाई

विशाल स्वीट हाउस, दिल्ली स्वीट व शाविर मिष्ठान भंडार को स्वच्छता संबंधी निर्देश दिए गए। बेहजम के मुदित स्वीट्स व जायसवाल स्वीट्स से मिल्क केक व बर्फी के नमूने लिए गए, जबकि पलिया स्थित भोला स्वीट हाउस से पनीर का नमूना संकलित किया गया। एफएसडीए अधिकारियों ने बताया कि सभी नमूने प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद दोषी पाए जाने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। त्योहारों के दौरान मिलावटखोरी पर प्रशासन की सख्त नजर बनी रहेगी।

कार सवारों ने किसान को धमकाया, 5 हजार वसूले

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः होली के अवसर पर कोतवाली क्षेत्र के गांव भैंसटा निवासी किसान मदनलाल को कथित रूप से पकड़कर आबकारी कार्यालय ले जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। किसान ने आबकारी टीम पर मारपीट और 12 हजार रुपये की मांग कर पांच हजार लेकर छोड़ने का आरोप लगाया है।

पीड़ित मदनलाल का कहना है कि रविवार शाम वह चीनी मिल में गन्ना बेचकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से घर लौट रहे थे। तभी मिल के ट्रक यार्ड के पास कार सवार कुछ लोगों ने ट्रैक्टर रोक लिया। आरोप है कि तीन लोग वर्दी में थे और अन्य सादे कपड़ों में। किसान का कहना है कि आरोपियों ने कार क्षतिग्रस्त करने के मुआवजे के लिए उन्हें जबरन कार

● **आबकारी निरीक्षक ने रुपये लेने के आरोप से किया इनकार**

में बैठाकर चीनी मिल परिसर में आबकारी कार्यालय ले जाया गया, जहां उनसे 12 हजार रुपये की मांग की और न देने पर जेल भेजने की धमकी दी। किसान का कहना है कि भय और दबाव में पांच हजार रुपये देने के बाद उन्हें छोड़ा। साथ ही उनके और एक अन्य युवक के साथ मारपीट की। आबकारी निरीक्षक अवनीश रावत ने वसूली के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि मदनलाल को पूछताछ के लिए दफ्तर लाया गया था, रुपये लेने की बात गलत है। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि किस आधार पर किसान को पकड़कर लाया गया और बिना कार्रवाई के छोड़ दिया गया, तो इस पर वह जवाब नहीं दे सके।

72 घंटे सील रहेगा भारत-नेपाल बॉर्डर

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचारः नेपाल में 5 मार्च को होने वाले चुनाव और होली पर्व को देखते हुए भारत-नेपाल सीमा को 72 घंटे के लिए सील करने का निर्णय लिया गया है। यह प्रतिबंध मंगलवार रात 12 बजे से लागू किया जाएगा।

यह फैसला हाल ही में भारत और नेपाल के सीमावर्ती उच्चाधिकारियों की संयुक्त बैठक में लिया गया था, जिसके अनुपालन में दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

गौरीफंटा बॉर्डर, चंदन चौकी बॉर्डर, तिकुनिया बॉर्डर और सूंडा बॉर्डर समेत अन्य सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। भारत की ओर से पुलिस, एसएसबी और अन्य सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभाल लिया है। वहीं नेपाल की तरफ सेना, सशस्त्र पुलिस और नेपाल पुलिस संयुक्त रूप से

नेपाल सीमा की सूंडा मंडी में गस्त करते सुरक्षा बल। ● अमृत विचार

● **नेपाल चुनाव एवं होली को लेकर उठाया कदम, मंगलवार रात 12 बजे से प्रभावी होगा आदेश**

निगरानी कर रही है। सीमा क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है और आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सघन तलाशी ली जा रही है। संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

चुनाव और त्योहार के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। भारतीय सीमा पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है। ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके और दोनों देशों के बीच शांति व कानून व्यवस्था कायम रहे। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और सुरक्षा एजेंसियों को सहयोग दें, जिससे चुनाव और होली का पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

50 वर्षीय पति पर 16 वर्ष की किशोरी से चौथी शादी का आरोप

संवाददाता, केशवापुर

अमृत विचारः फरधान थाना क्षेत्र के गांव ऐंटा मजरा मूड़ा बुजुर्ग की एक महिला ने अपने 50 वर्षीय पति पर बिहार निवासी 16 वर्षीय युवती से अपनी चौथी शादी करने का आरोप लगाया है।

गांव एटा के मजरा मूड़ा बुजुर्ग निवासी हसीना ने बताया कि उसकी शादी 28वर्ष पहले अकील अहमद से हुई थी। हम दोनों के चार बच्चे भी हैं, चार पांच साल पहले अकील अहमद ने दूसरी और तीसरी शादी कर ली। दूसरी पत्नी की मौत और तीसरी पत्नी द्वारा छोड़कर चले जाने के बाद अब अपने से कई साल छोटी बिहार की युवती को ले आया। पति पर गुजारा करने व बच्चों की परवरिश न करने का भी आरोप लगाया है। हसीना ने भल्लिया के सगरे पुत्र हक्कू पर बिहार से युवती को लिवा लाने का आरोप लगाया है।

पीड़िता हसीना।

एनएमएमएसएस परीक्षा में रुद्र को मिली 18वीं रैंक

पसगवां, अमृत विचारः राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएसएस परीक्षा) में जंगबहादुरगंज के रुद्र पांडेय पुत्र राज नारायण ने जिला स्तर पर 18वीं रैंक पाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। रुद्र जेडी वाल विद्या मंदिर में कक्षा 8 का छात्र है। उनकी सफलता पर पिता राज नारायण, माता अंजली व स्कूल प्रधानाचार्य सर्वेश बाबू मिश्रा सहित परिजन तथा क्षेत्र के लोगों ने बधाई दी। योजना के तहत कक्षा नौ के स्तर पर मेधावी छात्रों को 12 हजार रुपये प्रति वर्ष मिलेंगे।

रुद्र पांडेय।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मेरे पुराने पासपोर्ट सं. एम 6116297 में मेरा नाम अनवरी गलत दर्ज हो गया है जबकि मेरा सही नाम अनबरी बेगम (ANBARI BEGUM) है। मुझे इसी नाम से जाना जाए। अनबरी बेगम पत्नी **इकबाल अहमद (IQBAL AHMAD) नि. ग्राम रिछोला किफायतुल्ला पोस्ट, थाना व तह. नवाबगंज जिला बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र इमरान को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **मो. इकबाल पुत्र श्री मो. सद्दीक निवासी बुन्दा की डेरी जिला पीलीभीत।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

लखीमपुर क्रिकेट अकादमी बनी चैंपियन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः अंडर-16 स्वर्गीय अमिय त्रिपाठी मेमोरियल इंटर अकादमी लीग क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 का फाइनल मुकाबला रॉयल फूड्स डिग्री कॉलेज मैदान पर लखीमपुर क्रिकेट अकादमी और जेनेसिस स्पोर्ट्स अकादमी के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में लखीमपुर क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।

टॉस जीतकर लखीमपुर क्रिकेट अकादमी ने पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जेनेसिस स्पोर्ट्स अकादमी ने निर्धारित 25 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। जेनेसिस स्पोर्ट्स अकादमी की ओर से प्रमुख बल्लेबाज कुमार विशेष ने 60 रन, गौरव शर्मा ने 57 रन, पुष्कर गुप्ता वर्णित ने 12-12

विजेता टीम को पुरस्कृत करने के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता।

रन बनाए। लखीमपुर क्रिकेट अकादमी की ओर से विपिन और श्रेष्ठ प्रताप सिंह ने 2-2 विकेट लेकर टीम को सफलता दिलाई। 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए लखीमपुर क्रिकेट अकादमी ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और 16.1 ओवर में मात्र 2 विकेट खोकर मैच जीत लिया। लखीमपुर क्रिकेट अकादमी की ओर से प्रमुख बल्लेबाज आरुष- 48 रन (नाबाद), श्रेष्ठ प्रताप सिंह- 46 रन, वरेण्य त्यागी ने 40 रन बनाए। अपने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन के लिए श्रेष्ठ प्रताप सिंह को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

● **अंडर-16 स्व. अमिय त्रिपाठी मेमोरियल लीग का फाइनल मुकाबला**

विशेष पुरस्कार
उभरता हुआ सितारा : वरेण्य त्यागी एवं अंश अग्रवाल
प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट : धर्मवीर
बेस्ट बॉलर : हर्षित
बेस्ट बैट्समैन : प्रांज्वल

फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर अभिषेक शुक्ला, राकेश गुप्ता, सुमन त्यागी, एसके सिंह तोमर, राजीव त्रिवेदी, सुमित गुप्ता, पवन गुप्ता, पुलक अग्रवाल, कृषा कुमार, शरद मिश्र, अनुपम त्रिपाठी, श्रीमती रश्मि त्रिपाठी, पारिजात त्रिपाठी, रामजी कश्यप, नीरज शुक्ला, श्याम मोहन श्रीवास्तव, इरफान मलिक, रवि शंकर तिवारी आदि मौजूद रहे।

मंदिर निर्माण को हुआ नींव पूजन

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचारः ग्राम पंचायत भदेड़ में शनिवार को देवीस्थान परिसर में श्रीराम जानकी मंदिर निर्माण के लिए नींव पूजन किया गया। गोला विधायक अमन गिरि ने मंदिर के नवनिर्माण के लिए आधारशिला रखी।

नैमिषारण्य धाम के आचार्य संजय मिश्रा के सानिध्य में भक्ति भावना के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के के बीच गोला विधायक अमन गिरि से श्रीराम जानकी मंदिर निर्माण की शुरुआत के लिए विधिवत भूमि पूजन व नींव पूजन कराया। यह अनुष्ठान वास्तुकला के अनुसार भूमि देवी और वास्तु देवताओं का आशीर्वाद पाने के लिए किया गया, जिसमें गणेश कलश और शेषनाग की पूजा कर तांबे के नाग नागिन का जोड़ा, सुपारी और सिक्के नींव में स्थापित किए गए। जिससे मंदिर निर्माण कार्य निर्विघ्न संपन्न हो। प्रस्तावित मंदिर के लिए किए गए नींव पूजन के उपरांत मंदिर निर्माण कार्य आरंभ की लोगों ने जमकर सराहना की। नींव पूजन के बाद सभी को प्रसाद बांटा गया। नींव पूजन आयोजन में लोगों ने बढ़-चढ़कर मंदिर निर्माण के लिए दान दिया।

भदेड़ में श्रीराम जानकी मंदिर निर्माण को नींव पूजन करते विधायक अमन गिरि।

● **गोला विधायक अमन गिरि ने रखी आधारशिला**

इस मौके पर ग्राम प्रधान देवेंद्र सिंह, वसलीपुर प्रधान ओंमकार सिंह, शिवपुरी के पूर्व प्रधान विनोद सोनी, बिजुआ ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राजवीर राज, अमृत पाल सिंह, धीरेंद्र सिंह, पंकज गौतम, आनंद सिंह, उपेन्द्र सिंह, तोताराम भार्गव, सद्दाम हुसैन आदि मौजूद रहे।

मां की पेंशन के विवाद में बड़े भाई की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

छोटे भाई ने दो बेटों के साथ मिलकर दिया वारदात को अंजाम, काफी समय से था विवाद

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार : मां की पेंशन को लेकर चल रहे विवाद के बीच छोटे भाई ने अपने दो बेटों के साथ मिलकर बड़े भाई की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पिता-पुत्र मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश तेज कर दी है।

ऐंचोडा कंबोह थाना क्षेत्र के राजीवखेड़ा गांव निवासी 56 वर्षीय संजीव कुमार के पिता वेद प्रकाश सरकारी अध्यापक थे, जिनका वर्ष 2006 में निधन हो गया था। वेद प्रकाश की पत्नी ओमवती देवी को पारिवारिक पेंशन मिलती है। ब्रजकिशोर मां से पेंशन की रकम मांगता था, लेकिन ओमवती इनकार कर देती थीं। इसी बात को लेकर संजीव कुमार की छोटे भाई ब्रजकिशोर से अक्सर कहासुनी हो जाती थी। सोमवार को यह विवाद संजीव के लिए जानलेवा साबित हुआ। परिजनों के अनुसार दोपहर करीब 2:30 बजे संजीव अपने पशुओं को खोलकर घर लाने के लिए गए थे।

राजीखेड़ा गांव में जानकारी लेते थाना प्रभारी व सीओ। ● अमृत विचार

संजीव।

उसी दौरान वहां ब्रजकिशोर अपने दो बेटों अर्पित और आरव के साथ पहुंच गया। पहले आपसी कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते झगड़े में बदल गई। इसी दौरान ब्रजकिशोर और उसके दोनों बेटों ने तमंचे से संजीव कुमार पर गोली चला दी। गोली लगते ही संजीव कुमार की मौके पर ही मौत हो गई।

दिनदहाड़े हुई हत्या से गांव में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को घेरकर जांच शुरू की। कुछ ही देर बाद पुलिस क्षेत्राधिकारी कुलदीप कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह भी गांव पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाने के साथ ही परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ कर बयान दर्ज किए हैं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। संजीव के परिवार ने ब्रजकिशोर व उसके दो बेटों के अलावा पत्नी पर भी हत्या की वारदात में शामिल होने का आरोप लगाया है। अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह का कहना है कि नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

एक दिन पहले हुई थी पंचायत

मनोटा, अमृत विचार : मृतक संजीव कुमार के छोटे भाई नवीन कुमार ने बताया कि ब्रजकिशोर और उसके परिवार के व्यवहार से परेशान होकर ही वे लोग हसनपुर जाकर रहने लगे थे। उनकी माता ओमवती देवी वर्तमान में उनके साथ रह रही हैं। ब्रजकिशोर और उसकी पत्नी सपना आए दिन उनके परिजनों पर तांत्र विद्या कराने जैसे गंभीर और अपमानजनक आरोप लगाते रहते थे, जिससे पारिवारिक माहौल लगातार बिगड़ता जा रहा था। मां को मिल रही पारिवारिक पेंशन को लेकर ब्रजकिशोर आए दिन विवाद करता था। नवीन कुमार ने बताया कि विवाद सुलझाने के लिए रविवार को उनके रिश्तेदार रणधीर सिंह के गांव पेली में रिश्तेदारों और गांव के लोगों को बुलाकर पंचायत भी की गई थी। ब्रजकिशोर ने पंचायत का निर्णय मानने से साफ इनकार कर दिया और नाराज होकर वहां से चला आया था। नवीन ने तहरीर में ब्रजकिशोर, उसके दोनों बेटे अर्पित और आरव तथा उसकी पत्नी सपना को आरोपी बनाया है।

कुवैत भेजने के नाम पर 1. 95 लाख रुपये ठगे

बरेली, अमृत विचार : कुवैत भेजने के नाम पर तीन जालसाजों ने युवक से 1. 95 लाख रुपये ठग लिए। डीआईजी के आदेश पर किला पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

किला थाना क्षेत्र के मोहल्ला जखीरा निवासी मो. इमरान ने बताया कि शानू उर्फ साजिद, आमना बानो, सलमा निवासी दूल्हा मियां की मजार ने उससे कहा कि वे उसकी कुवैत में नौकरी लगवा देंगे। जिसके लिए पैसे लगेंगे। उसने 27 जुलाई 2023 को जेवर बेचकर फरमान और रुकईया बी के सामने शानू उर्फ साजिद, आमना बानो, सलमा को 1 लाख 95 हजार रुपये दे दिये। पैसे के लेनदेन का उसने वीडियो भी बनाया था। आरोपियों ने कहा कि जल्द ही कुवैत भिजवा देंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब उसने पैसे वापस मांगे तो आरोपी टालमटोल करने लगे। जिसके बाद चौकी पर समझौता हुआ, जिसमें आरोपियों ने कहा कि तीन माह में रुपये अदा करेंगे। लेकिन उसके बाद भी रुपये नहीं दिए। आरोप है कि 13 दिसंबर 2025 को आरोपी उसके घर पर आए और गाली गलौज करके कहा कि अब उल्टा तू 2 लाख रुपये देगा, नहीं तो जेल जाएगा। आरोपी उससे रंगदारी मांग रहे हैं।

भक्ति और उल्लास ने शहर को किया राममय

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- नृसिंह मंदिर से निकली 166वीं राम बरात का किया भव्य स्वागत
- निगम के टैंकर और फायरब्रिगेड की गाड़ियों से बरसाया गया रंग

अमृत विचार : शहर में सोमवार को भक्ति और उल्लास का ऐसा दृश्य सजा, जिसने पूरे शहर को राममय कर दिया। ब्रह्मपुरी स्थित नृसिंह मंदिर से 166 वीं ऐतिहासिक राम बरात धूमधाम के साथ निकली तो सड़कों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह 10 बजे पूजा-अर्चना के बाद जैसे ही सुसज्जित रथ आगे बढ़ा, वैसे ही जय श्रीराम के नारे गूंजने लगे। दूल्हा स्वरूप में सजी श्रीराम की झांकी रथ पर विराजमान थी, इसी रथ पर लक्ष्मण और गुरु विश्वामित्र की झांकी थी। रथ की भव्य सजावट और पारंपरिक वेशभूषा में शामिल कलाकारों ने श्रद्धालुओं को त्रेतायुग की झलक का एहसास कराया।

शहर में रामबरात का उत्साह देखते ही बन रहा था। हुरियारों ने गुलाल और अबीर उड़ाकर माहौल को होली के रंगों से सराबोर कर दिया। ढोल-नगाड़ों और बैंड की धुनों पर झूमते श्रद्धालु जगह-जगह थिरकते नजर आए। विभिन्न सामाजिक संगठनों और व्यापारियों ने जगह जगह फूल बरसाकर श्रीराम बरात का भव्य स्वागत किया।

महिलाएं घरों की छतों और बालकनियों से आरती उतारती दिखीं। बच्चे और युवा पारंपरिक परिधानों में झांकियों के साथ चलते रहे। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच पुलिस और स्वयंसेवकों ने व्यवस्था संभाली, जिससे यात्रा सुव्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ती रही। नृसिंह मंदिर से निकली यह रामबरात मलूकपुर चौराहा, बिहारीपुर ढाल, कुतुबखाना घंटाघर, नावल्टी चौराहा, बरेली कॉलेज गेट, कालीबाड़ी, श्यामगंज, साहू गोपीनाथ, मठ की चौकी, शिवाजी मार्ग, बड़ा बाजार, किला चौराहा और सिटी सब्जी मंडी से होकर वापस मंदिर पहुंची। पूरे मार्ग पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही और हर पड़ाव पर जयकारों की गूंज सुनाई देती रही। रामलीला सभा कमेटी के प्रवक्ता विशाल मेहरोत्रा ने बताया कि यह रथ लगभग 165 वर्ष पुराना है और साल में केवल एक बार, राम बरात के अवसर पर ही निकाला जाता है। कहा कि चंद्रग्रहण की वजह से इस बार राम बरात होली से एक दिन पहले निकाली गई, फिर भी उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी।

न्यूज ब्रीफ

कुतुबखाना चौराह पर खूब बरसा रंग

बरेली, अमृत विचार : राम बरात के कुतुबखाना चौराहे चौराहा पर पहुंचते ही उत्साह चरम पर दिखा। यहां पीछे से आ रहीं भारत माता और भगवान शंकर की आकर्षक झांकियां भी शामिल हो गईं, जिससे यात्रा अपने पूर्ण स्वरूप में नजर आई। राम बरात के आगे युवाओं की टोली ढोल की थाप पर नाचती-गाती चलती रही। तमाम स्थानों पर श्रद्धालुओं ने बरात का स्वागत किया। कुतुबखाना पर हुरियारों ने मोर्चा संभालते हुए जमकर गुलाल उड़ाया और लोगों को रंगों से सराबोर कर दिया। नावल्टी चौराहे पर फायर ब्रिगेड और नगर निगम के टैंकर से रंगों की बौछार हुई। कालीबाड़ी पर युवा लोधी सभा ने भव्य स्वागत किया।

लिंक खोलते ही खाते से कटे 1.67 लाख

बरेली, अमृत विचार : स्कूटी के चालान का लिंक मोबाइल पर आने के बाद युवती ने जब उसे खोला तो खाते से 1.67 लाख रुपये कट गए। युवती ने साइबर ठगी की शिकायत सुभाषनगर पुलिस से की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। सुभाषनगर थाना क्षेत्र की रहने वाली सीता ने बताया कि 21 फरवरी को स्कूटी का ई-चालान का मैसेज उनके मोबाइल पर आया। लिंक खोलकर उन्होंने चालान भरने लिए एक रुपये का भुगतान किया, लेकिन कुछ देर बाद एक रुपया वापस भी आ गया। लेकिन करीब एक घंटे बाद उनके तीन बैंक खातों से कुल 1. 67 लाख रुपये कट गए। उसने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत भी दर्ज कराई। अब तहरीर के आधार पर सुभाषनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

एहतियात के तौर पर बंद की गई बिजली आपूर्ति

बरेली, अमृत विचार : रामबरात के दौरान सोमवार को शहर के कई इलाकों में लोगों को बिजली कटौती का सामना करना पड़ा। एहतियात के तौर पर बरात के साथ बिजली निगम के कर्मचारियों की टीम भी रहीं। सबसे लंबा रूट किला फोडर से होकर निकलता है। इस फीडर पर सबसे ज्यादा कटौती की गई। अधिशासी अभियंता नितिन ने बताया कि एहतियात के तौर पर जिन-जिन इलाकों से रामबरात गुजरी, वहां आपूर्ति को बंद कर दिया गया। बाद में आपूर्ति चालू कर दी गई।

बनेगी कंटेनरीकृत ट्यूबलर शूटिंग रेंज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बरेली मंडल मुख्यालय पर सीटीएसआर बनाने को शासन से मिली स्वीकृति, 1.55 करोड़ होंगे खर्च

अमृत विचार: अपराधियों को सबक सिखाने के लिए पुलिस कर्मियों से लेकर अधिकारियों को गोली चलाने में और ट्रेंड करने के लिए शासन ने मंडल मुख्यालय स्तर पर कंटेनरीकृत ट्यूबलर शूटिंग रेंज (सीटीएसआर) बनाने का निर्णय लिया है। शासन ने इसकी स्वीकृति देने के साथ धनराशि भी स्वीकृत कर दी है। बरेली मंडल मुख्यालय पर करीब 1.55 करोड़ की लागत से सीटीएसआर बनेगी। इस रेंज में बहुत खूबियां बताई जा रही हैं।

पुलिस के जानकारों के अनुसार सीटीएसआर लाइव फायरिंग का सुरक्षित इनडोर विकल्प है। यह स्व-निहित और पोर्टेबल भी है। आकस्मिक गोलीबारी से भी निशानेबाजों को चोट लगने का कोई खतरा नहीं रहता है। फायरिंग रेंज के लिए आवश्यक क्षेत्र को काफी कम कर देता है। एक समय में दो प्रशिक्षु निशाना लगा सकते हैं। इसके साथ ही प्रत्येक निशानेबाज ट्यूबनुमा बूथ में रहता है। ट्यूबनुमा बूथ का डिजाइन ऐसा है कि दागी गई गोलियां इससे बाहर नहीं निकल पातीं हैं। सरकार ने पुलिस फायरिंग रेंज की कमी और फायरिंग क्षमता को आधुनिक बनाने के लिए सीटीएसआर की स्थापना का निर्णय लिया है। बरेली सहित 12 मंडल मुख्यालय पर कंटेनरीकृत ट्यूबलर शूटिंग रेंज बनायी जाएंगी। 18.66 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। विशेष सचिव दिनेश कुमार ने अपर पुलिस महानिदेशक मुख्यालय को चिट्ठी जारी कर परिक्षेत्रीय मुख्यालय के जनपद बरेली, सहारनपुर, मुरादाबाद, अलीगढ़, बस्ती, मिर्जापुर, मेरठ, आगरा, झांसी, अयोध्या, गोंडा एवं आजमगढ़ में फायरिंग रेंज की कमी और फायरिंग क्षमता को आधुनिक बनाने के लिए कंटेनरीकृत ट्यूबलर शूटिंग बनाने का निर्णय लेते हुए धनराशि स्वीकृत की है। एक रेंज पर 1.55 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गयी है।

दुकान में घुसी तेज रफ्तार कार चालक की मौत

बरेली,अमृत विचार : बुआ के घर से कर से लौट रहे युवक की कार अनियंत्रित होकर दुकान में जा घुसी। हादसे में युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इज्जत नगर क्षेत्र में रविवार की रात थाना भुता क्षेत्र के गांव इस्माइलपुर निवासी 26 वर्षीय अंकुश पटेल रविवार रात खाई खेड़ा में बुआ के घर गए थे। वहां से कार द्वारा घर आ रहे थे। थाना इज्जतनगर क्षेत्र के नथुरामपुरा गांव के पास उनकी कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे एक दुकान में घुस गई। हादसा इतना भीषण था कि अंकुश की मौके पर ही सांसें थम गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम को भेजा।

बरेली में खूंखार कुत्तों ने चार साल के मासूम को नोच कर मौत के घाट उतारा

संवाददाता, मीरगंज (बरेली)

- शाही के सुकली गांव में खेत पर अकेले पहुंचे बच्चे पर कुत्तों के झुंड ने किया हमला
- गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल, परिजनों का पोस्टमार्टम कराने से इनकार

अमृत विचार : शाही थाना क्षेत्र के सुकली गांव में सोमवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां आवारा कुत्तों ने चार वर्षीय मासूम को घेरकर बेरहमी से नोच डाला। हमले में गंभीर रूप से घायल बच्चे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, सुकली निवासी खुर्शीद का चार वर्षीय बेटा अर्श सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे गांव से लगभग 500 मीटर दूर खेत पर पहुंच गया। खेत में पशुओं के लिए बरसीम का चारा लगा हुआ है। बताया जा रहा है कि अर्श अक्सर अपने पिता और दादा के साथ खेत पर जाता था। पिता शाही में दूध देने गए थे और खेत पर नहीं थे। अर्श को अकेला पाकर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। कुत्तों ने उसे बुरी तरह नोच डाला। मासूम की चीखें सुनकर ग्रामीण दौड़े, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। परिजनों के अनुसार, जब पिता खेत पर पहुंचे तो देखा कि कुत्ते अर्श को नोच रहे थे। उन्होंने किसी तरह कुत्तों को भगाया, लेकिन तब तक अर्श की मौत हो चुकी थी। लहूलुहान हालत में जब बच्चे का शव घर पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया। अर्श अपने भाइयों में सबसे छोटा था।

ग्रामीणों का आरोप है कि कुत्ते पहले भी कई लोगों पर हमला कर चुके हैं। गांव में चर्चा है कि पास के मुर्गी फार्म से मृत चूजों को खुले में फेंका जाता है, जिससे कुत्ते आक्रामक और हिंसक हो गए हैं। गांववासियों ने प्रशासन से आवारा कुत्तों पर तत्काल नियंत्रण लगाने की मांग की है। थानाध्यक्ष राजेश बैसला ने बताया कि मासूम के परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने और तहरीर देने से इनकार कर दिया है। पुलिस आवश्यक जानकारी जुटा रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत बलेही पहाड़पुर विकासखंड मीरगंज (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत बलेही पहाड़पुर में मनरेगा योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है -प्रथम श्रेणी ईट, बजरी, बजरफुट, सीमेंट, रेत, रोड़ी, सरिया व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत	योजना
1.	पन्ना लाल के घर से चौराहे तक सीसी निर्माण कार्य	255827/-	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 03.03.2026 से दिनांक 09.03.2026 दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिनांक 09.03.2026 दोपहर 3:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। किसी भी विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्रधान-श्रीमती दुर्गावती सचिव

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरि0 मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/इज्जतनगर द्वारा आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) पर पंजीकृत संस्थाओ से ई-ऑक्शन के माध्यम से प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट ठेकों हेतु बोलियां आमंत्रित की जा रही है। ऑक्शन कैटेलाग को आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया जा चुका है। इज्जतनगर मंडल की आगामी ई-ऑक्शन का विवरण निम्नवत हैः-

श्रेणी	कैटलॉग सं0	ऑक्शन प्रारम्भ	ऑक्शन समापन
खानपान	IZN-CAT-PBCO-26	18.03.26/12:00:00	18.03.26/12:40:00

क्रम	स्टेशन	स्टेशन कोड	श्रेणी	ऑक्शन के लिये इकाई	चिन्हित इकाई	लोकेशन
1	इज्जतनगर	IZN	डी	जीएमयू	अनारक्षित	इज्जतनगर स्टेशन परिसर में RCR एवं Modern toilet के मध्य
2	काठगोदाम	KGM	ए	एसएमयू	अन्य पिछड़ा वर्ग	काठगोदाम स्टेशन परिसर

1. बोलीदाताओ को सलाह दी जाती है कि ई-ऑक्शन से सम्बन्धित जानकारी के लिये रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।
2. उक्त ई-ऑक्शन, आई.आर.ई.पी.एस (IREPS) के ई-ऑक्शन लीजिंग मॉडयूल के माध्यम से आमंत्रित किया गया है।
3. ई-ऑक्शन सम्बन्धित समस्त जानकारी जैसे पात्रता, कार्य का दायरा, ठेके की अवधि, नियम एवं शर्ते आदि आई.आर.ई.पी.एस (IREPS) की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
4. बोलीदाता उक्त दिये गये दिनांक एवं समय के अनुसार ही ई-ऑक्शन में भाग ले सकते है।
5. सभी संभावित बोली दाताओं से अनुरोध है कि ई-ऑक्शन से सम्बनधित किसी भी शुद्धिपत्र हेतु नियमित रूप से रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करते रहें।

मुजाधि/वाणिज्य-274 सहायक वाणिज्य प्रबन्धक/इज्जतनगर

"ट्रैनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी, पीलीभीत

पत्रांक : C-1715/प्रोबे./विज्ञप्ति प्रकाशन/2025-26 दिनांक : 28.2.26

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 26.02.2026 को एक अज्ञात शिशु (बालिका) जिसकी उम्र लगभग 01 दिन, लम्बाई 46 सेमी. एवं वजन 3.250 कि.ग्रा. है, थाना माधौटाण्डा के अंतर्गत ग्राम करेलिया होली तालाब के किनारे विनोद कुमार के मकान के पीछे लावारिस अवस्था में पायी गयी है। उक्त बालिका को बाल कल्याण समिति, पीलीभीत के आदेशानुसार राजकीय दत्तक ग्रहण अभिकरण गोदावरी स्टेट पीलीभीत में उच्च देखरेख एवं संरक्षण हेतु आवासित करा दिया गया है। इस बालिका का यदि कोई परिवारीजन/ संरक्षक/जैविक माता-पिता हो तो वह 60 दिन के अंदर जिला प्रोबेशन अधिकारी अथवा बाल संरक्षण अधिकारी के विकास भवन कमरा नं. 62, द्वितीय तल स्थित कार्यालय में संपर्क कर सकते है। यदि कोई परिवारीजन विज्ञप्ति सूचना के 60 दिन के अंदर दावा प्रस्तुत नहीं करेगा, तब उक्त बालिका को उसके सर्वोत्तम हित हेतु दत्तक ग्रहण के लिये कानूनी रूप से बाल कल्याण समिति, पीलीभीत द्वारा स्वतंत्र घोषित कर दिया जायेगा।

संपर्क हेतु मो.नं. 7518024015, 9457535474

(अनुराग श्याम रस्तोगी)
जिला प्रोबेशन अधिकारी/
जिला बाल संरक्षण अधिकारी
पीलीभीत

4.82 लाख वसूल कराने को आरसी कलेक्ट्रेट भेजी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- 9 मार्च 2026 तक आयोग को भिजवाने के भी निर्देश दिए

अमृत विचार : रामपुर के जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने मो. आसिफ अली बनाम स्टार यूनियन डाई-ईची लाइफ इंश्योरेंस वाद में सुनवाई कर बीमा कंपनी पर जुर्माना लगाया है। जुर्माना की रकम निर्धारित समय पर जमा न करने पर आयोग के अध्यक्ष राधे श्याम यादव ने स्टार यूनियन डाई-ईची लाइफ इंश्योरेंस के उप प्रबंधक कस्टमर इंगेजमेंट के विरुद्ध 4.82 लाख रुपये की आरसी (वसूली प्रमाणपत्र) जारी की है। धनराशि वसूल कराने को वसूली प्रमाण-पत्र कलेक्ट्रेट भेजा है।

आयोग के अध्यक्ष ने कलेक्ट्रेट भेजी आरसी में बताया है कि आयोग ने 16 अक्टूबर, 2024 को मो. आसिफ अली बनाम उप प्रबंधक कस्टमर इन्गेजमेंट, स्टार यूनियन डाई-ईची लाइफ इंश्योरेंस शाखा कार्यालय, तृतीय तल सिविल लाइंस के वाद के मामले में आदेश पारित किया था। आदेश का अनुपालन विपक्षी ने आज तक नहीं किया। जिला कलेक्टर बरेली को विपक्षी से 4.82 लाख रुपये व इस धनराशि पर साधारण ब्याज की दर से की वसूली भूराजस्व के रूप में करने के लिए अधिकृत किया है। धनराशि वसूल कराकर 9 मार्च 2026 तक आयोग को भिजवाने के भी निर्देश दिए हैं।

कारोबार : गुजिया से गिफ्ट पैक तक तैयार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- त्योहारी गिफ्ट और ड्राई फ्रूट पैक की बिक्री में भी आया काफी उछाल
- परिवार और रिश्तेदारों को उपहार देने के बढ़ते चलन से बढ़ी खरीदारी

अमृत विचार : होली को देखते हुए शहर के बाजारों में रौनक आ गई है। मिठाई की दुकानों पर सुबह से देर रात तक ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है। खासकर गुजिया, मावा मिठाई, लड्डू और नमकीन की खरीदारी तेज हो गई है। कारोबारियों के अनुसार इस बार होली पर शहर में कई करोड़ रुपये के मिठाई कारोबार की संभावना है। बाजार में पारंपरिक मिठाइयों के साथ-साथ ड्राई फ्रूट गिफ्ट पैक, चॉकलेट बॉक्स और कॉर्पोरेट गिफ्ट की मांग भी बढ़ी है। परिवार और रिश्तेदारों को उपहार देने की परंपरा के चलते गिफ्ट आइटम की बिक्री में भी अच्छा उछाल देखने को मिल रहा है।

मिठाई कारोबारी अमित अहूजा ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार ग्राहकों की संख्या अधिक है और लोग गुणवत्ता पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। हर बार की तरह इस बार भी विशेष होली पैक तैयार किए गए हैं। जिनमें गुजिया और अन्य मिठाइयों का कॉम्बो रखा गया है। त्योहारी माहौल के बीच बाजारों में खरीदारी का उत्साह साफ नजर आ रहा है। इस पर्व में गुजिया मिठास घोल रही है। गुजिया का अपना एक विशेष महत्व है। नगर से लेकर देहात तक के लोग गुजिया की खरीददारी जमकर कर रहे हैं। सादा मावा गुजिया के साथ-साथ इस बार केसरिया, ड्राई फ्रूट्स और चंद्रकला गुजिया की भी भारी मांग है।

लोग न केवल अपने घरों के लिए बल्कि रिश्तेदारों और दोस्तों को उपहार स्वरूप भेंट करने के लिए भी मिठाई के डिब्बे पैक करा रहे हैं। वहीं दूसरे व्यापारी ने बताया कि विभिन्न प्रकार की दालमोठ, चटपटी मिक्सचर और खास तौर पर होली के लिए बनाए गए पापड़ों के दर्जनों आइटम बिक रहे हैं। इसके साथ ही सेहत के प्रति जागरूक लोग मिठाइयों के विकल्प के रूप में ड्राई फ्रूट्स को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। काजू, बादाम, पिस्ता और अखरोट के आकर्षक गिफ्ट पैकेटों की जमकर बिक्री हो रही है। दुकानदारों का कहना है कि इस बार पिछले सालों की तुलना में ग्राहकों में अधिक उत्साह दिखाई दे रहा है, जिससे व्यापार में भी काफी उछाल आया है।

10 बसों का चालान, छह को किया सीज

बरेली,अमृत विचार : होली के मद्देनजर परिवहन विभाग ने सोमवार को पीलीभीत बाईपास रोड पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान 45 बसों की जांच की गई। इनमें 10 बसों का चालान किया गया। जबकि छह बसों को सीज करने की कार्रवाई की गई। उप परिवहन आयुक्त बरेली परिक्षेत्र कमल प्रसाद गुप्ता, आरटीओप प्रशासन पंकज सिंह, आरटीओ प्रवर्तन प्रणव झा के नेतृत्व में चले इस अभियान के दौरान वाहनों के प्रपत्रों, मानकों के अनुरूप स्थिति, क्षमता से अधिक सवारी, चालक के शराब के नशे में होने की स्थिति और वाहन के इमरजेंसी गेट तथा अग्निशमन यंत्रों की जांच की गई। आरटीओ प्रशासन पंकज ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सेहत | जिले में रोजाना 50-60 हजार लीटर दूध उत्पादन की कमी, उत्पादन कम और खपत ज्यादा होने पर दूध में जहर घोल रहे मुनाफाखोर

दूध के नाम पर कहीं हम जहर तो नहीं पी रहे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- होली पर मांग बढ़ने पर और भी सक्रिय हुए मिलावटखोर सिंथेटिक दूध बन रहा बड़ा खतरा
- पशुपालन विभाग के पास उत्पादन का सही रिकॉर्ड तक उपलब्ध नहीं, निगरानी भी जीरो

अमृत विचार : हाल ही में आंध्र प्रदेश में मिलावटी दूध पीने से कई लोगों की मौत की खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया। लेकिन, जिले में मिलावटी दूध की गंगा अब भी बह रही है। कारण, उत्पादन से तीन गुना ज्यादा दूध की खपत है। होली पर मांग और बढ़ गई है क्योंकि गुझिया, मावा, पनीर, मिठाई, दही सब दूध से ही तैयार होते हैं। बाजार में सक्रिय मुनाफाखोर इसी का लाभ उठा रहे हैं। कोई पानी मिला रहा है तो कोई विभिन्न तरह के रसायनों के इस्तेमाल से सिंथेटिक दूध तैयार कर रहा है।

जिले में कितना दूध उत्पादन हो रहा है? इसकी सटीक जानकारी न तो पशुधन विभाग को है, न ही डेयरी विकास अधिकारी श्याम सुंदर कुछ बता पा रहे हैं। लेकिन, वर्ष 2008 की एक रिपोर्ट के मुताबिक जिले में 403 डेयरियां हुआ करती थीं और उस समय 2.15 लाख लीटर से अधिक दूध का उत्पादन होता था। आज, सिर्फ 140 के करीब डेयरियां बचीं हैं और आबादी बढ़ने के साथ दूध की मांग बढ़ी है। ऐसे में हर दिन 50 से 60 हजार लीटर दूध की कमी बनी है। यह कमी दो प्रमुख माध्यमों से पूरी की जाती है। इसमें पहला, आसपास के गांवों और पड़ोसी जिलों से आने वाला खुला दूध, दूसरा, ब्रांडेड पैक्ड दूध की सप्लाई।

एक अनुमान है कि कुल खपत का करीब 40 से 50 प्रतिशत हिस्सा पैक्ड दूध का है। सरकारी क्षेत्र में दुग्ध संघ (पराग) की सप्लाई स्थिर मानी जाती है। निजी कंपनियों में अमूल और मदर डेयरी की बाजार में मजबूत मौजूदगी है। बाजार सूत्रों का मानना है कि पैक्ड दूध के सेगमेंट में इन ब्रांड्स की हिस्सेदारी मिलाकर करीब आधा बाजार कवर हो जाता है। इधर, सबसे बड़ा सवाल खुले दूध का है। आसपास के ग्रामीण इलाकों से हर सुबह-शाम बड़ी मात्रा में दूध शहर में प्रवेश करता है। इसमें बड़े पैमाने पर मिलावट होती है। दूधिये मशीनों पर दूध की क्रीम निकलवाते हैं। फिर, उसमें सुविधा के मुताबिक साफ या गंदा पानी मिलाकर उसकी बिक्री करते हैं। इस सप्लाई का सटीक रिकॉर्ड विभाग के पास भी उपलब्ध नहीं होता।

मिलावट का केमिकल लोचा

ऐसे बनता है सिंथेटिक दूध : सिंथेटिक दूध बनाने के लिए पानी में यूरिया, डिटर्जेंट, कास्टिक सोडा और रिफाइंड ऑयल मिलाकर दूध जैसा घोल तैयार किया जाता है। यह मिश्रण देखने और छूने में दूध जैसा प्रतीत होता है, लेकिन शरीर के लिए बेहद हानिकारक है। दूसरा तरीका है पतले दूध में मिल्क पाउडर मिलाकर फैट प्रतिशत बढ़ाना। कुछ मामलों में स्टार्च या सिंथेटिक पाउडर का भी उपयोग किया जाता है। इसके अलावा दूध को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए हानिकारक प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं ताकि वह जल्दी खराब न हो।

घर पर ऐसे करें मिलावट की जांच

- **पानी की मिलावट :** थोड़ा दूध तिरछी सतह पर गिरा दें। शुद्ध दूध धीरे-धीरे आगे बढ़कर एक सफेद निशान छोड़ता है, जबकि पानी मिला दूध तेजी से बिना निशान छोड़े बहता है।
- **दूध में स्टार्च की मिलावट :** टिंक्चर आयोडीन की कुछ बूंदें मिलाने पर स्टार्च युक्त दूध में नीला रंग आ जाता है। टिंक्चर आयोडीन दवा दुकानों पर आसानी से मिल जाता है।
- **दूध में यूरिया की मिलावट :** दूध में यूरिया की जांच के लिए परखनली में दूध लेकर उसमें आधा चम्मच सोयाबीन या अरहर का पाउडर डालकर मिलाएं और पांच मिनट के लिए रख दें। इसके बाद इसमें एक लाल लिटमस पेपर डुबाने पर इसका रंग लाल से नीला होने का मतलब यूरिया की मिलावट है। लाल लिटमस पेपर स्टेशनरी की दुकानों पर मिल जाता है।
- **दूध में वनस्पति घी की मिलावट :** तीन से पांच एमएल दूध एक परखनली में लेकर उसमें दस बूंद हाइड्रोक्लोरिक अम्ल एवं एक चम्मच चीनी मिला दें। पांच मिनट बाद लाल रंग दिखने का मतलब वनस्पति घी की मिलावट है।

बच्चों से लेकर बड़ों के स्वास्थ्य पर ज्यादा खतरा

जिला अस्पताल के फिजीशियन डा. वैभव वाजपेयी का कहना है कि मिलावटी दूध का असर धीरे-धीरे सामने आता है। यूरिया की अधिक मात्रा किडनी पर दबाव डालती है। डिटर्जेंट आंतों की भीतरी परत को नुकसान पहुंचाता है, जिससे उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। कास्टिक सोडा लीवर और पाचन तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। यही नहीं, लगातार मिलावटी दूध के सेवन से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर असर पड़ सकता है।

ईरान-अमेरिका युद्ध लंबा खिंचने के आसार

- पूरे क्षेत्र में युद्ध की विभीषिका फैलाने के लिए ईरान पड़ोसी देशों पर कर रहा लगातार हमले
- अमेरिका-इजराइल सत्ता परिवर्तन के लिए आक्रमण की धार और तेज करने की तैयारी में

अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिकी सेना ईरान पर चार से पांच हफ्ते तक हमला जारी रख सकती है। उन्होंने कहा कि ईरान में सत्ता बदलने के लिए जिस तरह हमने वेनेजुएला में निकोलस मादुरो को हटाया है, उसी तरह की जरूरत यहां भी पड़ सकती है, ताकि देश के अधिकांश हिस्से को ज्यादा प्रभावित ना किया जाए। यह मुश्किल नहीं होगा। हमारे पास दुनिया भर के अलग-अलग देशों में गोला-बारूद रखा हुआ है।

-डोनाल्ड ट्रंप, द न्यूयॉर्क टाइम्स के साथ संक्षिप्त टेलीफोन इंटरव्यू

इजराइल के हेब्रान में ईरान की ओर से दागी गई मिसाइल के आसमान से नीचे गिरने का दृश्य।

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार। इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध छोटा और निर्णायक होने की उम्मीद के विपरीत लंबा खिंच सकता है। ईरान जिस तरह पश्चिमी देशों के अनुमान से कहीं अधिक मजबूती से मुकाबला कर रहा है, उससे यह जोखिम लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह लंबे समय तक चलने वाले युद्ध के लिए तैयार है। ईरानी सेना का दावा है कि उनकी मिसाइल क्षमताएं अभी भी काफी हद तक सुरक्षित हैं, और ड्रोन अगले कई दिनों तक हमलों के लिए तैयार हैं। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप साफ कह रहे हैं कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक सभी लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाते। इस बीच अमेरिकी रक्षा अधिकारियों के अनुसार, मध्य पूर्व में और अधिक सैनिक भेजे जा रहे हैं।

ईरान हमले के बाद लगातार युद्ध को अपने तक सीमित न रखकर पूरे क्षेत्र में फैलाने की कोशिश कर रहा है। वह अपनी लंबी रेंज की मिसाइलों से मध्य पूर्व देशों में स्थित सभी अमेरिकी बेस पर हमला कर रहा है। बहरीन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और संपत्तियों पर उसके हमले जारी हैं, इससे पूरे क्षेत्र में अस्थिरता फैल गई है। ईरान चाहता है कि ये देश अमेरिका और इजरायल को कार्रवाई करने से रोकें। दुनिया पर ईंधन संकट का दबाव डालने के लिए उसने सऊदी अरब, कुवैत और कतर में तेल और गैस उत्पादन ढांचे को भी निशाना बनाया है।

भारत की पश्चिमी कमान के पूर्व फ्लैग-ऑफिसर-कमांडिंग वाइस एडमिरल शेखर सिन्हा (सेवानिवृत्त) के मुताबिक ईरान के पास मिसाइलों और ड्रोन का विशाल भंडार हैं। ऐसे संकेत हैं कि रूस और चीन ने अपनी आपूर्ति लाइनें खोल दी हैं। रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान के पूर्व उप महानिदेशक मेजर जनरल आलोक देब का कहना है कि जल्दी सत्ता परिवर्तन मुश्किल है, क्योंकि ईरान के पास सैन्य और नागरिक नेतृत्व का एक बड़ा समूह है, जिसे नौकरशाही का भी समर्थन प्राप्त है। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे बड़ा खतरा 'बदले की भावना' में छिपा है। यदि ईरान को लगता है कि अमेरिकी हमले उसके अस्तित्व के लिए खतरा हैं, तो वह एक व्यापक युद्ध की ओर बढ़ सकता है।

इजराइल के बेटशियान शहर में ईरानी मिसाइल हमले में ध्वस्त हुई इमारत।

जश्न अभी विद्रोह का इशारा नहीं

- ईरान, अमेरिका समर्थित अरब देशों पर हमले इस उम्मीद में कर रहा है कि वे ट्रंप पर युद्धविराम समझौते के लिए दबाव डालेंगे, जबकि ट्रंप और नेतन्याहू को ईरान के कुछ हिस्सों में खामेनेई की मौत के बाद हुए जश्न से आशा है कि जनवरी की तरह ईरानी जनता विद्रोह करके धार्मिक शासन का अंत कर देगी। लेकिन अभी डेढ़ माह पहले जैसे हालात ईरान में अभी नहीं नजर आ रहे हैं।

अमेरिका को और नुकसान की आशंका रखनी चाहिए

- अमेरिका के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैनियल केन ने कहा है कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी लड़ाई 'एक रात के अभियान' तक सीमित नहीं रहेगी। अमेरिका को अपने और अधिक सैनिकों के हताहत होने की आशंका रखनी चाहिए, जो सैन्य लक्ष्य सौंपे गये हैं, उन्हें हासिल करने में समय लगेगा। कुछ मामलों में, यह काम कठिन और चुनौतीपूर्ण होगा।

ईरान में 550 से ज्यादा लोगों की मौत

- **तेहरान।** इजराइल तथा अमेरिका के ईरान पर संयुक्त हमले में अब तक ईरान में 555 से ज्यादा लोगों की मौत हो गयी है। इजराइल ने ईरान के साथ साथ लेबनान को भी निशाना बनाया और दावा किया कि उसने वहां सक्रिय आतंकी संगठन हिजबुल्लाह के खुफिया प्रमुख हुसैन माकलेद को मार डाला है। इससे पहले लेबनान ने कहा कि दक्षिणी इलाकों और राजधानी बेरूत पर इजराइली हवाई हमलों में 31 लोग मारे गए और डेढ़ सौ से अधिक घायल हो गए।

पिछले साल 12 दिन चली जंग, अब तक 6 बार संघर्ष

स्पेशल डेस्क

अमृत विचार। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच छोटे संघर्ष कई बार हो चुके हैं। अब तक छह बार हो चुकी लड़ाई मिसाइलों, ड्रोनों और हवाई हमलों से ही लड़ी गई है। सबसे बड़ी जंग जून 2025 में 12 दिन चली थी। 1988 में एक दिन के लिए अमेरिका और ईरान के बीच छोटी लेकिन तेज जंग हुई थी, जिसमें अमेरिका ने जीत हासिल की थी। इस जंग में अमेरिका के 2 जबकि ईरान के 56 सैनिक मारे गए थे। ईरान की नौसेना लगभग तबाह हो गई थी। जनवरी 2020 में अमेरिका ने ईरान के बड़े कमांडर कासिम सुलेमानी को मार दिया था। ईरान ने बदला लेने के लिए इराक में अमेरिकी बेस पर मिसाइलें दागी थीं। इस जंग में कोई सैनिक नहीं मरा लेकिन 110 से ज्यादा अमेरिकी सैनिकों को दिमागी चोट पहुंची थी। अप्रैल 2024 में ईरान ने इजराइल पर 300 से ज्यादा ड्रोन और मिसाइलें दागी थीं। लेकिन इजराइल ने 99 प्रतिशत हमले रोक लिए। जंग 2 दिन चली, नुकसान बहुत कम हुआ। इसके बाद अक्टूबर 2024 में ईरान ने 180 मिसाइलें दागीं। इजराइल ने ईरान पर हमला किया। दोनों संघर्ष में इजरायल की जीत हुई। जून 2025 में इजराइल और अमेरिका के साथ ईरान की सबसे बड़ी जंग हुई, जो 12 दिन, 13 जून से 24 जून तक चली। इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाया और लगभग ध्वस्त कर दिया। इस जंग में ईरान के एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए, जिनमें 400 से नागरिक थे। इजराइल में भी 28 लोग मारे गए। ईरान के कई परमाणु प्लांट, मिसाइल फैक्ट्री और एयर डिफेंस तबाह हो गया। इसी दौरान अमेरिका ने 2 जून को ईरान के तीन परमाणु प्लांट पर हमला किया था।

ईरान पर हमले को लेकर अमेरिकी संसद में होगी चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी

ईरान पर अमेरिका की बमबारी के बाद अमेरिकी संसद युद्ध शुरू करने की राष्ट्रपति की शक्तियों पर चर्चा कर सकती है। संसद के दोनों सदनों प्रतिनिधि सभा और सीनेट ने इस सप्ताह युद्ध से जुड़ी शक्तियों को लेकर प्रस्ताव तैयार किए हैं, जिनपर बहस के बाद मतदान होना है। इन हमलों में अमेरिकी करदाताओं का बेहिसाब पैसा खर्च हो रहा है। 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद साल 2003 में इराक युद्ध से पहले अमेरिकी संसद में लंबी बहस हुई थीं, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। इसके अलावा हाल ही में वेनेजुएला में अमेरिका ने सीमित सैन्य हमले किए थे। लेकिन ईरान के खिलाफ 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' नाम से शुरू किए गए इस अभियान का निकट भविष्य में अंत होता प्रतीत नहीं हो रहा है। ईरान के जवाबी हमलों में अमेरिका के कम से कम तीन सैन्य कर्मियों की मौत हो चुकी है। ट्रंप ने रविवार को आगाह किया था कि जान गंवाने वाले अमेरिकियों की संख्या बढ़ सकती है। यह समय संसद के लिए महत्वपूर्ण है। अमेरिकी संविधान के तहत केवल संसद के पास युद्ध की घोषणा करने का अधिकार होता है। निगरानी संगठन 'प्रोजेक्ट ऑन गवर्नमेंट ओवरसाइट' में द कंस्टीट्यूशन प्रोजेक्ट के कार्यकारी निदेशक डेविड जानोव्स्की ने कहा, "संविधान का उद्देश्य किसी एक सरकारी संस्था या व्यक्ति को सर्वशक्तिशाली होने से रोकना है।" उन्होंने कहा, "वास्तविक जन प्रतिनिधि संसद सदस्य होते हैं, राष्ट्रपति नहीं। हालांकि, हम आम तौर पर राष्ट्रपति पर ही सबका ध्यान रहता है। हमें ऐसे जन प्रतिनिधियों की जरूरत है, जो यह तय करें कि युद्ध में शामिल होना है या नहीं।" अमेरिका में युद्ध की घोषणा, युद्ध की मंजूरी या सैन्य बल के उपयोग के लिए संसद की मंजूरी जरूरी होती है। लेकिन ऐसा कभी कभार ही होता है। वास्तव में, संसद ने देश के इतिहास में केवल पांच बार युद्ध की घोषणा की है। आखिरी बार संसद ने 1941 में पर्ल हार्बर हमले के एक दिन बाद दूसरे विश्व युद्ध में दाखिल होने की घोषणा की थी।

विश्वसनीय बदलाव ही समाधान : ईयू अध्यक्ष

- **ब्रुसेल्स।** यूरोपीय यूनियन (ईयू) की अध्यक्ष उर्सूला वान डेर लेयेन ने कहा है कि पश्चिम एशिया की स्थिति अब भी अस्थिर बनी हुई है, लेकिन ईरान के लंबे समय से पीड़ित लोगों के लिए एक नयी उम्मीद जगी है। हम अपने भविष्य का निर्धारण करने के उनके अधिकार का पुरजोर समर्थन करते हैं। ईरान को अपने पड़ोसियों और संप्रभु देशों पर किये जा रहे अपने लापरवाह और अंधाधुंध हमलों को बंद करना चाहिए। इस क्षेत्र की स्थिरता का एकमात्र स्थायी समाधान ईरान में एक विश्वसनीय बदलाव है, जिसमें परमाणु और बैलिस्टिक कार्यक्रमों पर रोक के साथ क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने वाली गतिविधियों का अंत शामिल है।

फ्रांस परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाएगा

- **पेरिस।** फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोमवार को घोषणा की कि फ्रांस अपने परमाणु हथियारों की संख्या में वृद्धि करेगा। मैक्रों ने उत्तर-पश्चिमी फ्रांस के ले लोंग स्थित सैन्य प्रतिष्ठान में कहा, ''मैंने अपने शस्त्रागार में युद्धक हथियारों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है। फ्रांस परमाणु हथियारों से लैस अपने विमानों को सहयोगी देशों में अस्थायी रूप से तैनात करने की अनुमति देगा।

फ्रैंडली फायर में गिरे तीन एफ-15

- कुवैत में क्रैश हुए तीन अमेरिकी लड़ाकू विमानों पर अमेरिकी सेना ने अपडेट जारी किया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट में सेंट्रल कमान ने लिखा है कि उनके तीन एफ-15 विमान कुवैत की फ्रैंडली फायर में गिरे हैं। इस बारे में अमेरिकी सेना ने एक बयान में कहा कि "अमेरिकी वायुसेना के लड़ाकू विमानों को कुवैती एयर डिफेंस ने गलती से मार गिराया है।" बयान में आगे कहा गया कि सभी पायलट सुरक्षित हैं। कुवैत ने इस घटना की पुष्टि की है और हम कुवैत के एयर डिफेंस फोर्सेस के प्रयासों और जारी अभियान में उनके समर्थन के आभारी हैं।

परमाणु ठिकाने पर हमला नहीं

- जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा है कि अब तक ईरान के किसी भी परमाणु ठिकाने पर हमला नहीं हुआ है, लेकिन 'रेडियोधर्मिता रिसाव' की संभावना को टाला नहीं जा सकता। आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने कहा कि आईएईए स्थिति की निगरानी जारी रखेगा।

मस्कट में तेल टैंकर पर हमला, भारतीय की मौत

दुबई, एजेंसी

ओमान में मस्कट प्रांत के तट पर सोमवार को विस्फोटकों से भरी एक मानवरहित नौका के तेल टैंकर से टकराने से एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। ओमान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''समुद्री सुरक्षा केंद्र ने बताया कि मस्कट प्रांत के तट से 52 समुद्री मील दूर तेल टैंकर एमकेडी वीवाईओएम पर एक मानवरहित नाव द्वारा हमला किया गया था।'' उसने कहा कि हमले के परिणामस्वरूप इंजन रूम में विस्फोट के बाद आग लग गयी एवं चालक दल के एक सदस्य की मौत हो गई। उसने कहा कि चालक दल के शेष 21 सदस्यों को सुरक्षित निकाला गया। मंत्रालय ने मृतक की राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं किया, लेकिन स्थानीय मीडिया ने बताया कि वह टैंकर के चालक दल का एक भारतीय सदस्य था। 'ओमान ऑब्जर्वर' ने बताया,''हमले के कारण मुख्य इंजन कक्ष में आग और विस्फोट हुआ, जिससे चालक दल के एक भारतीय सदस्य की मौत हो गई।'' उसने यह भी बताया कि बचाए गए चालक दल में 16 भारतीय नागरिक, चार बांग्लादेशी नागरिक और एक यूक्रेनी नागरिक शामिल थे। एक दिन पहले, होर्मुज जलडमरूमध्य में एक अन्य तेल टैंकर पर हमला हुआ था। एमवी स्काईलाइट नामक इस टैंकर पर हमले में चालक दल के चार सदस्य घायल हो गए।

दुबई से भारत के लिए सीमित उड़ानें शुरू

दुबई। दुबई हवाई अड्डे ने सोमवार शाम सीमित संख्या में उड़ानों का परिचालन शुरू करने की घोषणा की है जिसमें कई भारतीय शहरों की उड़ानें भी शामिल हैं। ये उड़ानें दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और दुबई वर्ल्ड सेंट्रल-अल मक्तूम इंटरनेशनल से शुरू होंगी। दुबई हवाई अड्डे को ईरानी मिसाइल हमले के बाद बंद कर दिया गया था। दुबई हवाई अड्डे की वेबसाइट के अनुसार, पहली उड़ान ईके 500 मुंबई के लिए भारतीय समय के अनुसार रात 9 .30 बजे रवाना होगी। चेन्नई की उड़ान रात नौ बजे रवाना होगी।

न्यू वर्ल्ड आर्डर

ट्रंप की परमाणु हथियारों का प्रसार रोकने के लिए कूटनीति के बजाय धमकी, सैन्य दबाव और रिजीम चेंज की रणनीति

शांति का फरिश्ता बनने की चाहत और जंग का रास्ता

स्पेशल डेस्क

अमृत विचार। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार सत्ता में यह कहकर लौटे थे कि वह लंबे समय से चलते आ रहे युद्धों को समाप्त करेंगे। अपने इस वादे के पीछे उन्होंने अमेरिकी जनता को अफगानिस्तान और इराक में लड़े गए युद्धों की याद दिलाई थी, लेकिन एक साल में ही उन्होंने सीरिया, वेनेजुएला और ईरान सहित कई देशों में खुलेआम सैन्य अभियान शुरू कर दिए। ट्रंप एक तरफ तो दुनिया के सामने खुद को शांति का सबसे बड़ा फरिश्ता पेश कर रहे हैं। वह दावा करते हैं कि उन्होंने आठ युद्ध समाप्त कराए हैं, इसके बावजूद उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला। अपने शांति अभियान के लिए ही वह एक ओर जहां 'बोर्ड ऑफ पीस' बना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ग्रीनलैंड पर कब्जा करने, पनामा नहर वापस लेने, क्यूबा को दबाने और वेनेजुएला की ही तरह कोलंबिया के राष्ट्रपति को खुली धमकी भी देने से नहीं चूक रहे हैं।

सेंट्रल गाजा पट्टी में ईरान द्वारा किया गया मिसाइल हमला।

ट्रंप ने 2016 में जब पहली बार राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा था, तो उन्होंने अमेरिका में पिछली सरकारों की सैन्य कार्रवाइयों का विरोध करते हुए कहा था कि दूसरे देशों में सरकार बदलना पूरी तरह से एक विफल नीति है और भरोसा दिलाया था कि वे विदेशी सरकारों को गिराने की होड़ रोकेंगे। कुछ इसी तरह का दावा उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति का चुनाव लड़ते समय भी किया था कि उनके पहले कार्यकाल में कोई नया युद्ध शुरू नहीं हुआ, और इसी के दम पर वह चुनाव जीते थे।

लेकिन अब देखा जा रहा है कि ट्रंप की 'युद्ध और शांति' से जुड़ी नीति उनके 'पीस थ्रू स्ट्रेंथ' यानी शक्ति के माध्यम से शांति के सिद्धांत पर आधारित है। इसी के चलते अब वह तर्क दे रहे हैं कि अमेरिका की अत्यधिक सैन्य शक्ति ही दुनिया में शांति बनाए रखने का एकमात्र तरीका है। ट्रंप की रणनीति राष्ट्र निर्माण के बजाय विशिष्ट लक्ष्यों पर सटीक और बड़े प्रहार करने की है। इसी मिशन के तहत उन्होंने

2026 में एक ट्रिलियन डॉलर का रक्षा बजट प्रस्तावित किया है, ताकि अमेरिकी सेना की मारक क्षमता और तैयारी को अभेद्य और अविजित बनाया जा सके। वह परमाणु हथियारों का प्रसार रोकने के लिए कूटनीति के बजाय सीधे धमकी और सैन्य दबाव बनाने के साथ शासन परिवर्तन (रिजीम चेंज) जैसी संभावनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। ईरान पर हमले को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। अपनी तमाम कोशिशों के बाद उन्होंने काफी सोच-समझकर यह दांव चला है, और उन्हें उम्मीद है कि इसके माध्यम से वह मध्य पूर्व को नया स्वरूप देने में कामयाब हो सकेंगे। यह एक ऐसा मंसूबा है, जिसे बीते तमाम दशकों में कई अमेरिकी राष्ट्रपति चाहकर भी करने में सफल नहीं रहे हैं।

ऐसे में अगर अमेरिका केवल हवाई ताकत का इस्तेमाल करके ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह नष्ट करने और वहां सत्ता परिवर्तन कराने में सफल हो जाते हैं, तो यह उनकी बड़ी ऐतिहासिक जीत में शुमार हो जाएगा। इसके बाद वह दावा कर सकेंगे कि जिस काम को पीढ़ियों से कोई हासिल नहीं कर पाया, वह उन्होंने कर दिखाया है। अपने इस लक्ष्य के लिए उनके इरादा कितना मजबूत है, इसे इसी बात से समझा जा सकता है, जब वह समाचार संस्थान एक्सियोस को बताते हैं कि 'मैं लंबे समय तक खेल सकता हूं और पूरे मामले को अपने हाथ में ले सकता हूं, या फिर मैं इसे दो या तीन दिनों में समाप्त भी कर सकता हूं।' इसी के बाद वह ट्रूथ सोशल पर लिखते हैं कि ' ईरान पर भारी और सटीक बमबारी... पूरे सप्ताह या जब तक आवश्यक हो, बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी।'

इन बातों से ट्रंप का विदेश नीति के प्रति मनमाना रवैया सामने आता है, जिसमें उन्होंने हमला करने से पहले न तो अमेरिकी कांग्रेस को कोई जानकारी दी और न ही अमेरिकी जनता को कुछ बताया। ईरान के साथ युद्ध शुरू करना अमेरिकी जनता के हित में क्यों है, इस बारे में ट्रंप ने पहले से कोई ठोस तर्क भी नहीं दिए। सिर्फ इसी बात पर जोर दिया कि अगर ईरान परमाणु बम बना लेता है तो अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को कितना बड़ा खतरा होगा। उन्होंने दावा किया कि ईरान जल्दी ही एक ऐसी मिसाइल हासिल बना लेगा जो अमेरिकी धरती तक पहुंच सकती है।

अमृत विचार

मंगलवार, 3 मार्च 2026

सच्ची बुद्धिमत्ता क्षणिक सुखों की खोज करने के बजाय अनावश्यक पीड़ा से मुक्त जीवन जीने में निहित है।

–अरस्तु, दार्शनिक

खामेनेई के बाद युद्ध

खामेनेई मारे गए, उनके के साथ ही देश के रक्षा मंत्री, सेना प्रमुख और कई सैन्य कमांडर समेत शासन से संबंधी कुछ महत्वपूर्ण लोग भी खेत रहे। खामेनेई ईरान के सर्वोच्च नेता होने के नाते शासन व्यवस्था के केंद्र और सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ थे। किसी युद्धरत देश के लिए हमले के पहले ही दिन इतनी बड़ी क्षति उसे घुटने पर ला देने के लिए बहुत है। सामान्य धारणा यह कि इससे ईरान कमजोर पड़ेगा और युद्ध जल्द ही खत्म हो जाएगा, पर फिलहाल ऐसा नहीं दिख रहा। बेशक, ईरान के नेता असमंजस में होंगे कि इस युद्ध को कैसे झेला जाए, इसके व्यापक विनाश से कैसे बचा जाए, लेकिन उनके बयान और दूसरे तथ्य इस ओर इशारा करते हैं कि युद्ध शीघ्र समाप्त नहीं होगा। संभव है कि यह कुछ हफ्ते या महीनों लंबा खिंचे।

ऐसे में यह बहुत से देशों को सीधे और कई को परोक्षतः बुरी तरह प्रभावित करेगा। सच तो यह है कि ईरान का इस्लामी शासन एक व्यक्ति पर निर्भर व्यवस्था नहीं है। सर्वोच्च नेता खामेनेई के मारे जाने के बाद उनकी जगह जो भी दूसरा धार्मिक नेता आयेगा उसके लिए राष्ट्रवाद के नाम पर जनसमर्थन हेतु युद्ध जारी रखना जरूरी होगा और इसके नाम पर उसे इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर का समर्थन भी मिलता रहेगा, जो पारंपरिक सेना के साथ-साथ काम करते हुए देश के भीतर और बाहर से आने वाले खतरों से शासन की रक्षा करने का विशेष दायित्व संभालती है।

ट्रंप और नेतन्याहू की राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी यह युद्ध आवश्यक है। साल के अंत में नेतन्याहू को आम चुनाव का सामना करना है, उनका मानना है कि युद्ध से उनकी राजनीतिक स्थिति मजबूत होती है, उधर ट्रंप को टैरिफ मसले पर यूरोपीय देशों और कोर्ट द्वारा उनकी भद पिटने के बाद सुर्खरू होने के लिए राष्ट्र सुरक्षा के नाम पर युद्ध एक बेहतर सियासी उपाय है। दोनों की यह दलील बहुत खोखली है कि उनसे कमजोर ईरान उनके लिए खतरा है और यह आक्रमण किसी आशंकित खतरे के खिलाफ उठाया गया है, बल्कि यह एक सोचा-समझकर छेड़ा गया नियोजित युद्ध है। इसराइल और अमेरिका का आकलन है कि ईरान का इस्लामी शासन इस समय कमजोर स्थिति में है। वह गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा इसलिए उसे ध्वस्त करने के इस सुनहरे अवसर को गंवाया नहीं जाना चाहिए। अब जबकि खामेनेई मारे जा चुके हैं, तब उनके के लिए बेहतर अवसर है कि वह इसी दौर में अपने सभी मंसूबे पूरे कर लें, इसलिए भी वे युद्ध को तब तक खींचेंगे जब तक ईरान पूरी तरह तबाह होकर हथियार न डाल दे। पर सवाल यह भी है कि क्या वे अपनी मंशा में जल्द कामयाब होंगे, क्या उनकी इच्छापूर्ति तमाम दूसरे देशों को संकट में नहीं डाल देगी? क्या शांति की भी कोई सूरत नजर आती है? खामेनेई की मौत के बाद अंतरिम कौंसिल कल परसों तक 88 धर्मगुरु के मत से नया सुप्रीम लीडर चुन ही लेंगे। अब देखना यह होगा कि ईरान का नवनिर्वाचित सुप्रीम लीडर तथा देश के अन्य सियासी गुट इस युद्ध के बारे में क्या रुख अपनाते हैं?

प्रसंगवश

दुनिया में वन्यजीवों के अस्तित्व पर बढ़ता संकट

यह कहने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि वन्य जीवों के अस्तित्व पर संकट लगातार गहराता जा रहा है। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की नवीनतम 'लिविंग प्लैनेट' रिपोर्ट (एलपीआर) 2024, जो 2025 तक के रुझानों को समेटती है, यह चिंताजनक तथ्य सामने रखती है कि 1970 से अब तक वैश्विक स्तर पर वन्यजीव आबादी में औसतन 73 प्रतिशत की कमी आ चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार लैटिन अमेरिका और कैरिबियन क्षेत्र में जैव विविधता सबसे अधिक प्रभावित हुई है। मीठे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में 85 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। प्रवाल भित्तियों का निरंतर विरंजन, अमेजन वर्षावन और उपध्रुवीय गाइरे का पतन तथा ग्रीनलैंड और पश्चिमी अंटार्कटिका की बर्फ चादरों का पिघलना गंभीर संकेत हैं। रिपोर्ट जलवायु परिवर्तन को इन परिस्थितियों का प्रमुख कारण मानते हुए चेतावनी देती है कि पृथ्वी खतरनाक मोड़ के निकट पहुंच रही है और अगले पांच वर्ष निर्णायक साबित हो सकते हैं।

अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ लेखक

यह पहली बार नहीं है जब वन्यजीवों की घटती संख्या को लेकर वैश्विक चिंता व्यक्त की गई हो। गत वर्ष नेशनल ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैक्सिको और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने दावा किया कि पृथ्वी छठे व्यापक विनाश काल में प्रवेश कर चुकी है। उनका शोध प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित हुआ, जिसमें बताया गया कि पिछले सौ वर्षों में 200 कशेरुकी प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं, जबकि सामान्य परिस्थितियों में इतनी हानि हजारों वर्षों में होती। अनुमान है कि यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी दशकों में 75 प्रतिशत तक प्रजातियां समाप्त हो सकती हैं।

जंगलों की अंधाधुंध कटाई, बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और अवैध शिकार वन्यजीव संकट के प्रमुख कारण हैं। हाथी, गोरिल्ला, गिद्ध और अनेक सरीसृप तेजी से घटे हैं। आर्कटिक लोमड़ी इसका उदाहरण है, जिसकी गर्म फर के कारण व्यापक शिकार किया जाता है। फिनलैंड की संस्था जस्टिस फॉर एनिमल ने चेताया है कि लक्जरी उद्योग के लालच ने इनका अस्तित्व संकट में डाल दिया है। यूरोप के कुछ देशों में इनकी संख्या अत्यंत सीमित रह गई है। ब्रिटेन में रॉयल सोसायटी फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स के सर्वेक्षण के अनुसार हेन हैरियर की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। इसी प्रकार अफ्रीका में अवैध हाथीदांत व्यापार के कारण प्रतिवर्ष भारी संख्या में हाथियों का शिकार होता है। भारत में भी अवैध शिकार, शहरीकरण, प्रदूषण और कृषि विस्तार के चलते वन्यजीवों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जलीय जीव भी इससे अछूते नहीं हैं। औद्योगिक प्रदूषण, फफूंद संक्रमण और अवैध मत्स्य शिकार के कारण सैकड़ों प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। यूरोप के समुद्रों में व्हेल और डॉल्फिन की संख्या घट रही है। दक्षिण-पूर्व एशिया में पशुओं के उपचार में प्रयुक्त हानिकारक दवाओं के कारण गिद्धों की संख्या में भारी गिरावट आई है। भारत में पिछले दशकों में गिद्धों की संख्या में 97 प्रतिशत तक कमी दर्ज की गई, जिससे पारिस्थितिक संतुलन प्रभावित हुआ है।

विश्व में ज्ञात प्रजातियों की संख्या लगभग 18 लाख है, जो वास्तविक जैव-विविधता का एक छोटा हिस्सा मात्र है। भारत में लगभग 75 हजार प्रजातियां पाई जाती हैं। संरक्षण हेतु कानून मौजूद हैं, पर प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है। जैव विविधता को बचाने के लिए जलवायु परिवर्तन की रोकथाम, प्रदूषण नियंत्रण और वनों के संरक्षण की दिशा में ठोस, सामूहिक और दीर्घकालिक प्रयास अनिवार्य हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

इस्लामिक देशों का कथित भाईचारा आया सामने

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

मुंबई के मोहम्मद अली रोड पर रमजान की रौनक अपने चरम पर थी। मीनारा मस्जिद के आसपास की गलियों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही थी। इसी हलचल के बीच एक होटल में बैठे कुछ मुस्लिम बुद्धिजीवी, पत्रकार और कारोबारी गहरी चिंता के साथ मुस्लिम देशों के संगठन, इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की निष्क्रियता पर चर्चा कर रहे थे। उनका सवाल सीधा था, अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद भी ओआईसी की आवाज इतनी धीमी क्यों है?

57 मुस्लिम देशों का प्रतिनिधित्व करने वाला यह संगठन अक्सर फिलिस्तीन जैसे मुद्दों पर मुखर रहता है, प्रस्ताव पारित करता है और कड़े बयान जारी करता है, लेकिन जब मामला ईरान जैसा प्रभावशाली और क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन में अहम देश हो, तब उसकी प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत नरम क्यों दिखाई देती है? यह प्रश्न केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि राजनीतिक और कूटनीतिक जटिलताओं से जुड़ा है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नया अध्याय नहीं है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से दोनों देशों के संबंधों में अविश्वास और टकराव बना हुआ है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम, उस पर लगाए गए प्रतिबंधों और पश्चिम एशिया में उसकी बढ़ती भूमिका ने इस तनाव को और गहरा किया है। जब भी हालात बिगड़ते हैं, पूरी दुनिया की निगाहें इस क्षेत्र पर टिक जाती हैं। ऐसे समय में उम्मीद की जाती है कि इस्लामिक देश एकजुट होकर शांति, संवाद और न्याय की वकालत करेंगे। पर व्यवहार में तस्वीर अधिक जटिल दिखती है। ओआईसी का गठन मुस्लिम देशों के बीच सहयोग, एकता और साझा हितों की रक्षा के उद्देश्य से हुआ था। सिद्धांततः यदि किसी सदस्य देश पर संकट आए, तो बाकी देश उसका समर्थन करें और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उसकी आवाज बनें, लेकिन व्यावहारिक राजनीति में यह संगठन अक्सर औपचारिक बयानों तक सीमित रह जाता है। ईरान के मामले में भी कई देशों ने सावधानी भरे वक्तव्य दिए, कुछ ने चुप्पी साध ली और कुछ ने अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी रुख के प्रति सहमति जताई।

> यदि 57 देश सचमुच एक मंच पर संगठित होकर बोलें, तो अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उनका प्रभाव काफी बढ़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर वे एक मजबूत दबाव समूह बन सकते हैं। पर आपसी अविश्वास और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के कारण यह संभावना अक्सर साकार नहीं हो पाती।

इस विभाजन के पीछे सबसे बड़ी वजह मुस्लिम दुनिया के भीतर मौजूद वैचारिक और रणनीतिक मतभेद हैं। पश्चिम एशिया में ईरान और सऊदी अरब के बीच लंबे समय से प्रभाव की प्रतिस्पर्धा रही है। एक ओर शिया नेतृत्व वाला ईरान है, तो दूसरी ओर सुन्नी बहुल खाड़ी देश। यह प्रतिस्पर्धा केवल धार्मिक पहचान तक सीमित नहीं, बल्कि क्षेत्रीय प्रभुत्व, सुरक्षा और राजनीतिक प्रभाव से भी जुड़ी है। परिणामस्वरूप, किसी भी सामूहिक मंच पर सर्वसम्मति बनाना कठिन हो जाता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण कई मुस्लिम देशों के अमेरिका के साथ गहरे आर्थिक और सुरक्षा संबंध हैं। खाड़ी देशों की सुरक्षा संरचना काफी हद तक अमेरिकी सैन्य सहयोग पर आधारित है। ऊर्जा व्यापार, हथियार सौदे और निवेश संबंध भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में वे खुलकर अमेरिका की आलोचना करने से बचते हैं।

इसके अलावा, कुछ अरब देशों का मानना है कि क्षेत्रीय तनाव के लिए ईरान की नीतियां भी जिम्मेदार रही हैं। यमन, सीरिया और इराक में उसकी सक्रियता को लेकर कई देशों में असंतोष है। इसलिए वे इस टकराव को केवल "मुस्लिम देश बनाम अमेरिका" के रूप में नहीं देखते, बल्कि इसे व्यापक भू-राजनीतिक संघर्ष के रूप में आंकते हैं। यही सोच ओआईसी के भीतर साझा बयानबाज़ी को सीमित कर देती है। ओआईसी की कार्यप्रणाली भी एक बाधा है। संगठन अक्सर सर्वसम्मति पर आधारित निर्णय प्रक्रिया अपनाता है। जब सदस्य देशों के हित, गठबंधन और प्राथमिकताएं अलग-अलग हों, तब कठोर और स्पष्ट निर्णय लेना कठिन हो जाता है। कई बार तीखे शब्दों वाले प्रस्ताव पारित तो हो जाते हैं, लेकिन उनके अनुपालन या ठोस कूटनीतिक कदमों का अभाव रहता है। इससे संगठन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं।

दूसरी ओर, आम मुस्लिम समाज की अपेक्षाएं अलग हैं। वे चाहते हैं कि इस्लामिक देश अन्याय या बाहरी हस्तक्षेप के खिलाफ एकजुट स्वर में बोलें। सोशल मीडिया पर भी यह भावना दिखाई देती है कि कम से कम कूटनीतिक स्तर पर मजबूत और स्पष्ट रुख अपनाया जाना चाहिए था, लेकिन सरकारें भावनात्मक आवेगों की बजाय रणनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा गणनाओं के आधार पर निर्णय लेती हैं। इस स्थिति का व्यापक प्रभाव भी है। यदि 57 देश सचमुच एक मंच पर संगठित होकर बोलें, तो अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उनका प्रभाव काफी बढ़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर वे एक मजबूत दबाव समूह बन सकते हैं। पर आपसी अविश्वास और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के कारण यह संभावना अक्सर साकार नहीं हो पाती।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव न एक बार फिर इस्लामिक दुनिया की आंतरिक सीमाओं को उजागर किया है। ओआईसी के सामने चुनौती यही है कि वह केवल औपचारिक वक्तव्यों तक सीमित न रहे, बल्कि सदस्य देशों के बीच भरोसा, पारदर्शिता और साझा रणनीति विकसित करे। यदि इस्लामिक देश वैश्विक मंच पर प्रभावशाली भूमिका निभाना चाहते हैं, तो उन्हें अपने मतभेद कम कर व्यापक सामूहिक हितों को प्राथमिकता देनी होगी। अन्यथा हर बड़े संकट में उनकी बंटी हुई प्रतिक्रिया निराशा को ही जन्म देती रहेगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने सामने

भाजपा को यह स्वीकार करना चाहिए कि हां, उन्होंने षड्यंत्र किया, उन्होंने छोटापन दिखाया और देश के संस्थानों का गलत इस्तेमाल किया। भाजपा को देश से माफी मांगनी चाहिए कि अब वे आगे ऐसा नहीं करेंगे। भाजपा को फिर से उसी लड़ाई-झगड़े में जाने के बजाय, अब माफी मांगने वाली मुद्रा में जाना चाहिए।

–**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व मुख्यमंत्री, दिल्ली

आप पार्टी को थोड़ी सी भी राजनीतिक जगह मिलती है, वे भाजपा को लेकर देश और इजराइल व अमेरिका तक के मुद्दों के लिए दोषी ठहराते हुए बयानबाजी शुरू कर देते हैं। 11 साल का कार्यकाल शून्य विकास, भ्रष्टाचार, घोटालों व 'शीश महल' से भरा रहा, जबकि भाजपा का एक साल का कार्यकाल विकास से परिपूर्ण रहा है। – **वीरेंद्र सचदेवा** भाजपा अध्यक्ष, दिल्ली

नेपाल चुनावः बालेन को लेकर खौफजदा पुरानी पार्टियां

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

इस बार के चुनाव में नेपाल को कैसी सरकार नसीब होती है, इसके कयास लगाए जाने लगे है। किसी एक दल की पूर्ण बहुमत की सरकार को लेकर सभी के मन में शंका है। भारत में नेपाल के राजदूत रहे नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीप कुमार उपाध्याय का साफ कहना है कि नेपाल के नसीब में किसी एक दल की स्थाई सरकार न होना दुर्भाग्यपूर्ण है। नेपाल में लोकतंत्र बहाली के बाद से यह स्थिति बनी हुई है और यही कारण है कि नेपाल में लोकतंत्र को मजबूती नहीं मिल पा रही है।

इस सबके बीच विकट परिस्थितियों में हो रहे इस चुनाव में प्रधानमंत्री पद के तीन बड़े चेहरों पर लोगों की निगाह टिकी हुई है। नंबर एक पर राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के बालेन शाह हैं। दूसरे पर नेपाली कांग्रेस के गगन थापा और तीसरे नंबर पर एमाले के केपी शर्मा ओली हैं। चुनाव आगामी पांच मार्च को है। मतों की गिनती सात मार्च को है। आठ या नौ मार्च तक नेपाल में नई सरकार का गठन हो जाएगा, बालेन शाह को लेकर पुरानी राजनीतिक दलों की सांसें अटकी हुई हैं। सवाल उठता है कि यदि किसी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला, तो किस पार्टी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और इसमें कौन-कौन दल शामिल हो सकते हैं? यदि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सत्ता में नहीं आ पाती तो उसकी भूमिका क्या होगी?

> चुनाव आगामी पांच मार्च को है। मतों की गिनती सात मार्च को है। आठ या नौ मार्च तक नेपाल में नई सरकार का गठन हो जाएगा, बालेन शाह को लेकर पुरानी राजनीतिक दलों की सांसें अटकी हुई हैं।

जेन जी आंदोलन के बाद अंतरिम सरकार के नेतृत्व में हो रहे इस चुनाव में सुडान गुरूंग के साथ काठमांडू के पूर्व मेयर बालेन शाह भी रवि लामी छाने के साथ आ गए। सुडान गुरूंग जेन जी आंदोलन के नायक के रूप में जाने जाते हैं, वहीं बालेन शाह की पहचान एक रैपर और इंजीनियर की है। उन्होंने निर्दल लड़कर काठमांडू नगर निगम के मेयर पद का चुनाव जीता था। बतौर मेयर उन्होंने अपने कार्यालय में ग्रेटर नेपाल का मानचित्र लगाकर राष्ट्रवादी नेता की छवि धारण करने की कोशिश की थी। जेन जी आंदोलन के बाद जब अंतरिम सरकार के गठन की नौबत आई तो जेन जी का एक धड़ा बालेन को प्रधानमंत्री बनाने के पक्ष में था जो फलीभूत नहीं हो सका। अब जब बालेन शाह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में झापा क्षेत्र संख्या पांच से एमाले अध्यक्ष और पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, तो संभावित प्रधानमंत्री के रूप में उनकी चर्चा लाजिमी है।

नेपाल के इस चुनाव का परिणाम वैश्विक स्तर पर भी खास है, क्योंकि पूर्व की परंपरावादी राजनीतिक दलों की हालत बहुत बेहतर नहीं है। पुरानी पार्टी में एक नेपाली कांग्रेस है, जिसके ठीक-ठाक प्रदर्शन की उम्मीद है, लेकिन यह पार्टी भी अब नए नेतृत्व के अधीन है। भारी अंतर्विरोध के बीच वरिष्ठ नेता गगन थापा को नया अध्यक्ष चुना गया है। गगन थापा अपनी पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री पद का चेहरा हैं। नेपाली कांग्रेस के भी अकेले दम पर सत्ता में आने की संभावना नहीं है फिर भी इस पार्टी के नए अध्यक्ष के रुख को लेकर चर्चा होती रहती है। हालांकि उन्होंने साफ कहा है कि नेपाल भारत और चीन के मध्य स्थित है इसलिए इसे दोनों देशों से संतुलन बनाकर ही आगे बढ़ना होगा। गगन थापा के इस कथन को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सकारात्मक दृष्टि से देखा गया। भारत और चीन दोनों के लिए गगन थापा का बयान मायने रखता है, लेकिन शेर बहादुर देउबा अथवा कोइराला परिवार के बिना चुनाव मैदान में उतरी नेपाली कांग्रेस का प्रदर्शन इस चुनाव में कैसा होता है, यह देखना जरूरी होगा। 2022 के चुनाव में नेपाली कांग्रेस 89 सीटें जीत कर सबसे बड़े दल के रूप में उभरकर सामने आई थी।

आज जिन परिस्थितियों में यह चुनाव हो रहा है, उसे देख ऐसा नहीं लगता कि नेपाली कांग्रेस 2022 के चुनाव परिणाम को दोहरा पाएगी? और यदि ऐसा हो पाया तो निस्संदेह यह गगन थापा की बड़ी कामयाबी होगी और तब उनकी सरकार की संभावना बढ़ सकती है। नेपाल में मतदान के बहुत कम दिन शेष है। ऐसे में जब सरकार गठन की बात चलती है, तो मध्य नेपाल अर्थात मैदान और पहाड़ के बीच के हिस्से में एमाले की चर्चा भी खूब हो रही है। एमाले अध्यक्ष केपी शर्मा ओली गठबंधन की ही सही चार बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं। इस बार राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार बालेन शाह से उनका मुकाबला बेहद कड़ा है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अंदरूनी सर्वे में यह सीट बालेन शाह जीत रहे हैं, लेकिन इस क्षेत्र के लोगों की मानें तो यह इतना आसान भी नहीं है।

2022 में एमाले को 78 सीटों पर जीत मिली थी। वह दूसरा सबसे बड़ा दल था। इसके बाद प्रचंड के नेतृत्व वाली माओवादी केंद्र था, जिसके 32 सदस्य चुने गए थे। 2022 के प्रतिनिधि सभा में रवि लामी छाने की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 20 सीटों के साथ तीसरे नंबर की बड़ी पार्टी थी और सरकार में हिस्सेदारी के तौर पर इस पार्टी को एक उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का पद आया था, इन दोनों पदों पर पार्टी अध्यक्ष रवि लामी छाने स्वयं काबिज थे। जहां तक प्रधानमंत्री पद का सवाल है, तो यह शेर बहादुर देउबा, ओली और प्रचंड के हिस्से में आता रहा। इस बार बेशक राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की धूम है, लेकिन प्रतिनिधि सभा के 165 और उच्च सदन के 110 यानी 275 सीटों में से बहुमत का आंकड़ा जुटा पाना किसी के लिए भी आसान नहीं जान पड़ता। फिर भी चाहे नेपाली कांग्रेस हो, एमाले हो या माओवादी केंद्र, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को लेकर खौफजदा तो हैं, इनमें इस बात को लेकर खौफ है कि खुदा न खास्ता राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सत्ता में आ गई तो उक्त तीनों पार्टियों के ढेर सारे बड़े नेताओं का जेल जाना तय है क्योंकि भ्रष्टाचार के बड़े-बड़े मामले में उनके हाथ सने हुए हैं। बीच चुनाव खबर यह भी है कि इस खौफ से उबरने के लिए नेपाली कांग्रेस, एमाले और माओवादी केंद्र के अंदरखाने कुछ और ही खिचड़ी पक रही है, जिसका प्रकटीकरण चुनाव परिणाम के बाद ही संभव है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

छोटे फैसले, बड़ा भविष्य

कभी-कभी लगता है समय नदी नहीं, कुम्हार है। हर दिन हमें थोड़ा-थोड़ा घुमाता है, दबाता है, आकार देता है। हम सोचते हैं हम भाग रहे हैं, पर सच यह है कि हम गढ़े जा रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि कौन मिट्टी बना रहता है और कौन आकार लेने की हिम्मत करता है। पिछले दिनों में आपने कितनी बार खुद को टाला? और कितनी बार खुद को पकड़ा? यह सवाल किसी और के लिए नहीं है। दुनिया आपकी उपलब्धियों की तालिका देखती है, पर असली कहानी उन क्षणों में लिखी जाती है, जब आपने आसान रास्ता छोड़कर सही रास्ता चुना या कम से कम कोशिश की। जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम बड़े अवसरों का इंतजार करते रहते हैं, जबकि असली बदलाव छोटे फैसलों में छिपा होता है।

मनोज अभिज्ञान
अधिवक्ता

कई लोग कहेंगे कि समय तेज भाग रहा है। सच तो यह है कि समय हमेशा अपनी रफ्तार से चलता है। बेचैनी हमारी है। हम तुलना में उलझे रहते हैं। किसी की नौकरी, किसी की गाड़ी, किसी की लोकप्रियता, लेकिन किसी की शांति? वही सबसे बड़ी पूंजी है। अगर कुछ छूटा है, तो उसे बोझ मत बनाइए। उसे बीज बना दीजिए। हर छूटा हुआ काम संकेत है कि उसमें अब भी संभावना बची है, जो खत्म हो गया, वह सिर्फ एक अध्याय था। किताब अभी बाकी है। जिंदगी स्प्रिंट नहीं, लंबी बातचीत है। खुद से, अपने लोगों व विचारों से। अगर कुछ अधूरा रह गया है, तो वह आपकी अक्षमता का प्रमाण नहीं, यात्रा का संकेत है। अधूरापन ही हमें आगे बढ़ने की वजह देता है। पूरी हो चुकी कहानी में उत्साह नहीं बचता, जो करना है, वह धीरे और लगातार करना है। बड़े पेड़ भी एक दिन में नहीं बढ़ते, पर रोज बढ़ते हैं।

समय किसी के लिए रुकता नहीं, वह हर उस व्यक्ति के साथ चलता है, जो चलने का निर्णय लेता है। सवाल यह नहीं कि कितना समय बीत गया। सवाल यह है कि आपने उसमें कितना जीवन जोड़ा। अब अगला कदम आपका है। घड़ी चल रही है, पर कहानी भी चल रही है। कहानी तब तक जिंदा है, जब तक आप उसे आगे लिखने का साहस रखते हैं। कभी-कभी घड़ी उतारकर मेज पर रख देनी चाहिए, ताकि समय का शोर थोड़ा कम हो सके। स्क्रीन की रोशनी से बाहर भी दुनिया है, जो धीरे-धीरे बुलाती रहती है। लोग जो सन्नाटे की भाषा पढ़ लेते हैं, वे जानते हैं कि अनुपस्थिति भी एक तरह की उपस्थिति होती है, जो लोग 'बिटवीन द लाइंस' पढ़ लेते हैं, वे जानते हैं कि कुछ यात्राएं शोर से दूर तय होती हैं। बाकी सब ठीक है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

ईरान-अमेरिका टकराव और इतिहास की वापसी

मध्य-पूर्व एक बार फिर इतिहास के सबसे खतरनाक मोड़ पर खड़ा है। सदियों पुरानी सभ्यताओं की यह भूमि पिछले सौ वर्षों से राजनीतिक प्रयोगशाला बनी हुई है, लेकिन फरवरी 2026 के अंतिम सप्ताह की घटनाओं ने क्षेत्र को सीधे वैश्विक युद्ध की दहलीज पर ला खड़ा किया है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने संयुक्त सैन्य अभियान चलाकर ईरान के भीतर कई ठिकानों पर व्यापक हवाई हमले किए। इस अभियान को "ओपरेशन एपिक फ्यूरी" नाम दिया गया। दावा किया गया कि निशाना परमाणु और मिसाइल संरचनाएं थीं, पर इसके राजनीतिक अर्थ कहीं अधिक गहरे हैं।

जयदेव राठी
अधिवक्ता

इन हमलों में ईरान की सैन्य कमान, मिसाइल साइटों और रणनीतिक प्रतिष्ठानों को लक्ष्य बनाया गया। सबसे विस्फोटक खबर यह रही कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हमले में मृत्यु की पुष्टि की गई। यदि यह तथ्य दीर्घकालिक रूप से प्रमाणित रहता है, तो यह केवल एक सैन्य घटना नहीं बल्कि ईरान की सत्ता संरचना में भूकंपीय बदलाव है। इस्लामी गणतांत्रिक व्यवस्था में सर्वोच्च नेता का पद राजनीतिक ही नहीं, धार्मिक-वैधानिक अधिकार का केंद्र है। ऐसे में नेतृत्व का अचानक शून्य पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर सकता है। ईरान ने हमलों का तीखा जवाब दिया। इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने मिसाइल और ड्रोन हमले कर खाड़ी क्षेत्र में स्थित अमेरिकी ठिकानों और इजराइली लक्ष्यों को निशाना बनाया। बहरीन, कतर, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब में हाई-अलर्ट घोषित किया गया। कई देशों ने अस्थायी रूप से अपना एयरस्पेस बंद कर दिया, जिससे अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर व्यापक असर पड़ा। दुबई और अबू धाबी जैसे हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द हुईं। यह संकेत है कि यह संघर्ष दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया को प्रभावित करेगा।

ईरान-अमेरिका टकराव केवल परमाणु कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, यह क्षेत्रीय प्रभुत्व की लड़ाई भी है। इजराइल ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को अस्तित्वगत खतरे के रूप में देखता है, वहीं ईरान स्वयं को अमेरिकी सैन्य उपस्थिति और इजराइली नीतियों से घिरा मानता है। लेबनान में हिज्बुल्लाह, गाजा में हमास और सीरिया में विभिन्न मिलिशिया समूहों के माध्यम से वर्षों से छाया-युद्ध चलता रहा है, जो अब प्रत्यक्ष सैन्य भिड़ंत में बदलता दिख रहा है। आर्थिक आयाम भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। खाड़ी क्षेत्र वैश्विक तेल आपूर्ति का केंद्र है। तनाव बढ़ते ही कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया और शेयर बाजारों में अनिश्चितता का माहौल बना। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देश सीधे प्रभावित होंगे। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में नौसैनिक तनाव बढ़ता है, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर गंभीर असर पड़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तीखी बहस हुई है। यूरोपीय देशों ने संयम की अपील की है, रूस और चीन ने अमेरिकी कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं, जबकि अमेरिका ने इसे "पूर्व-निवारक सुरक्षा कदम" बताया है। प्रश्न यही है- क्या यह कदम शांति लाएगा या नए युद्ध चक्र की शुरुआत करेगा? 2003 के इराक युद्ध का अनुभव चेतावनी देता है कि त्वरित सैन्य कार्रवाई दीर्घकालिक अस्थिरता में बदल सकती है। फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती युद्ध को व्यापक क्षेत्रीय टकराव में बदलने से रोकना है। कूटनीतिक वार्ता और मध्यस्थता ही स्थायी रास्ता प्रतीत होती है। मध्य-पूर्व आज फिर इतिहास की प्रयोगशाला बना है और इस बार इसके परिणाम पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

फाल्गुनी रामलीला : होली के रंगों में राम भक्ति का अनूठा संगम

जब फाल्गुन की बयार और फिजाओं में अबीर-गुलाल की सुगंध घुलने लगती है, तब बरेली के आंगन में एक अद्भुत दृश्य जीवंत होता है। यहां की हवा में केवल केसरिया रंग नहीं, बल्कि उस साझी तहजीब और अटूट श्रद्धा की खुशबू भी महकती है, जिसे बरेलीवासी "फाल्गुनी रामलीला" के नाम से जानते है। जहां पूरा देश शारदीय नवरात्रि के बाद दशहरे पर रामलीला देखता है, वहीं बरेली के बमनपुरी (ब्रह्मपुरी) में होली के हुड़दंग के बीच मर्यादा पुरुषोत्तम के आदर्शों को जिया जाता है। यह महज एक रामलीला का मंचन नहीं, बल्कि रुहेलखंड की अस्मिता और पिछले 166 वर्षों से चली आ रही एक ऐसी जीवंत परंपरा है, जिसने अपनी सांस्कृतिक गहराई से यूनेस्को जैसे वैश्विक पटल पर भी अपनी अमिट छाप छोड़ी है। बरेली की इस अनूठी परंपरा से रु-ब-रू करा रही - *रतन सिंह गुर्जर की रिपोर्ट...*

166 वर्ष पुरानी परंपरा

ब्रह्मपुरी में स्थानीय श्रद्धालुओं ने मिलकर 1860 के आसपास श्रीरामलीला सभा की शुरुआत की। श्रीरामलीला सभा से जुड़े पंकज मिश्रा पुरानी यादों को ताजा करते हुए बताते हैं कि पूर्वजों ने मिलकर इस परंपरा की नींव रखी। इसके बाद ये आयोजन पूरे शहर के लिए आस्था का प्रतीक बन गया। आयोजन को यहां तक पहुंचाने में पूर्वजों का अपार त्याग भी रहा है। एक दौर वह था, जब उन सबके पास संसाधन शून्य थे, गैस लालटेन की रोशनी में रामलीला मंचन होता था और राम बरात को श्रद्धापूर्वक कंधों पर उठाकर निकाला जाता था। फाल्गुन माह में होने वाला ये आयोजन विश्वभर की रामलीलाओं की सांस्कृतिक धरोधर के रूप में प्रतिनिधित्व करता हैं। रामलीला सभा के उपाध्यक्ष महेश पंडित बताते हैं कि यह रामलीला तुलसीदास की कृति "विनय पत्रिका" से ली गई है। होली पर आयोजित होने वाली रामलीला का इतिहास लगभग 166 वर्ष पुराना है। यह परंपरा ब्रिटिश काल से अनवरत चली आ रही है। फाल्गुन शुक्ल नवमी से शुरू होकर चैत्र कृष्ण त्रयोदशी तक चलने वाला यह आयोजन भक्ति और लोक-संस्कृति का एक ऐसा समागम है, जिसे देखने के लिए समूचा रुहेलखंड उमड़ पड़ता है। इस रामलीला की सबसे बड़ी खूबी और आकर्षण का विषय इसकी लीलाओं का बहु-स्थलीय मंचन है। लीला में अगस्त्य मुनि संवाद छोटी ब्रह्मपुरी के आश्रम में होता है। केवट प्रसंग के लिए साहूकारा की गलियां गवाह बनती हैं। वहीं, मेघनाद यज्ञ ब्रह्मपुरी में और लंका दहन का रोमांचक दृश्य मलूकपुर चौराहे पर जीवंत होता है। अध्यक्ष राजू मिश्रा बताते है कि समय के साथ कुछ बदलाव भी आए हैं। पहले स्थानीय लोग ही इसके पात्र बनते थे, लेकिन अब बाहर से मंझे हुए कलाकारों की मंडलियां बुलाई जाती हैं। इसके बावजूद, रामलीला सभा इसके मूल स्वरूप को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इस ऐतिहासिक परंपरा के प्रचार-प्रसार के लिए संस्कृति विभाग को पत्र भी लिखकर अनुरोध कर चुके हैं। प्रवक्ता विशाल मेहरोत्रा का कहना है कि यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान है। वे और उनकी समिति लगातार शासन-प्रशासन और संस्कृति विभाग के संपर्क में हैं ताकि इस प्राचीन धरोहर का दस्तावेजीकरण हो सके और आने वाली पीढ़ियां भी अपनी जड़ों से जुड़ी रहें। रामलीला से जुड़े स्थानीय लोग बताते है कि रामलीला से कई बड़े विद्वान भी जुड़े। वे पंडित रामकिशोर शर्मा जैसे दिग्गजों को याद करते हैं, जिन्होंने हनुमान की भूमिका निभाते हुए लंका दहन के दौरान अपनी पीठ तक झुलसा ली थी, पर अभिनय नहीं छोड़ा। राधेश्याम रामायण के रचयिता पंडित राधेश्याम कथावाचक और शिवनाथ बिस्मिल जैसे बड़े विद्वानों का जुड़ाव इस रामलीला की बौद्धिक और आध्यात्मिक नींव को और मजबूत करता है। ब्रह्मपुरी (बमनपुरी) की यह ऐतिहासिक "फाल्गुनी रामलीला" अपनी प्राचीनता, परंपरा और वैश्विक पहचान के कारण दुनियाभर में अद्वितीय है।

होली पर राम के जयकारों की गूंज

होली की मस्ती के बीच जब राम-लक्ष्मण और सीता के जयकारे गूंजते हैं, तो यह अहसास होता है कि बमनपुरी फाल्गुनी रामलीला समाज को सकारात्मक ऊर्जा और आपसी भाईचारे का संदेश दे रही है। यह आस्था की वह अखंड ज्योति है, जो 166 वर्षों से बुझी नहीं और अपनी चमक से विश्व पटल को आलोकित कर रही है।

यूनेस्को की वैश्विक धरोहर में शुमार

श्रीरामलीला सभा की रामलीला की महत्ता केवल स्थानीय नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय है। रामलीला सहअध्यक्ष विवेक शर्मा बताते हैं कि इसकी सांस्कृतिक गहराई को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को ने इसे "विश्व धरोहर" के रूप में मान्यता प्रदान की है। साल 2008 में इसे यूनेस्को की सूची में शामिल किया गया और 2015 में इसे औपचारिक रूप से वैश्विक पहचान मिली। यह बरेली के लिए गौरव की बात है कि यहां की गलियों में होने वाला मंचन मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है।

नकारात्मकता को जलाकर आस्था को जागृत करने का पर्व होली

पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

होली का आध्यात्मिक अर्थ रंगों, उत्सवों और समारोहों से कहीं अधिक व्यापक है। हालांकि अधिकांश लोग होली को 'रंगों का त्योहार' मानते हैं, लेकिन इसका गहरा सार आंतरिक शुद्धि, अहंकार का नाश, भक्ति और आध्यात्मिक परिवर्तन में निहित है। होली से मिलने वाले आध्यात्मिक ज्ञान से हमें यह संदेश मिलता है कि जीवन केवल बाहरी उत्सवों के बारे में नहीं है, बल्कि नकारात्मकता को जलाकर, आस्था को जागृत करके और सचेत जीवन को अपनाकर ही संभव है।

अंतरात्मा की शुद्धि होली का उद्देश्य

हिंदू धर्म में होली का त्योहार केवल ऐतिहासिक ही नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक महत्व भी रखता है। यह अधर्म (होलिका) और धर्म (प्रहलाद) के बीच आंतरिक संघर्ष और धर्म के विजय का प्रतीक है। भगवान नरसिंह अवतार की कथा दैवीय न्याय और ब्रह्मांडीय संतुलन का प्रतीक है। होली का वास्तविक उद्देश्य है अंतरात्मा की शुद्धि। हमें नित्य अपने जीवन में त्याग, संयम और साधना का अभ्यास करना चाहिए, लेकिन होली के दिन एक विशेष भावना के साथ अपने जीवन के अच्छे-बुरे सभी कर्मों को परमात्मा की विवेक रूपी अग्नि में अर्पित करना चाहिए। यह अग्नि हमारे भीतर जल रही आत्मचेतना है, जो हमें देह-बोध से ऊपर उठाकर आत्मबोध की ओर ले जाती है।

होली का आध्यात्मिक अर्थ

होली का आध्यात्मिक अर्थ है अहंकार पर भक्ति की, बुराई पर अच्छाई की और अंधकार पर प्रकाश की विजय। होलिका दहन और प्रहलाद की कथा के माध्यम से यह त्योहार आंतरिक शुद्धि, क्षमा, भावनात्मक उपचार और आध्यात्मिक परिवर्तन की शिक्षा देता है। आमजन मानस में एक प्रश्न रहता है कि जिस होलिका ने प्रहलाद जैसे प्रभु भक्त को जलाने का प्रयत्न किया, उसका हजारों वर्षों से हम पूजन किसलिए करते हैं? होलिका-पूजन के पीछे एक बात है। जिस दिन होलिका प्रहलाद को लेकर अग्नि में बैठने वाली थी, उस दिन नगर के सभी लोगों ने घर-घर में अग्नि प्रज्वलित कर प्रहलाद की रक्षा करने के लिए अग्निदेव से प्रार्थना की थी। लोकहृदय को प्रहलाद ने कैसे जीत लिया था, यह बात इस घटना में प्रतिबिंबित होती है। अग्निदेव ने लोगों के अंत:करण की प्रार्थना को स्वीकार किया और लोगों की इच्छा के अनुसार ही हुआ। होलिका नष्ट हो गई और अग्नि की कसौटी में से पार उतरा हुआ प्रहलाद नरश्रेष्ठ बन गया। प्रहलाद को बचाने की प्रार्थना के रूप में प्रारंभ हुई घर-घर की अग्नि पूजा ने कालक्रमानुसार सामुदायिक पूजा का रूप लिया और उससे ही गली-गली में होलिका की पूजा प्रारंभ हुई।

नियम और पूजा विधि

हिंदू शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन भद्रा रहित काल या विशेष स्थिति में पुच्छ काल में पूर्णिमा तिथि के प्रबल होने पर ही किया जाना चाहिए। घर में सुख-शांति और समृद्धि के लिए दहन से पहले होलिका पूजा का विशेष महत्व होता है। होलिका पूजन करते समय अपना मुंह पूर्व या उत्तर की ओर करके बैठे। पूजन की थाली में पूजा समाग्री जैसे: रोली, पुष्प, माला, नारियल, कच्चा सूत, साबूत हल्दी, मूंग, गुलाल और पांच तरह के अनाज, गेहूं की बालियां व एक लोटा जल होना चाहिए। होलिका के चारों ओर सहपरिवार सात परिक्रमा करके कच्चा सूत लपेटना शुभ होता है। इसके पश्चात विधिवत तरीके से पूजन के बाद होलिका को जल का अर्घ्य दें और सूर्यास्त के बाद भद्रा रहित काल में होलिका का दहन करें। होलिका दहन की राख बेहद पवित्र मानी जाती है। इसलिए होलिका दहन के अगले दिन सुबह के समय इस राख को शरीर पर मलने से समस्त रोग और दुखों का नाश किया जा सकता है। होली हमें सिखाती है कि बाहरी रंगों से पहले अंतरात्मा को रंगना जरूरी है और जब अहंकार जलता है और भक्ति जागती है, तभी जीवन में सच्चा उत्सव आता है। यही होली का वास्तविक संदेश है।

बृज की होली: भक्ति रस का आनंद उत्सव

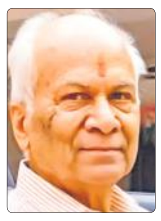

अशोक सूरी
आध्यात्मिक लेखक

बृज की होली बृजवासियों के लिए केवल एक पर्व नहीं है, अपितु भक्ति एवं प्रेम का जीवंत उत्सव है। बृज राधा-कृष्ण की एक पावन भूमि है, जहां ठाकुर की बाल लीलाएं, रास एवं प्रेम क्रीड़ा आज भी बृजवासियों के हृदय में धड़कती है। यहां होली रंगों से पहले भावों से खेली जाती है। राधा कृष्ण तो बृज के कण-कण में विराजमान हैं। बृज की होली की सबसे बड़ी विषेशता इसकी विविधता है- यहां रंग और गुलाल केवल उड़ाया ही नहीं जाता, बल्कि प्रेम के विभिन्न स्वरूपों में जिया जाता है। बृज में होली रंगों से नहीं- भावों से खेली जाती है। यहां गुलाल वायुमंडल में नहीं उड़ता अपितु आत्मा पर उतरता है। फागुन की बयार कालिंदी के तट से उठकर राधा के मान एवं कृष्ण की मुस्कान के साथ बहने लगती है। बृज की होली रंगों का नहीं रस का पर्व है।

चालीस दिन का होलिकोत्सव- बृज का होली उत्सव वसंत पंचमी से प्रारंभ होकर रंग पंचमी तक लगभग 40 दिन तक चलता है। सारे भारत में बृज की होली अद्वितीय होती है-"सब जग होरी, जा बृज होरी" बृज के मंदिरों में वसंत पंचमी से ही फाग गायन प्रारंभ हो जाता है-'आज बिरज में होरी रे रसिया, होरी रे रसिया, बरजोरी रे रसिया घर-घर से आई बृज के नारी कोई श्यामल, कोई गोरी रे रसिया'। बृज की होली में मुख्यतया- बरसाना की लट्ठमार होली, वृंदावन की फूलों की होली, गोकुल की छड़ीमार होली और दाऊजी का कपड़ा फार होरंगा प्रसिद्ध है। परंतु भक्तों में विशेष चाव तो बरसाने की होली का ही होता है। बरसाने की होली के बिना तो बृज की होली का चित्रण अधूरा और रसहीन है। बरसाने की होली एक सप्ताह पूर्व अष्टमी से प्रारंभ हो जाती है। सारे भारत से राधा रानी के भक्त अष्टमी से जुटने शुरू हो जाते हैं। फागुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी को राधारानी के महल में लड्डू होली होती है। परंपरा के अनुसार राधारानी के पिता वृषभान जी ने बरसाने से नंदगांव नंद बाबा को खेलने का निमंत्रण भेजा, जो बाबा ने स्वीकार कर लिया और इसकी सूचना अपने पुरोहित को बरसाने भेजकर दी कि कृष्ण ग्वाल बालों सहित बरसाने होली खेलने आएंगे। इस सुखद समाचार से बरसाने में खुशी की लहर दौड़ गई और बरसाने वालो ने पुरोहित जी को थाल भरकर लड्डू खिलाए। प्रेम की अधिकता में गोपियों ने पुरोहित जी पर लड्डू फेंकने प्रारंभ कर दिए। पुरोहित जी ने भी उनके साथ लड्डूओं की होली खेली। इसी परंपरा को आज भी निभाते हुए भारी मात्रा में लड्डू मंगाए जाते हैं और श्रद्धालु इन लड्डूओं को प्रसाद के रूप में लूटते हैं- बरसाने के लोग पंडा नृत्य करते हुए उत्सव मनाते हैं और नवमी की होली की तैयारी करते हैं।

श्रीबांके बिहारी की होली

वृंदावन की होली-अर्थात श्रीबांके बिहारी की होली। यद्यपि होली उत्सव तो वसंत पंचमी से शुरू हो जाता है। बांके बिहारी सहित सप्त देवालयों में ठाकुर को गुलाल अर्पण किया जाता है। परंतु बांके बिहारी की प्रसिद्ध फूलों की होली फाल्गुन शुक्ल पक्ष की एकादशी आमल की एकादशी से प्रारंभ होती है। इसे रंगभरी एकादशी कहते हैं। वाराणसी में बाबा विश्वनाथ की होली भी इसी दिन प्रारंभ होती है। वृंदावन में होली का असली रंग एकादशी के बाद ही चढ़ना शुरू होता है। वृंदावन में जब गुलाल उड़ता है, तो उसका रंग आंखों में नहीं अपितु हृदय में भरता है। प्रत्येक आए हुए श्रद्धालु का मन करता है कि कोई बृजवासी उस पर रंग डाल दे। बांके बिहारी मंदिर में टेसू के फूलों से बने रंग से जो भीग जाता है- वह अपना जन्म सफल समझता है। यहां प्रेम ही सबसे गहरा रंग है। यहां राधे-राधे के उच्चारण से मन का मैल धुलता है और अहंकार गल जाता है। वृंदावन की गलियों में साधु, गृहस्थ और विदेशी भक्त भी एक साथ रंग में भीगते हैं।

छड़ीमार होली

गोकुल की छड़ीमार होली में बाल कृष्ण के भाव में लाठियों की जगह छोटी छड़ियों का प्रयोग होता है। बृज की होली उत्सवों में दाऊजी का होरंगा भी प्रसिद्ध है, जिसे देखने दूर-दूर से भक्त आते हैं। बृज की होली में 'समाज गायन' एक अत्यंत प्राचीन शास्त्रीय और अनुशासित परंपरा है। समाज गायन बृज की होली की आत्मा है। यह एक संगीतमय आध्यात्मिक गोष्ठी है, जिसमें सभी आमने-सामने बैठकर राधा-कृष्ण की लीलाओं का गायन करते हैं। समाज गायन पूरी तौर पर शास्त्रीय रागों पर आधारीत होता है। इसमें मुख्य गायक पद की एक पंक्ति गाता है और पूरा समूह उसे उच्च स्वर में दोहराता है। समाज गायन के पदों की रचना मध्यकालिन संत कवियों- सूरदास, कुंभनदास, श्री भट्ट और हरिवंश महाप्रभु द्वारा की गई। समाज गायन मुख्यतया नंदगांव और बरसाने में होली और राधाष्टमी के अवसर पर किया जाता है। समाज गायन का एक प्रसिद्ध अंश- "खेलन आए हैं होरी कुंवर कन्हाई। वृषभान की पौरी पे, मच रही आज धमा चैकड़ी आई।।"

बृज की होली हमें संदेश देती है कि प्रेम में कोई भेदभाव नहीं कोई ऊंच-नीच नहीं। न स्त्री पुरुष और न ही भक्त-भगवंत का अंतर। होली पर भगवान स्वयं भक्त बन जाते हैं। यहां भक्त स्वयं को गोपी या सखा मानकर ईश्वर के साथ एकाकार होने का प्रयास करता है- सारा भेदभाव मिट जाता है और चहुं ओर केवल राधे-राधे की गूंज सुनाई पड़ती है। बृज की होली और फाग भारतीय संस्कृति की एक अनमोल धरोहर है, जो हमें प्रेम और भाईचारे का संदेश देती है।

पौराणिक कथा

धर्म और भक्ति की जीत

प्राचीन काल में हिरण्यकशिपु नामक असुर राजा था। उसने कठोर तपस्या कर वरदान प्राप्त किया कि वह न दिन में मरेगा, न रात में, न घर के भीतर, न बाहर, न किसी मनुष्य से, न पशु से और न किसी अस्त्र-शस्त्र से। इस वरदान के बल पर वह अहंकारी हो गया और स्वयं को ही ईश्वर मानने लगा। उसने अपने राज्य में विष्णु-भक्ति पर प्रतिबंध लगा दिया और प्रजा को भयभीत कर दिया। उसका पुत्र प्रह्लाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था। गुरुकुल में भी वह अपने साथियों को भक्ति, करुणा और सत्य का पाठ पढ़ाता था। पिता के अनेक समझाने, डांटने और दंड देने पर भी प्रह्लाद की भक्ति अटल रही। क्रोधित होकर हिरण्यकशिपु ने उसे अनेक यातनाएं दीं। कभी ऊंचे पर्वत से गिरवाया, कभी विषैले सर्पों के बीच डलवाया, कभी विष पिलाया, तो कभी हाथियों से कुचलवाने का प्रयास किया। परंतु हर बार विष्णु-कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित बच गया और उसका विश्वास और दृढ़ होता गया। अंतत: हिरण्यकशिपु ने अपनी बहन होलिका को बुलाया, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था। योजना बनी कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठेगी, जिससे प्रह्लाद जल जाएगा। अग्नि प्रज्वलित हुई। होलिका प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठ गई, परंतु ईश्वर की कृपा से वरदान निष्फल हो गया। होलिका जलकर भस्म हो गई और प्रह्लाद सुरक्षित बाहर निकल आया।

इस घटना के बाद लोगों के मन में विश्वास जगा कि सच्ची भक्ति की रक्षा स्वयं भगवान करते हैं। तभी से बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक रूप में होलिका दहन की परंपरा प्रचलित हुई। इस घटना से क्रुद्ध होकर हिरण्यकशिपु ने प्रह्लाद से पूछा-"तेरा विष्णु कहां है?" प्रह्लाद ने निडर होकर उत्तर दिया- "वे कण-कण में विद्यमान हैं।" यह सुनकर उसने महल के एक स्तंभ पर प्रहार किया। उसी क्षण स्तंभ से भगवान नरसिंह प्रकट हुए न आधे मनुष्य, न पूर्ण पशु। संध्या समय, महल की दहलीज पर, अपने नखों से हिरण्यकशिपु का वध किया, इस प्रकार वरदान की सभी शर्तें भंग हो गईं। प्रह्लाद को राज्य का उत्तराधिकारी बनाया गया। उसने न्याय, धर्म और दया के मार्ग पर चलकर प्रजा का कल्याण किया। यह कथा अटूट आस्था, धैर्य और सत्य की विजय का संदेश देती है। चाहे अत्याचार कितना ही प्रबल क्यों न हो, अंतत: धर्म और भक्ति की ही जीत होती है।

पत्नी या पति हो रहे हैं चिड़चिड़े, ये है गंभीर खतरे की निशानी

आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

क्या आपकी पत्नी या पति तनाव, एंग्जायटी और मूड स्विंग्स से परेशान हैं? वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की दिशाओं और ऊर्जा प्रवाह में दोष होने से पारिवारिक सदस्यों में मानसिक अशांति पैदा हो सकती है। इस लेख में हम वास्तु दोषों के कारणों और सरल उपायों पर चर्चा करेंगे, ताकि आप सुखी वैवाहिक जीवन प्राप्त कर सकें।

वास्तु दोषों के प्रमुख कारण

वास्तु शास्त्र कहता है कि घर उत्तर-पूर्व दिशा चंद्रमा से प्रभावित होती है, जो मन और भावनाओं का कारक है। अगर इस दिशा में शौचालय, जूते या कचरा रखा हो, तो चंद्रमा कमजोर हो जाता है, जिससे तनाव, एंग्जायटी और मूड स्विंग्स बढ़ते हैं। पति-पत्नी के बीच अनावश्यक झगड़े भी इसी से उत्पन्न होते हैं। दक्षिण-पश्चिम दिशा पृथ्वी तत्व की है, जो स्थिरता देती है, यहां रसोई या पानी की टंकी होने से भावनात्मक अस्थिरता आती है। बेडरूम में दर्पण बिस्तर के सामने होना या सिर दक्षिण की ओर रखकर सोना भी वास्तु दोष पैदा करता है। इससे नकारात्मक ऊर्जा प्रतिबिंबित होकर रिश्तों में तनाव बढ़ाता है। इसके अलावा, घर के केंद्र (ब्रह्मस्थान) में भारी सामान या अव्यवस्था से मानसिक दबाव बढ़ता है। महिलाओं में मूड स्विंग्स का एक कारण पूर्व दिशा में अवरोध भी है, जो सूर्य ऊर्जा को रोकता है।

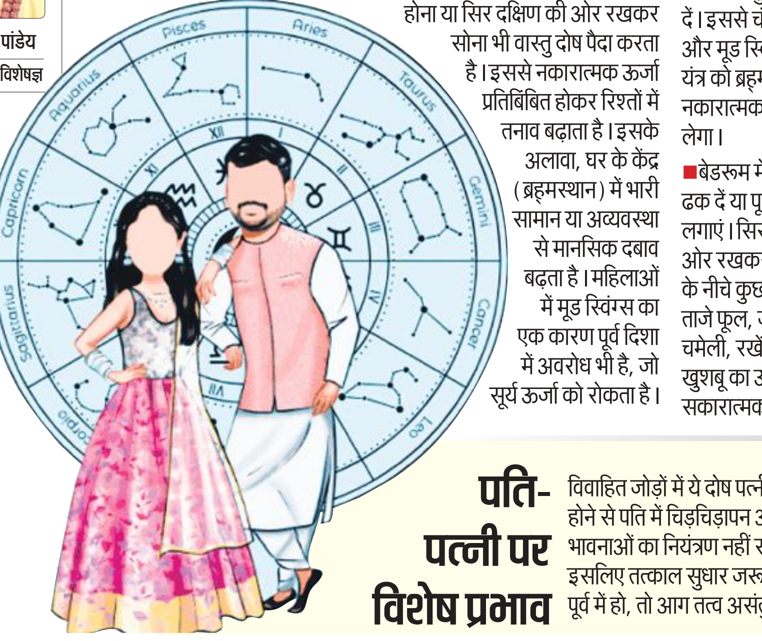

तत्काल राहत के लिए उपाय

- सबसे पहले उत्तर-पूर्व को साफ करें। यहां शिवलिंग या चंद्र यंत्र स्थापित करें। रोज चांदी के लोटे में पानी भरकर रखें और सुबह सूर्य को अर्घ्य दें। इससे चंद्रमा मजबूत होगा और मूड स्विंग्स कम होंगे। श्री यंत्र को ब्रह्मस्थान में रखें, जो नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेगा।
- बेडरूम में दर्पण को रात में ढक दें या पूर्व की दीवार पर लगाएं। सिर पूर्व या उत्तर की ओर रखकर सोएं। बिस्तर के नीचे कुछ न रखें। रोज ताजे फूल, जैसे गुलाब या चमेली, रखें और लैवेंडर खुशबू का उपयोग करें। इससे सकारात्मक वायु प्रवाह होगा।

दिशा अनुसार विस्तृत सुधार

उत्तर-पूर्व (ईशान कोण): पूजा घर बनाएं। क्रिस्टल या स्फटिक बॉल रखें। अगर वहां शौचालय हो, तो वास्तु यंत्र और नमक का पिरामिड रखें। इससे एंग्जायटी 70 प्रतिशत कम हो सकती है।

दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य): भारी अलमारी या तिजोरी रखें। यहां लाल बल्ब जलाएं। पत्नी इसी दिशा में आकर मेकअप यानी श्रृंगार करें। उनकी ड्रेसिंग टेबल इसी दिशा में होनी चाहिए।

दक्षिण-पूर्व (आग्नेय): रसोई सही जगह पर हो। अगर नहीं, तो तुलसी यंत्र लगाएं और पति का अध्ययन कक्ष पूर्व में रखें।

उत्तर-पश्चिम (वायव्य): अतिथि कक्ष या बच्चों का कमरा। यहां हवा का प्रवाह रखें। बंद खिड़की दोष पैदा करती है।

किचन में गैस दक्षिण-पूर्व कोने में हो और फ्रिज उत्तर-पश्चिम में होनी चाहिए। ये छोटे बदलाव तनाव को जड़ से खत्म करेंगे।

दैनिक वास्तु टिप्स

सुबह उठकर घर की प्रदक्षिणा करें। कोने साफ रखें। ध्यान पूर्व दिशा में करें। पति-पत्नी संयुक्त रूप से तुलसी पूजा करें। नींद से पहले गहरी सांस लें। इनसे कोर्टिसोल हार्मोन संतुलित होगा।

दीर्घकालिक लाभ और सावधानियां

वास्तु सुधार से 21 दिनों में बदलाव दिखेगा। पारिवारिक सुख बढ़ेगा, व्यापार में स्थिरता आएगी।

सावधानी: प्लास्टिक सामान कम करें, लकड़ी का उपयोग बढ़ाएं। अगर घर किराए का हो, तो पिरामिड यंत्र हर कमरे में लगाएं और अगर संभव हो, तो किसी विशेषज्ञ से व्यक्तिगत वास्तु पत्रिका बनवाएं। इन उपायों से न केवल तनाव दूर होगा, बल्कि वैवाहिक जीवन आनंदमय बनेगा। वास्तु शास्त्र प्रकृति के साथ सामंजस्य सिखाता है।

पति-पत्नी पर विशेष प्रभाव

विवाहित जोड़ों में ये दोष पत्नी को अधिक प्रभावित करते हैं, क्योंकि वह घर का मुख्य संचालन करती हैं। उत्तर दिशा में किचन या बाथरूम होने से पति में चिड़चिड़ापन आता है, जो व्यापार या नौकरी में भी असर डालता है। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, चंद्रमा की कमजोरी से भावनाओं का नियंत्रण नहीं रहता, जिससे छोटी बातों पर कलह होता है। वर्तमान ग्रह गोचर में शनि का प्रभाव भी इन दोषों को बढ़ा रहा है, इसलिए तत्काल सुधार जरूरी है। मानसिक तनाव से नींद की कमी होती है, जो एंग्जायटी को दोगुना कर देती है। अगर बेडरूम दक्षिण-पूर्व में हो, तो आग तत्व असंतुलित होकर गुस्सा बढ़ाता है। ऐसे में पार्टनर एक-दूसरे को समझ नहीं पाते।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	80,238.85	24,865.70
गिरावट	1,048.34	312.95
प्रतिशत में	1.29	1.24

सोना 173,000 प्रति 10 ग्राम
चांदी 300,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, मंगलवार, 3 मार्च 2026
www.amritvichar.com

कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज की दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार

ईपीएफओ के इस फैसले से देश के करीब 7 करोड़ से अधिक अंशधारकों को सीधा लाभ मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सोमवार को भविष्य निधि जमा पर 2025-26 के लिए ब्याज दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार रखी। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब ब्याज दर को इस स्तर पर रखा गया है। पिछले वर्ष फरवरी में, ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को बरकरार रखा था। ईपीएफओ के इस फैसले से देश के करीब 7 करोड़ से अधिक अंशधारकों को सीधा लाभ मिलेगा। आप अपने पीएफ बैलेंस और ब्याज की स्थिति EPFO Unified Portal पर देख सकते हैं।

ईपीएफओ ने 2024 में ब्याज दर को बढ़ाकर 2023-24 के लिए 8.25 प्रतिशत कर दिया था, जो 2022-23 में 8.15 प्रतिशत थी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में सोमवार को केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने अपनी बैठक में 2025-26 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर 8.25 प्रतिशत का ब्याज देने की सिफारिश की है। ईपीएफओ के निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय सीबीटी की सिफारिश पर वित्त मंत्रालय मंजूरी देगा। सरकार द्वारा ब्याज दर आधिकारिक रूप से अधिसूचित करने के बाद ईपीएफओ अंशधारकों के खातों में ब्याज जमा करेगा। मंत्रालय ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, ईपीएफओ ने मजबूत वित्तीय अनुशासन बनाए रखा है। इससे ब्याज खाते पर दबाव डाले बिना स्थिर और प्रतिस्पर्धी रिटर्न सुनिश्चित किया जा रहा है।

सीबीटी ने आयकर विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त उन ट्रस्ट के मामले में संबंधित अनुपालन मुद्दों को हल करने के लिए एकमुश्त माफी योजना को भी मंजूरी दी है, जो अभी तक कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के अंतर्गत नहीं आते हैं या जिन्हें छूट नहीं दी गई है। इसमें वित्त अधिनियम, 2026 के प्रावधानों को भी ध्यान में रखा गया है। प्रस्तावित योजना का उद्देश्य प्रतिष्ठानों और न्यासों को एक निर्धारित छह महीने की अवधि के भीतर अनुपालन के दायरे में लाना है। निष्क्रिय खातों के निपटान के लिए, बोर्ड ने 1,000 रुपये या उससे कम की राशि वाले निष्क्रिय ईपीएफओ खातों में दावा निपटान की स्वतः शुरुआत के लिए एक पायलट परियोजना को मंजूरी दी। पायलट परियोजना की सफलता के आधार पर, इस सुविधा को बाद के चरणों में 1,000 रुपये से अधिक की राशि वाले खातों तक बढ़ाया जाएगा, जिससे ईपीएफओ में सदस्य-केंद्रित सुधारों को और मजबूती मिलेगी।

बोर्ड ने एक पारदर्शी और समयबद्ध ढांचे को संस्थागत रूप देने के लिए एक व्यापक मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) को मंजूरी दी।

- ईपीएफओ ने निष्क्रिय खातों के निपटान के लिए नई पहल को मंजूरी दी

- पीएफ बैलेंस और ब्याज की स्थिति EPFO Unified Portal पर देख सकते हैं

- 1,000 रुपये या उससे कम राशि वाले निष्क्रिय खातों में स्वत: दावा निपटान को पायलट प्रोजेक्ट शुरू

पैसे कैसे वापस मिलेंगे?

जिन लोगों के EPF खाते आधार से जुड़े हुए हैं और बैंक खाते भी लिंक हैं, उनके खाते में पैसे सीधे ट्रांसफर हो जाएंगे। कोई क्लेम फॉर्म भरने या कागजात जमा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अगर खाता धारक का निधन हो चुका है, तो रजिस्टर्ड नॉमिनी या कानूनी वारिस को रकम मिलेगी।

क्या होते हैं निष्क्रिय खाते

ईपीएफ खाता तब निष्क्रिय माना जाता है जब उसमें 36 महीने से ज्यादा समय तक न तो कर्मचारी की तरफ से और न ही कंपनी की तरफ से कोई योगदान आता है। ज्यादातर ऐसे खाते नौकरी बदलने वाले लोगों, रिटायर हो चुके लोगों या जिन्होंने पुराने खाते भूल गए हैं, उनमें होते हैं। कुल मिलाकर देश में 31.86 लाख निष्क्रिय ईपीएफ खाते हैं, जिनमें कुल 10,903 करोड़ रुपये जमा हैं। अभी यह अभियान छोटी रकम वाले खातों से शुरू किया जा रहा है।

सीधे आपके बैंक अकाउंट में आएगा निष्क्रिय पीएफ खातों का पैसा

नई दिल्ली। देश में सात लाख से ज्यादा ऐसे खाते हैं जहां हर खाते में 1,000 रुपये या उससे कम रकम बची हुई है। इन सबमें कुल 30.52 करोड़ रुपये पड़े हैं, जिन्हें अब सदस्यों या उनके वारिसों को लौटाया जाएगा।

कच्चा तेल 9% महंगा, पर पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने के आसार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में करीब 9 प्रतिशत का जोरदार उछाल आया है। इसके बावजूद, भारतीय उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में निकट भविष्य में बढ़ोतरी की संभावना नहीं है।

ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर के करीब : सैन्य संकट गहराने के बाद वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया है। वहीं, अमेरिकी कच्चा तेल (WTI) 8.6 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72.79 डॉलर पर आ गया है, जो शुक्रवार को करीब 67 डॉलर प्रति बैरल था।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का 88 प्रतिशत आयात करता है, ऐसे में वैश्विक कीमतों में वृद्धि से आयात बिल और महंगाई का दबाव बढ़ना तय है।

क्यों नहीं बढ़ेंगे दाम?

सूत्रों के अनुसार, सरकारी तेल कंपनियां–IOC, BPCL और HPCL–एक सुविचारित नीति के तहत काम कर रही हैं। जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें कम होती हैं, तो ये कंपनियां अपना मार्जिन (मुनाफा) बढ़ा लेती हैं, और जब कीमतें बढ़ती हैं, तो उस मुनाफे का उपयोग उपभोक्ताओं को राहत देने और कीमतों को स्थिर रखने में किया जाता है।

स्थिरता : देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अप्रैल 2022 से मोटे तौर पर स्थिर बनी हुई हैं।

रणनीति : सरकार की मंशा फिलहाल वैश्विक अस्थिरता का बोझ आम आदमी पर न डालने की है, भले ही तेल कंपनियों को अल्पकालिक घाटा उठाना पड़े।

बिजनेस ब्रीफ

कॉफी डे एंटरप्राइजेज पर 38 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली : बाजार नियामक सेबी ने वित्तीय लेखाजोखा (अकाउंटिंग) और प्रकटीकरण नियमों का उल्लंघन करने के लिए कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड और उसके अधिकारियों पर कुल 38 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी के आदेश के अनुसार, कंपनी ने अपने तिमाही और वार्षिक वित्तीय परिणाम तैयार करने में निर्धारित भारतीय लेखा मानकों का पालन नहीं किया। इसके अलावा, कंपनी कानून 2013 के तहत तय मानकों से विचलन के कारणों का खुलासा न करने को भी गंभीरता से लिया गया है। नियामक ने पाया कि कंपनी ने पारदर्शी वित्तीय विवरण पेश करने की अनिवार्य शर्तों की अनदेखी की।

बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाने जोर : वित्त मंत्री

नई दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को 'एशियन अवसंरचना निवेश बैंक' (AIIB) की नवनियुक्त अध्यक्ष जोउ जियायी से मुलाकात की। इस दौरान भारत और AIIB के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने विशेष रूप से कम आय वाले सदस्य देशों में नवाचार आधारित वित्तीय साधनों के माध्यम से निवेश बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। गौरतलब है कि AIIB में 8.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारत, चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा शेयरधारक है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक भविष्य में भारत की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण के नए रास्ते खोलने में सहायक होगी।

सुनील मित्तल ने बताई उत्तराधिकार योजना

नई दिल्ली : भारती एंटरप्राइजेज के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल ने समूह के लिए अपनी उत्तराधिकार योजना साझा की है। इसके तहत भारती एयरटेल की प्रवर्तक कंपनी भारती टेलीकॉम में उनके परिवार की अगली पीढ़ी की हिस्सेदारी बढ़ेगी। निवेशकों के साथ बैठक में मित्तल ने स्पष्ट किया कि उनके बच्चे श्राविन, कविन और ईशा वर्तमान में एयरटेल से बाहर स्वतंत्र रूप से अपना व्यवसाय चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी अपनी चुनौतियों और विफलताओं से सीखकर अनुभव प्राप्त कर रही है, ताकि भविष्य में वे शेयरधारक स्तर पर अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकें। इस योजना का उद्देश्य पेशेवर प्रबंधन और पारिवारिक स्वामित्व के बीच संतुलन बनाना है।

फरवरी में रिकॉर्ड 4.25 लाख यात्री वाहन बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में घरेलू यात्री वाहनों (पीवी) की थोक बिक्री फरवरी में एक साल पहले के मुकाबले 11.4 प्रतिशत बढ़कर लगभग 4,25,000 वाहन हो गई। एसयूवी यानी स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स की मांग और पिछले साल सितंबर में जीएसटी दरों में बदलाव से वाहनों की बिक्री में तेजी आयी है।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजूकी इंडिया लिमिटेड ने लगभग 1,61,000 वाहनों के साथ गाड़ियों की थोक बिक्री में सालाना आधार पर मामूली वृद्धि दर्ज की, क्योंकि उसने ग्राहकों की प्रतीक्षा अवधि को नियंत्रित रखने के लिए मॉडलों के उत्पादन को संतुलित किया। मारुति सुजूकी के वरिष्ठ कार्याधिकारी (विपणन और बिक्री) पार्थो बनर्जी ने एक वीडियो प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि कंपनी ने मासिक आधार पर अपने उत्पादन मिश्रण को समायोजित किया। दिसंबर में ऑल्टो जैसे मिनी मॉडल, जनवरी में वैगन आर जैसी कॉम्पैक्ट कारों और फरवरी में यूटिलिटी वाहनों के उत्पादन में बदलाव किया, ताकि बैकलॉग बढ़े बिना मांग को पूरा किया जा सके। परिणामस्वरूप, फरवरी के अंत में औसत प्रतीक्षा अवधि लगभग 12 दिन रह गई।

हालांकि रिटेल बिक्री मजबूत बनी रही। मारुति सुजूकी की रिटेल बिक्री सालाना आधार पर करीब 12 फीसदी बढ़कर 1,51,000 वाहन हो गई।

टीसीएस- विप्रो ने टालीं यात्राएं, नैसकॉम की 'वर्क फ्रॉम होम' की सलाह

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संघर्ष और हवाई क्षेत्र बंद होने के बीच भारतीय आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों टीसीएस और विप्रो ने अपने कर्मचारियों की सुरक्षा के मद्देनजर खाड़ी देशों की सभी यात्राएं स्थगित कर दी हैं। कंपनियों ने प्रभावित क्षेत्रों में मौजूद सहयोगियों के लिए सख्त सुरक्षा परामर्श जारी किए हैं। आईटी उद्योग के संगठन नैसकॉम ने भी सदस्य कंपनियों से आग्रह किया है कि वे युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए 'घर से काम' की व्यवस्था लागू करें। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस ने स्पष्ट किया है कि उसके कर्मचारियों को घर के अंदर रहने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। यह कदम क्षेत्र में बढ़ती अनिश्चितता और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में आ रहे व्यवधानों को देखते हुए उठाया गया है।

ईरान-इजरायल तनाव से बाजार धड़ाम सेंसेक्स 1048 अंक तक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनैतिक संकट और ईरान-इजरायल के बीच शुरू हुए सीधे सैन्य टकराव ने सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में कोहराम मचा दिया। सप्ताह के पहले ही दिन निवेशकों में भारी घबराहट देखी गई, जिससे बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,048.34 अंक (1.29%) की भारी गिरावट के साथ 80,238.85 के स्तर पर बंद हुआ। यह 2 सितंबर 2025 के बाद का सबसे निचला स्तर है।

खुलते ही स्वाहा हुए अरबों रुपये : बाजार की शुरुआत बेहद डरावनी रही। सुबह सेंसेक्स 2,743 अंकों की विशाल गिरावट के साथ 78,543 अंक पर खुला था, जिससे एक ही झटके में निवेशकों के अरबों रुपये डूब गए। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 312.95 अंक (1.24%) फिसलकर 24,865.70 अंक पर आ गया।

कंपनियों को अब महंगाई और निर्यात का डर

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया (मिडल ईस्ट) में गहराते सैन्य संकट ने सोमवार को भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजार में हलचल पैदा कर दी। दिग्गज कंपनियों ने लागत बढ़ने और निर्यात प्रभावित होने की आशंका जताई है। बिस्कुट कंपनी पारले प्रोडक्ट्स के उपाध्यक्ष मयंक शाह ने चेतावनी दी कि कच्चा तेल महंगा होने से पैकेजिंग और माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी। इसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ सकता है। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी ने कहा कि वह निर्यात पर पड़ने वाले असर की बारीकी से निगरानी कर रही है।

गिरावट के प्रमुख कारण:

युद्ध का संकट : 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमले और ईरान की जवाबी कार्रवाई ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश (जैसे सोना) की ओर भागने पर मजबूर कर दिया। बाजार में अस्थिरता मापने वाला सूचकांक 'इंडिया वीआईएक्स' 25 के पार पहुंच गया, जो बाजार में छाई गहरी अनिश्चितता को दर्शाता है। चौतरफा बिकवाली : मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में 1.5% से 1.75% तक की गिरावट रही।

किन पर पड़ी सबसे ज्यादा मार?

सबसे ज्यादा नुकसान एविएशन और ऑटो सेक्टर को हुआ। तेल की कीमतें बढ़ने की आशंका में इंडिगो का शेयर 6.25% टूट गया। इसके अलावा एलएंडटी, अडाणी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

रुपये में भी रिकॉर्ड गिरावट

विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के दबाव में भारतीय रुपया भी डॉलर के मुकाबले 91.52 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ।

भारत-कनाडा में 50 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और कनाडा ने सोमवार को अपने आर्थिक रिश्तों में एक नया अध्याय जोड़ते हुए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) के लिए आधिकारिक तौर पर बातचीत शुरू कर दी। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की गरिमामयी उपस्थिति में इसके संदर्भ की शर्तों पर हस्ताक्षर किए गए। भारत की ओर से वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और कनाडाई मंत्री मनिंदर सिद्धू ने इस महत्वपूर्ण दस्तावेज पर मुहर लगाई। दोनों देशों ने इस समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने का संकल्प लिया है।

भारत-कनाडा सीईओ मंच को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडाई निवेशकों को भारत की विकास यात्रा में भागीदार बनने का खुला निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि सुधारों पर ध्यान केंद्रित करने और कारोबार सुगमता ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दी है। मोदी ने बताया कि सरकार ने बजट 2026-27 में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 130 अरब डॉलर का रिकॉर्ड आवंटन किया है, जो वैश्विक निवेशकों के लिए निवेश का एक स्वर्णिम अवसर है। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि दोनों देश वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर के महत्वाकांक्षी स्तर तक पहुंचाने पर सहमत हुए हैं। वर्तमान में (जनवरी-अक्टूबर 2025 के दौरान) यह व्यापार लगभग 8 अरब डॉलर रहा है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि वैश्विक आर्थिक दबावों के इस दौर में भारत और कनाडा की 'पूंजी और क्षमता' मिलकर एक ठोस वैश्विक आर्थिक शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं।

- पीएम मोदी ने निवेशकों को दिया 'ग्रोथ स्टोरी' का न्योता

भारत और कनाडा के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू

नई दिल्ली : भारत और कनाडा ने व्यापारिक रिश्तों को मजबूती देने के लिए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) पर आधिकारिक तौर पर बातचीत शुरू कर दी है। सोमवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मौजूदगी में इस संबंध में दस्तावेज (TOR) साझा किए गए। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और कनाडाई मंत्री मनिंदर सिद्धू ने इस समझौते की रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए। आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों देश इस समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के लिए सहमत हुए हैं, जिससे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को नई गति मिलने की उम्मीद है।

क्या होगा लाभ

निर्यात में वृद्धि : भारतीय कपड़ा, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा उत्पाद और कृषि उत्पादों को कनाडा के बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिल सकती है, जिससे निर्यात बढ़ेगा। आईटी और सेवा क्षेत्र : भारत के आईटी पेशेवरों और इंजीनियरों के लिए कनाडा में काम करना और वहां सेवाएं देना आसान होगा। वीजा नियमों में ढील और 'मूवमेंट ऑफ नेचुरल पर्सन्स' (Mode 4) पर समझौते से आईटी सेक्टर को सीधा लाभ होगा।

आर्थिक वृद्धि को सशक्त बनाने पर मोदी आज करेंगे चर्चा

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार सुबह 11:15 बजे बजट 2026-27 पर आयोजित दूसरे वेबिनार को संबोधित करेंगे। इस वेबिनार का मुख्य विषय "आर्थिक वृद्धि को निरंतर संभालना और सशक्त करना" रखा गया है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, इस कार्यक्रम में चार विशेष सत्र होंगे, जो विनिर्माण, एमएसएमई के लिए कर्ज और बाजार सुविधा, शहरी आर्थिक नियोजन और बुनियादी ढांचा व लॉजिस्टिक्स के विकास पर केंद्रित होंगे। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य बजट प्राथमिकताओं के प्रभावी कार्यान्वयन में उद्योगों और संबंधित पक्षों की भागीदारी सुनिश्चित करना और औद्योगिक उत्पादन के विस्तार के लिए आवश्यक सुधारों पर सुझाव लेना है।

ग्रीन स्टील के उपयोग से 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में हो सकती है भारी कमी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में 'ग्रीन स्टील' एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री और 'क्लाइमेट कैटालिस्ट' की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यदि सरकारी परियोजनाओं में 26% ग्रीन स्टील का उपयोग अनिवार्य कर दिया जाए, तो साल 2030 तक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 20.9 मिलियन टन की कमी लाई जा सकती है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यदि इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर 37% कर दिया जाए, तो 29.7 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन को रोका जा सकता है। यह उपलब्धि हर साल सड़कों से लगभग 90 लाख कारों को हटाने के बराबर होगी। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के कार्यकारी निदेशक के. एस. वेंकटगिरी का मानना है कि 'ग्रीन पब्लिक प्रोक्योरमेंट' यानी सरकारी खरीद, भारतीय इस्पात क्षेत्र को कम कार्बन उत्सर्जन वाले भविष्य की ओर ले जाने का सबसे सशक्त माध्यम है।

रिपोर्ट की खास बातें

रिपोर्ट के अनुसार यदि इस्पात मंत्रालय 2028 तक 26% ग्रीन स्टील की खरीद अनिवार्य करता है, तो देश की 93% स्टील कंपनियां इसके उत्पादन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0), मेट्रो और रेल परियोजनाओं में ग्रीन स्टील के उपयोगसे कुल लागत में मात्र 0.2% से 1.2% तक की मामूली वृद्धि होगी। वर्तमान में देश में सार्वजनिक खरीद के तहत सालाना लगभग 3.16 करोड़ टन स्टील की खपत होती है, जिस पर 45-50 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाते हैं।

क्या है ग्रीन स्टील

ग्रीन स्टील का आशय जीवाश्म ईंधन के उपयोग के बिना इस्पात के निर्माण से है। इसका उत्पादन कोयला संचालित संयंत्रों के पारंपरिक कार्बन-गहन विनिर्माण मार्ग के बजाय हाइड्रोजन, कोयला गैसीकरण या बिजली जैसे कम कार्बन ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके किया जाता है। इससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम होता है और लागत में भी कमी आती है। साथ ही इस्पात की क्वालिटी बेहतर होती है। इसके अलावा कम-कार्बन हाइड्रोजन (नीली हाइड्रोजन और ग्रीन हाइड्रोजन) इस्पात उद्योग के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में भी मदद मिल सकती है।

पश्चिम एशिया संकट: हवाई यात्रा पर ब्रेक, 25 प्रतिशत तक बुकिंग रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष का सीधा असर अब हवाई यात्राओं पर दिखने लगा है।

'इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स' ने सोमवार को बताया कि क्षेत्र में जारी भू-राजनीतिक तनाव और हवाई क्षेत्र की अनिश्चितता के कारण पश्चिम एशिया से जुड़े मार्गों पर यात्रा बुकिंग में 20 से 25 प्रतिशत तक की गिरावट और रद्दीकरण देखा जा रहा है। यात्रियों में डर और असमंजस IATO के अध्यक्ष रवि गोसाईं के अनुसार, खाड़ी देशों के पारगमन केंद्रों और उसके आसपास के हवाई गलियारों में व्यवधान के कारण यात्री अपनी यात्रा स्थगित या संशोधित कर रहे हैं। यात्रियों की इस सतर्कता के पीछे हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण उड़ानों का मार्ग बदला जा रहा है, जिससे यात्रा की अवधि बढ़ गई है। इसके अलावा मार्ग परिवर्तन और बीमा शर्तों में बदलाव से हवाई टिकटों की कीमतों पर असर पड़ने की संभावना है।

विभिन्न देशों द्वारा जारी की जा रही 'ट्रैवल एडवाइजरी' के कारण लोग जोखिम लेने से बच रहे हैं।

- भू-राजनीतिक तनाव व हवाई क्षेत्र की 20 से 25 प्रतिशत तक की गिरावट देखी जा रही है

विस्तार

ऊर्जा और व्यापार मार्ग बाधित होने से आपूर्ति एवं कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है

पश्चिम एशिया तनाव से भारत, अन्य एशियाई देशों के लिए जोखिम बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष तेज होने से भारत और एशिया के अन्य वस्तु आयातक देशों के लिए जोखिम बढ़ गया है।

ऊर्जा और व्यापार मार्ग बाधित होने से आपूर्ति एवं कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। मूडीज एनालिटिक्स ने सोमवार को यह आशंका जताई। ईरान पर अमेरिका एवं इजराइल की साझा सैन्य कार्रवाई और उसके बाद ईरान के जवाब हमलों से कच्चे तेल एवं गैस की आपूर्ति के प्रमुख मार्ग होर्मुज जलडमरुमध्य प्रभावी रूप से बंद हो गया है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, जहां से दुनिया के समुद्री मार्ग से होने वाले कच्चे तेल निर्यात का लगभग एक-तिहाई और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की करीब 20 प्रतिशत खेप गुजरती है।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक भारत अपनी जरूरत का लगभग आधा कच्चा तेल इसी मार्ग से आयात करता है। मूडीज ने मौजूदा हालात पर अपनी रिपोर्ट में कहा, "होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से लाल सागर और व्यापक पश्चिम एशिया में और बाधाओं का जोखिम बढ़ गया है। हवाई क्षेत्र बंद होने से यात्री एवं कार्गो उड़ानों पर भी असर पड़ा है।" इस मार्ग के बंद होने से एशिया क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हो सकता है क्योंकि चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे बड़े देश इस क्षेत्र से तेल-गैस की बड़े पैमाने पर खरीद करते हैं। सोमवार सुबह एशियाई कारोबार में ब्रेंट कच्चा तेल करीब 80 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जो शुक्रवार के बंद भाव करीब 72 डॉलर से बहुत अधिक है।

शेयर बाजारों में भी शुरुआती कारोबार में बड़ी गिरावट देखी गई। मूडीज ने आगाह किया कि ऊंची जिंस कीमतें उपभोक्ता एवं उत्पादक मुद्रास्फीति को बढ़ा सकती हैं, जिससे केंद्रीय बैंकों को ब्याज दरों में कटौती रोकनी पड़ सकती है या दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं। ऐसा होने पर आयात बिल बढ़ेगा, व्यापार घाटा बढ़ेगा और मुद्रा पर भी दबाव पड़ सकता है। एजेंसी ने कहा कि यह संघर्ष भारत के लिए स्थिति को और जटिल बना देता है। वह पश्चिम एशिया से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल आयात करता है और उसने अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते के तहत रूस से तेल खरीद धीरे-धीरे कम करने पर भी सहमति जताई है।

रिपोर्ट कहती है कि खाड़ी क्षेत्र से तेल निर्यात या समुद्री यातायात में लंबी बाधा उभरती अर्थव्यवस्थाओं में कर्ज संबंधी चिंताओं को फिर जगा सकती है। एजेंसी ने कहा कि वह पश्चिम एशिया के हालात पर नजर रखे हुए है और अगले सप्ताह अपने आधारभूत पूर्वानुमान में इसके प्रभाव का आकलन जारी करेगी।

आज लगेगा पूर्ण चंद्रग्रहण, अबकी चंद्रमा भी खेलेगा लाल रंग से होली

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : मंगलवार को पूर्ण चंद्रग्रहण होगा। इस ब्लडमून के दौरान चंद्रमा लाल रंग से होली खेलेगा। इस घटना का दीदार आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल, मनोरा पीक से कराने जा रहा है। आप एरीज के यूट्यूब चैनल पर शाम 5:30 बजे से इसे लाइव देख सकते हैं।

एरीज के खगोल वैज्ञानिक एवं साइंस सेंटर प्रभारी डॉ. वीरेंद्र यादव के अनुसार, आम जनता के लिए प्रत्यक्ष रूप से ग्रहण देखने की व्यवस्था शाम 6 बजे से की गई है। ग्रहण को नग्न आंखों से या दूरबीन से देखना सुरक्षित होता है। ऐसी दुर्लभ मनमोहक खगोलीय घटनाएं हमारी जिज्ञासा के लिए शानदार अवसर हैं। डॉ. यादव ने बताया कि पूर्ण चंद्र ग्रहण के समय सूर्य का कुछ प्रकाश पृथ्वी के वायुमंडल से होते हुए चंद्रमा पर पड़ता है। हमारा वायुमंडल सूर्यप्रकाश के रंगों में से बैंगनी और नीले रंगों को ज्यादा बिखेरता है और लाल और नारंगी रंगों को कम बिखेरता है अतः सूर्यप्रकाश का लाल रंग लगभग सीधे चंद्रमा पर पड़ता है, जिससे चंद्रमा गहरे लाल रंग का प्रतीत होता है। इस चंद्र ग्रहण में भी ऐसा रंग नजर आएगा, लेकिन भारत के अधिकांश हिस्सों से ये लाल नहीं दिखेगा क्योंकि यहां अधिकांश हिस्सों में आंशिक चंद्रग्रहण नजर आएगा। चंद्र ग्रहण दोपहर 3:20 बजे शुरू होगा और सायं 6:47 बजे समाप्त हो जाएगा। नैनीताल में सायं 6:15 बजे चंद्रोदय के बाद आंशिक चंद्र ग्रहण नजर आएगा।

ब्लडमून का संयोग

डॉ. यादव के अनुसार, यह संयोग ही है कि, इस होली के अवसर पर पूर्ण चंद्रग्रहण होने जा रहा है। यह ब्लडमून वाला पूर्ण चंद्रग्रहण है। पूर्ण चंद्रग्रहण के दौरान चंद्रमा लाल रंग में रंग जाता है जिस कारण इसे ब्लडमून कहा जाता है।

अर्थव्यवस्था पर होगी तगड़ी चोट

होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) दुनिया की वह धमनी है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था का रक्त यानी कच्चा तेल बहता है। ओमान और ईरान के बीच स्थित यह संकरा समुद्री मार्ग केवल 33 किलोमीटर चौड़ा है, लेकिन इसका रणनीतिक महत्व अकल्पनीय है। दुनिया का लगभग 20% से 25% तेल और एक-तिहाई तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) इसी मार्ग से होकर गुजरती है। यदि ईरान इस मार्ग को बंद करता है, तो यह केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं, बल्कि एक वैश्विक आर्थिक आपातकाल होगा। इस मार्ग के बंद होने का अर्थ है प्रमुख तेल उत्पादकों का दुनिया से संपर्क कट जाना। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी तेल जरूरतों का 85% आयात करता है, यह स्थिति किसी बड़े झटके से कम नहीं होगी। यह न केवल ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि महंगाई के रूप में एक बहुआयामी चुनौती पेश करेगा।

होर्मुज स्ट्रेट पर रोक

भारत के लिए दोहरी मार

- **तेल की कीमतों में आग** : भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर को पार कर सकती हैं। परिवहन लागत बढ़ने से सब्जियों, अनाज और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ जाएंगे।
- **शेयर बाजार में गिरावट** : अनिश्चितता के कारण विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल सकते हैं, जिससे शेयर बाजार में गिरावट आ सकती है।
- **रुपये की कमजोरी** : तेल खरीदने के लिए अधिक डॉलर खर्च करने होंगे, जिससे डॉलर के मुकाबले रुपया अपने सबसे निचले स्तर पर जा सकता है।
- **व्यापार घाटा** : आयात बिल बढ़ने से भारत का चालू खाता घाटा बढ़ जाएगा।

कौन से देश होंगे प्रभावित

- **इनसे टूटेगा संपर्क** : इस मार्ग के बंद होने का अर्थ है सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और कतर जैसे प्रमुख तेल उत्पादकों का दुनिया से संपर्क कट जाना।
- **एशियाई दिग्गज** : चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए इस मार्ग पर सबसे अधिक निर्भर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एशियाई देशों का अधिकांश कच्चा तेल इसी रास्ते से आता है।
- **यूरोपीय बाजार** : पहले से ही रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण ऊर्जा संकट झेल रहा यूरोप, मध्य पूर्व से आने वाली एलएनजी के लिए इस मार्ग पर निर्भर है।
- **वैश्विक तेल कीमतें** : विशेषज्ञों का मानना है कि मार्ग बंद होने पर कच्चे तेल की कीमतें 150 से 200 डॉल प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं।
- **भारत के लिए झटका** : भारत का 85 प्रतिशत कच्चा तेल इसी रास्ते से आता है।

भारत कैसे निपट सकता है

- **रणनीतिक तेल भंडार** : भारत ने विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पादुर में भूमिगत तेल भंडार बनाए हैं। आपात स्थिति में भारत इनका उपयोग कर सकता है। के माध्यम से भारत अपनी आपूर्ति को कुछ हफ्तों तक सुरक्षित रख सकता है।
- **आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण** : भारत रूस, अमेरिका, अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी देशों से तेल आयात बढ़ाकर मध्य पूर्व पर निर्भरता कम कर सकता है।
- **वैकल्पिक मार्ग और कूटनीति** : भारत ईरान के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों का उपयोग कर अपने जहाजों के लिए सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित करने की कोशिश कर सकता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

हिज़बुल्ला की सैन्य गतिविधियों पर रोक

बेरुत। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने हिजबुल्ला की सैन्य गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा करते हुए इजरायल के साथ बढ़ते तनाव के बीच संगठन से अपने हथियार सौंपने का आग्रह किया है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब इजरायल और हिजबुल्ला के बीच तनाव चरम पर है। हाल ही में हिजबुल्ला ने उत्तरी इजरायल के हाइफा में एक सैन्य ठिकाने पर रॉकेट और ड्रोन दागा था। इसके बाद इजरायली लड़ाकू विमानों ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर हवाई हमले किये थे। ईरान समर्थित संगठन ने कहा कि यह हमला ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के प्रतिशोध में किया गया था ।

मचाडो ने वेनेजुएला लौटने का दिया संकेत

काराकस। वेनेजुएला की विपक्ष की नेता एवं 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार की विजेता मारिया कोरिना मचाडो ने रविवार को कहा कि वह आने वाले हफ्तों में वेनेजुएला लौटेंगी और देश में चुनाव कराए जाएंगे। हालांकि, मचाडो ने वापसी की कोई तारीख नहीं बताई, लेकिन कहा कि उनका एक लक्ष्य आगामी चुनावों में "बड़ी जीत" के लिए तैयारी करना है। सोशल मीडिया पर साझा एक संदेश में नोबेल पुरस्कार विजेता ने अपने समर्थकों से अपील की कि वे प्राइमरी चुनाव में दिखाई गई वेनेजुएला वासियों की एकता को और मजबूत करें।

म्यांमार में 10 हजार कैदियों को दी माफी

बैंकॉक। म्यांमार के सैन्य शासन प्रमुख ने 10,000 से अधिक कैदियों को माफी दी है और अन्य की सजा में कटौती की है। हालांकि, 2021 के सैन्य तख्तापलट में सत्ता से बेदखल की गईं पूर्व नेता आंग सान सू की की रिहाई का कोई संकेत नहीं है। सू की को तब से लगभग पूरी तरह बाहरी संपर्क से दूर रखा गया है। यह माफी संसद के पांच साल से अधिक समय बाद होने जा रहे पहले सत्र से करीब दो सप्ताह पहले दी गई है। हालिया चुनाव के बाद यह सत्र आहूत किया गया।

नेपाल में 1.9 करोड़ मतदाता डालेंगे वोट

नई दिल्ली। नेपाल में नई सरकार चुनने के लिए 5 मार्च को मतदान होगा जिसमें लगभग 1.9 करोड़ लोग हिस्सा लेंगे। सितंबर 2025 में युवाओं के नेतृत्व में हुए भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के जरिये सरकार गिराये जाने के बाद देश में प्रतिनिधि सभा के लिए यह पहला आम चुनाव हो रहा है। छात्र विद्रोह के बाद देश का नियंत्रण सुशीला कार्की के नेतृत्व की अंतरिम सरकार के हाथ है।

दूसरे देशों में फंसे भारतीयों की मदद के लिए कदम उठाएं संबंधित विभाग

सीसीएस ने की पश्चिम एशिया के हालात की समीक्षा, भारतीयों की सुरक्षा पर जताई चिंता

- पश्चिम एशिया विवाद का संवाद और कूटनीति से हल पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति की समीक्षा की और क्षेत्र में रहने वाले बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। सीसीएस ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश भी दिया है कि वे घटनाक्रम से प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में रविवार रात हुई बैठक में सीसीएस ने संघर्ष की स्थिति को शीघ्र समाप्त करने और संवाद एवं कूटनीति के जरिए मामले का हल निकालने के महत्व पर भी जोर दिया। सीसीएस देश के सुरक्षा संबंधी और रणनीतिक मामलों पर निर्णय लेने वाला सर्वोच्च निकाय है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सीसीएस ने पश्चिम एशिया में उत्पन्न हो रही स्थिति की समीक्षा करने के लिए बैठक की और उसे ईरान में हुए हवाई हमलों और उसके बाद कई खाड़ी देशों में हुए हमलों सहित बढ़ते तनाव के बारे में जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि उसने क्षेत्र में रहने वाले बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सीसीएस ने पश्चिम एशिया से होकर गुजरने वाले भारतीय यात्रियों और निर्धारित परीक्षाओं में शामिल हो रहे छात्रों की कठिनाइयों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों पर पड़ने वाले व्यापक प्रभावों की भी समीक्षा की। सीसीएस ने सभी संबंधित विभागों को घटनाक्रम से प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए आवश्यक और व्यवहार्य कदम उठाने का निर्देश दिया।

अपने नागरिकों के संपर्क में हैं भारतीय दूतावास

ईरान में लगभग 10,000 भारतीय नागरिक रहते, पढ़ते और काम करते हैं, जबकि इज़राइल में 40,000 से अधिक भारतीय नागरिक रहते हैं। खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीयों की संख्या लगभग 90 लाख है। वर्तमान में पश्चिम एशिया का हवाई क्षेत्र लगभग बंद है। पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव बढ़ने के कारण उड़ान सेवाएं बाधित होने से सैकड़ों भारतीय दुबई, दोहा और अन्य प्रमुख हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं, जिनमें से कई लोग सहायता के लिए सोशल मीडिया पर भारत सरकार से अपील कर रहे हैं। भारत ने अतीत में संघर्षों के बीच पश्चिम एशिया सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों से हजारों भारतीयों को सफलतापूर्वक निकाला है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पूरे क्षेत्र में भारतीय दूतावास अपने नागरिकों के साथ लगातार संपर्क में है।

बहरीन के शाह और सऊदी अरब के युवराज से प्रधानमंत्री मोदी ने की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को बहरीन के शाह हम्माद बिन ईसा अल खलीफा और सऊदी अरब के युवराज एवं प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत की तथा पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान दोनों देशों पर हुए हमलों की निंदा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों पर हुए हालिया हमले उनकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के कुशलक्षेम के बारे में भी उनसे बात की। दोनों नेताओं के साथ फोन पर बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली अत्यंत महत्वपूर्ण है। मोदी ने एक्स पर कहा कि सऊदी अरब के युवराज और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान के साथ पश्चिम एशिया के बदलते घटनाक्रम पर चर्चा की। भारत सऊदी अरब पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा करता है, जो उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन है। कहा कि हम इस बात पर सहमत हुए कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शाह बोले, बंगाल से घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे

मथुरापुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को घुसपैठ के मुद्दे पर भाजपा के रुख का उल्लेख करते हुए कहा कि हालांकि अभी मतदाता सूची से केवल घुसपैठियों के नाम हटाए जा रहे हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में पूर्ण बहुमत के साथ पार्टी के सत्ता में आने के बाद उन्हें राज्य से बाहर निकाल दिया जाएगा। शनिवार को संशोधित मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद राज्य में अपने पहले दौरे पर उन्होंने दक्षिण 24 परगना जिले में भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' को संबोधित किया। शाह ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बंगाल को घुसपैठियों का स्वर्ग बना दिया था और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल द्वारा अवैध अप्रवासन की अनुमति देने के कारण सीमावर्ती राज्य की सुरक्षा खतरे में है। उन्होंने कहा, बंगाल एक सीमावर्ती राज्य है। टीएमसी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकती, क्योंकि वे घुसपैठ की अनुमति देते हैं। केवल भाजपा ही बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्य को सुरक्षा प्रदान कर सकती है। उनकी ये टिप्पणी शनिवार को प्रकाशित विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद की मतदाता सूचियों की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें नवंबर में शुरू हुई इस प्रक्रिया के बाद से 63.66 लाख नाम हटाए गए हैं।

सीमा पर बाड़ लगाने को जमीन देगी बंगाल सरकार

- बाड़ लगाने के साथ सीमा पर चौकियां बनाएगा बीएसएफ

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल सरकार ने सीमा पर बाड़ लगाने और चौकियां बनाने के लिए केंद्र को लगभग 105 एकड़ जमीन हस्तांतरित करने को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि लगभग 17 किलोमीटर की बाड़ लगाने और सीमा चौकियां) स्थापित करने के लिए यह जमीन सीमा सुरक्षा बल को हस्तांतरित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों को जमीन देने से संबंधित प्रस्तावों की जांच के लिए गठित मंत्रिस्तरीय समूह ने शुक्रवार को राज्य सचिवालय नबान्न में बैठक की और सैद्धांतिक रूप से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। हालांकि, अंतिम मंजूरी राज्य मंत्रिमंडल द्वारा दी जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीमा पर बाड़ लगाने और सीमा चौकियां बनाने के लिए बीएसएफ को जमीन सौंपने के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई। अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार सीमा के 17 किलोमीटर लंबे हिस्से पर बाड़ लगाने की योजना बना रही है और इसके लिए उसने राज्य सरकार से जमीन मांगी है। बीएसएफ को भी इस क्षेत्र में नौ सीमा चौकियों के निर्माण के लिए जमीन की जरूरत है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इससे पहले केंद्रीय एजेंसियों को जमीन देने से संबंधित प्रस्तावों की जांच के लिए एक विशेष मंत्रिस्तरीय समूह को नियुक्त किया था। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को मंत्रियों, चंद्रिमा भट्टाचार्य, फिरहाद हकीम और अरूप बिस्वास ने इन बातों पर विचार-विमर्श किया।

कैबिनेट की मंजूरी के बाद भू अधिग्रहण

यदि मुख्यमंत्री कार्यालय प्रस्ताव को मंजूरी दे देता है, तो इसे राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा। मंत्रिमंडल की स्वीकृति मिलने पर, जिला प्रशासन आवश्यक भूखंडों के अधिग्रहण के लिए भूस्वामियों से बातचीत शुरू करेगा। सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा मंत्रिस्तरीय समूह द्वारा सीमा से सटे नौ स्थानों पर स्थित लगभग 20-25 एकड़ सरकारी जमीन को बीएसएफ को हस्तांतरित करने की सिफारिश करने की संभावना है।

सूडान में उग्रवादियों का गांव पर हमला, 169 की गई जान

- दक्षिण सूडान के सुदूर इलाके में किया गया यह हमला

जुबा, एजेंसी

दक्षिण सूडान के एक सुदूर इलाके में विद्रोहियों द्वारा एक गांव पर किए गए हमले में 169 लोग मारे गए। स्थानीय अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह छिटपुट हिंसा की नवीनतम घटना है, जिसने देश को पूर्ण गृहयुद्ध के कगार पर ला खड़ा किया है।

रुवेंग प्रशासनिक क्षेत्र के सूचना मंत्री जेम्स मोनीलुआक ने बताया कि रविवार को अबीमनोम काउंटी में हुए हमले में 90 नागरिकों सहित कई लोग मारे गए। मृतकों में महिलाओं और बच्चों के साथ-साथ दर्जनों लड़ाके भी शामिल थे। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने एक बयान में कहा कि हमले के बाद 1,000 लोगों ने उसके अड्डे पर शरण ली। यूएन मिशन इन साउथ सूडान की अधिकारी अनीता किकी गबेहो ने कहा कि इस तरह की हिंसा से आम नागरिकों को गंभीर खतरा है और इसे तुरंत बंद किया जाना चाहिए। मैं इसमें शामिल सभी लोगों से आग्रह करती हूं कि वे बिना देरी किए शत्रुता समाप्त करें और अपनी शिकायतों के समाधान के लिए रचनात्मक बातचीत में शामिल हों।

उन्होंने कहा कि हमारे शांति सैनिक हमारे अड्डे पर शरण लेने वाले नागरिकों की रक्षा के लिए अपनी क्षमताओं के भीतर हरसंभव प्रयास करना जारी रखेंगे। बयान में रुवेंग में हुए हमले में 23 लोगों के घायल होने का जिक्र किया गया है।

तालिबानी लड़ाकों ने अफगान सीमा के पार कई हमले किए

हेरात। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत के आसमान में रविवार रात को पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को उड़ते देखे जाने की रिपोर्टें हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये लड़ाकू विमान तालिबान के ठिकानों की निगरानी कर रहे थे। अफगान इंटरनेशनल में प्रकाशित एक समाचार के अनुसार तालिबान के एक अधिकारी ने पक्तिका प्रांत के बरमल जिले में अंगूर अड्डा सीमा चौकी पर पाकिस्तानी ठिकानों पर हमले की जानकारी दी है। तालिबान सरकार के सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय के प्रमुख अहमदुल्ला मुत्ताकी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें तालिबान लड़ाके पाकिस्तानी चौकियों पर हमले करते दिख रहे हैं।

जहरीली गैस का हुआ रिसाव 2600 को सुरक्षित निकाला

- महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक रासायनिक ईकाई में हुई घटना

पालघर, एजेंसी

महाराष्ट्र में पालघर जिले के एक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक रासायनिक इकाई से सोमवार दोपहर को ओलियम (फ्यूमिंग सल्फ्यूरिक एसिड) गैस का रिसाव हुआ, जिसके बाद 1600 स्कूली छात्रों समेत 2600 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

अधिकारियों ने बताया कि तीन लोगों को आंखों में मामूली जलन की शिकायत हुई। उन्होंने बताया कि मुंबई के बाहरी इलाके में बोइसर एमआईडीसी क्षेत्र में स्थित इकाई के पांच किलोमीटर के दायरे में ओलियम (फ्यूमिंग सल्फ्यूरिक एसिड) गैस का रिसाव हुआ, जिसके चलते एहतियात के तौर पर लोगों को वहां से निकाला गया। अपराह्न करीब दो बजे भगेरिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड की इकाई में हुए रिसाव से सफेद धुएं का एक घना बादल बन गया जो हवा की गति के कारण तेजी से फैल गया, जिससे औद्योगिक क्षेत्र में रहने वाले निवासियों और श्रमिकों के बीच दहशत फैल गई। गैस रिसाव के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है। व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रही पालघर जिले की कलेक्टर डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने कहा कि आपदा प्रबंधन योजना को तुरंत सक्रिय कर दिया गया है। प्रशासन ने बताया कि यह रिसाव 2,500 लीटर क्षमता वाले ओलियम डे टैंक से हुआ।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज नई परियोजनाओं में धन निवेश कर सकते हैं। नई स्किल को सीखने का प्रयास करेंगे। प्रेम संबंधों का तनाव दूर होगा।

तुला – आज साझेदारी वाले व्यवसाय में आपको लाभ हो सकता है। अपने काम पर फोकस करेंगे। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

वृष – आज दिनचर्या अस्त-व्यस्त न रखें। अनैतिक कार्यों से दूरी बनाकर रखें। मन में किसी कारण दबाव रहेगा।

वृश्चिक – आज नए काम में मन लगेगा। वैवाहिक संबंधों में परस्पर सम्मान का भाव बढ़ेगा। व्यवसाय में सुगमता रहेगी।

मिथुन – आज जॉब में स्थानांतरण हो सकता है। आपकी दिनचर्या अनुशासित रहेगी। व्यवसाय में आय बढ़ सकती है।

धनु – आज शेयर मार्केट में निवेश लाभकारी होगा। अधिकारी आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। मन में अध्यात्मिक विचार जन्म लेंगे।

कर्क – आज पुराने मित्रों से चर्चा होगी। आपको आत्मनिरीक्षण करने का अवसर मिलेगा। महत्वपूर्ण कार्य किसी कारणवश टल सकते हैं।

मकर – आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परेशान न हों। अधिक गर्म व ठंडे खाद्य पदार्थों का सेवन न करें। अपच की समस्या हो सकती है।

सिंह – आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। खर्च की तुलना में आपकी आय बढ़ेगी।

कुंभ – आज आपकी जीवनशैली बहुत अच्छी रहेगी। व्यापार में अपनी उन्नति से संतुष्ट रहेंगे। धन की कमी दूर होगी।

कन्या – आज कार्यक्षेत्र में अधिकारी वर्ग से बहस न करें। आपको अपने सम्मान की चिंता रहेगी। लंबी दूरी की यात्रा करने से बचें।

मीन – आज युवा करियर को लेकर निर्णय ले सकते हैं। सहकर्मियों के माध्यम से आपको धन-लाभ होगा। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें।

स्तन कैंसर

आईआईटी मद्रास और कारिकिनोस हेल्थकेयर के संयुक्त शोध में मिली जानकारी

भारत में चार में से एक मरीज को विरासत में मिला जोखिम

- 497 रोगियों के जर्मलाइन डीएनए का किया विश्लेषण

चेन्नई, एजेंसी

भारत में चार में से एक स्तन कैंसर मरीज़ों को इस बीमारी से संबंधित आनुवंशिक जोखिम विरासत में मिलता है। आईआईटी-मद्रास और कारिकिनोस हेल्थकेयर की एक संयुक्त रिसर्च में यह खुलासा हुआ है। यह भारत में हुए सबसे बड़े स्तन कैंसर जीनोमिक अध्ययनों में से एक है। चेन्नई का कुमार अस्पताल और चेन्नई स्तन केन्द्र भी इस अध्ययन में शामिल थे।

अध्ययन ने खुलासा किया है कि भारत के 25 प्रतिशत स्तन कैंसर मरीज़ों में कैंसर के जोखिम से जुड़ा वंशानुगत आनुवंशिक रूप मौजूद होता है। इनमें से कैंसर के ज्यादातर रूप (वेरिएंट) जाने-माने बीआरसीए1 और बीआरसीए2 जीन से अलग होते हैं।

इस अध्ययन पत्र को आईआईटी-मद्रास के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के जॉन पीटर, जयलक्ष्मी जोथी, अवराजित चक्रवर्ती, एस महालिंगम, कार्किनोस हेल्थकेयर से बानी जॉली, राजदीप राहा, विनोद स्कारिया, श्रीधर सिवासुब्बू, कुमारन हॉस्पिटल, चेन्नई के ऑन्कोलॉजी विभाग के स्वामीनाथन गणपति रमन और चेन्नई स्तन केन्द्र के सेल्वी राधाकृष्णन ने मिलकर लिखा है। अध्ययन के तहत 479 स्तन कैंसर रोगियों के जर्मलाइन डीएनए का विश्लेषण किया गया, जिनके नमूने आईआईटी मद्रास स्थित नेशनल कैंसर टिश्यू बायोबैंक से प्राप्त किये गये थे। इसे देश में तैयार अब तक के सबसे व्यापक वंशानुगत स्तन कैंसर डाटासेट में से एक बताया गया है। यह अध्ययन भारत कैंसर जीनोम एटलस का हिस्सा बन गया है, जिसे भारत का पहला और सबसे बड़ा मुक्त-स्रोत कैंसर जीनोम डाटा संसाधन माना जा रहा है। अध्ययन दल ने 97 कैंसर संवेदनशीलता जीनों की जांच की, जिनमें बीआरसीए1, बीआरसीए2 और होमोलॉगस रिकॉम्बिनेशन रिपेयर पाथवे से जुड़े 15 जीन शामिल थे। जीन परिवर्तनों का वर्गीकरण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत एसीएमजी/एएमपी दिशानिर्देशों के अनुरूप किया गया। शोध में पाया गया कि 24.6 प्रतिशत रोगियों में एक रोगकारी या संभावित रोगकारी जीन परिवर्तन मौजूद था। इनमें से केवल 8.35 प्रतिशत में बीआरसीए1 या बीआरसीए2 जीन परिवर्तन मिले, जबकि 11.9 प्रतिशत रोगियों में होमोलॉगस रिकॉम्बिनेशन रिपेयर पाथवे से जुड़े अन्य जीनों में वंशानुगत परिवर्तन पाए गए।

कई जीन दक्षिण एशियाई आबादी के लिए विशिष्ट

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि कई रोगकारी जीन परिवर्तन भारतीय या दक्षिण एशियाई आबादी के लिए विशिष्ट हैं और वैश्विक डाटाबेस में या तो अनुपस्थित हैं या अत्यंत दुर्लभ हैं। अध्ययन में दवा संबंधी जीन संकेतकों का भी आकलन किया गया, जो कीमोथेरेपी की सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। साथ ही वैश्विक आबादी से तुलना के लिए जिनोमैड डाटाबेस का उपयोग किया गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि निष्कर्ष भारत और दक्षिण एशिया के लिए विशिष्ट जीन वेरिएंट डाटाबेस और व्याख्या ढांचे की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

राष्ट्रपति लूला के खिलाफ ब्राजील में धरना-प्रदर्शन

रियो डी जिनेरियो। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो के हजारों समर्थकों ने रविवार को कई शहरों में प्रदर्शन किया, जिसका उद्देश्य आगामी राष्ट्रपति चुनाव में दक्षिणपंथी नेता की जीत के लिए माहौल तैयार करना है। राष्ट्रीय ध्वज के रंगों- पीले और हरे रंगों के कपड़े पहने प्रदर्शनकारी साओ पाउलो, रियो डी जिनेरियो और राजधानी ब्रासीलिया की सड़कों पर उतरे और मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के खिलाफ नारे लगाए। लूला को अक्टूबर में होने वाले चुनाव में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। पूर्व राष्ट्रपति के बेटे फ्लावियो बोलसोनारो ने इंस्टाग्राम पर कहा, यह साल सभी ब्राजीलियाई नागरिकों के लिए निर्णायक होगा।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

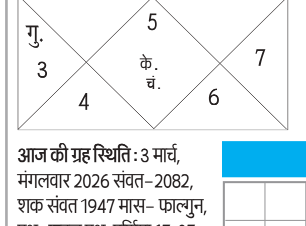

आज की ग्रह स्थिति : 3 मार्च, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 17 .07 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत। **चन्द्रबल**- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन। **ताराबल**- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती। **नक्षत्र**- मघा 07 .31 तक तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी।

सुडोकू - 77 का हल

9	3	8	6	7	5	1	4	2
7	5	1	9	4	2	3	6	8
6	4	2	1	8	3	9	7	5
3	2	5	7	1	8	6	9	4
8	6	4	3	2	9	7	5	1
1	7	9	4	5	6	8	2	3
5	1	7	8	9	4	2	3	6
4	9	6	2	3	1	5	8	7
2	8	3	5	6	7	4	1	9

सुडोकू -78

		3		9		1		2
		5					7	
8				1		4		
6			4	2			5	
9		2				6		3
	4			5	6			
		1		3				9
	6					8		
2		4		6		5		

> हम सेमीफाइनल का इंतजार कर रहे है। हम मैच के दौरान छोटे-छोटे पलों को भुनाने के बारे में बात करते है और हमें उम्मीद है कि हम कुछ दिनों के बाद खेले जाने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगे।
>
> -डेरिल मिचेल

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार, 3 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

न्यूजीलैंड चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा नहीं बनाता : मिचेल

कोलकाता। आक्रामक बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने सोमवार को कहा कि न्यूजीलैंड चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा नहीं बनाता और टीम को टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत में खेलने के हालिया अनुभव से फायदा होगा। न्यूजीलैंड बुधवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में पहले सेमीफाइनल में पिछली बार की उपविजेता दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। मिचेल ने कहा कि ब्लैक कैप्स को मैदान के अंदर और बाहर किस तरह काम करना है, इसे लेकर पूरी स्पष्टता है। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा हम टीम के तौर पर कैसे खेलना चाहते हैं, इसे लेकर पूरी तरह स्पष्ट हैं। हम चीजों को जितना है उससे बड़ा नहीं बनाते लेकिन सेमीफाइनल में पहुंचने को लेकर बेहद उत्साहित हैं और खुद को भाग्यशाली मानते हैं।

घुड़सवार अनुष ने शानदार प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। भारतीय घुड़सवार अनुष अग्रवाला ने अपने घोड़े फ्लोरियाना के साथ बेल्जियम ड्रेसेज स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया जिससे उन्होंने आने वाले एशियाई खेलों के लिए अपनी क्वालीफिकेशन यात्रा शुरू की। अग्रवाला ने शनिवार को अपने आठ साल के घोड़े फ्लोरियाना के साथ ऑर्डर में 14वें नंबर से शुरुआत करते हुए 68.85 प्रतिशत के शानदार स्कोर से आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन दिया जिससे वह कुल मिलाकर चौथे नंबर पर रहे। वह रविवार को अपने 10 साल के घोड़े फ्लिन के साथ लौटे जिसमें उन्होंने पांचवें नंबर से शुरुआत की और इसमें और भी बेहतर प्रदर्शन देते हुए 70.3 प्रतिशत का व्यक्तिगत स्कोर हासिल किया। 70 प्रतिशत का स्कोर हासिल करना दबाव में निरंतरता और संयम दिखाता है।

250 जिलों में एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं होंगी

नई दिल्ली। खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने सोमवार को घोषणा की कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आठ और नौ मार्च को देश भर के 250 जिलों की दो लाख से अधिक लड़कियां 'अस्मिता' एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगी। खडसे ने भारत की 2036 ओलंपिक की दावेदारी को मजबूत करने के लिए खेलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की वकालत की। यह खेल मंत्रालय की पहल का एक हिस्सा है जो अहमदाबाद में 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों और भारत के ओलंपिक मेजबान बनने की कोशिश को ध्यान में रखते हुए देश भर में महिला तकनीकी अधिकारियों का एक पूल बनाने की भी शुरुआत करेगा।

भारतीय रेसिंग प्रतिभा अतिका ने इतिहास रचा

वालेंशिया। भारतीय रेसिंग प्रतिभा अतिका मीर ने 'चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर अकादमी (सीओएफटीए) कार्टिंग सीरीज' के यूरोपीय चरण में पोडियम स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया। ग्यारह साल की अतिका ओकेएनजे (जूनियर) वर्ग में तीसरे स्थान पर रही। वह इस रेस में पोडियम पर जगह बनाने वाले पहली भारतीय रेसर है। यह उनके अब तक के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। एफवन अकादमी के समर्थन पाने वाली पहली भारतीय अतिका ने ग्रिड में नौवें स्थान से शुरुआत करते हुए शुरुआती रेस में तीसरा और दूसरी रेस में दूसरा स्थान हासिल किया।

मैंने फोन और सोशल मीडिया बंद कर दिया और अंतरात्मा की आवाज सुनी : सैमसन

टी-20 विश्व कप : खराब फॉर्म के दौर में भी नहीं गिरने दिया अपना आत्मविश्वास

कोलकाता, एजेंसी

भारत के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपने फोन और सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर दिए ताकि खराब फॉर्म के दौर में भी उनका आत्मविश्वास न डगमगाए और आखिर में उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप के करो या मरो मैच में मैच विजेता पारी खेलकर लय हासिल कर ली। सैमसन ने रविवार को यहां खेले गए सुपर आठ के मैच में 50 गेंदों में 97 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

सुपर आठ के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से भारत की करारी हार के बाद इस 31 वर्षीय खिलाड़ी को सलामी बल्लेबाजी के रूप में अंतिम एकादश में शामिल किया गया था। सैमसन ने रविवार को यहां भारत की पांच विकेट से जीत के बाद स्टार स्पोर्ट्स से कहा मैंने अपने शॉट चयन पर लगातार काम किया। मैं बहुत अधिक बदलाव नहीं करना चाहता था क्योंकि मुझे पता था कि मैंने उसी तरह से खेलते हुए पहले अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए मैंने खुद पर भरोसा बनाए रखा, अपना फोन बंद कर दिया, सोशल मीडिया से दूर रहा और अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी। मुझे खुशी है कि मैंने एक ऐसे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया जो बहुत खास था। सैमसन ने असल में अकेले दम पर भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस बीच उन्हें कप्तान सूर्यकुमार यादव (18) और तिलक वर्मा (27) का कुछ साथ मिला। उन्होंने कहा यह थोड़ा मुश्किल लक्ष्य था। हमारी बल्लेबाजी की मजबूती को देखते हुए मुझे लग रहा था कि ईडन गार्डन्स में ओस पड़ने पर 196 रन के लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान हो जाएगा, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से यह चुनौतीपूर्ण हो गया। सैमसन ने कहा यहीं पर मेरे अनुभव ने अहम भूमिका निभाई। मुझे अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन जब विकेट गिरते रहे तो मुझे लगा कि मुझे मैच का सकारात्मक अंत करना होगा। उन्होंने कहा आप हमेशा ऐसा प्रदर्शन करना चाहते हैं लेकिन हमेशा ऐसा नहीं होता है। इसलिए मुझे खुशी है कि इस मैच में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया। जब आप दबाव वाली परिस्थितियों में लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो आप अलग-अलग विकल्प अपनाते हैं और जोखिम भरे विकल्पों पर विचार करने के बजाय अधिक बाउंड्री लगाते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में निराशाजनक प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए सैमसन ने अपनी तकनीक में किए गए बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा यह मानवीय प्रकृति है कि हम अक्सर नकारात्मक सोच से शुरुआत करते हैं, जैसे क्या मैं ऐसा कर सकता हूं। मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर सकता हूं।'' जब भी मेरे मन में ऐसे विचार आते हैं तो मैं उन्हें सकारात्मक विचार से बदलने की कोशिश करता हूं। न्यूजीलैंड के खिलाफ मैं अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था लेकिन चीजें मेरे अनुकूल नहीं रही। सौभाग्य से मुझे 10 दिन का समय मिल गया। सैमसन ने कहा मैंने आत्ममंथन किया। मैंने अपनी बुनियाद पर काम किया कि मैंने खुद को कैसे तैयार किया था। बहुत से लोगों ने सुझाव दिए मैंने खुद से कहा कि ''संजू, तुमने इसी प्रारूप में तीन अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं। जब सैमसन से पूछा गया कि कोलकाता में खेली गई उनकी पारी उनके लिए क्या मायने रखती है, तो उन्होंने कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि वह उस सपने को जी रहे हैं जिसे उन्होंने बचपन से संजोकर रखा है। उन्होंने कहा भारत में सौ से अधिक क्रिकेटर ऐसे दिन का सपना देखते हैं। मैंने सपना देखने की हिम्मत की। केरल के त्रिवेंद्रम का एक युवा लड़का देश के लिए खेलने और इतने महत्वपूर्ण मैच में जीत हासिल करने का सपना देख रहा था। मैंने सपना देखने की हिम्मत की और यह सच हो गया।

सभी चाहते थे कि संजू अच्छा प्रदर्शन करे

नई दिल्ली। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का कहना है कि संजू सैमसन इतने अच्छे इंसान हैं कि हर कोई चाहता है कि वह अच्छा प्रदर्शन करें और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप में खेली गई उनकी निर्णायक पारी ने उनके प्रशंसकों पर से भी दबाव कम कर दिया होगा। सैमसन ने रविवार रात कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में नाबाद 97 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा 97 रन की इस नाबाद पारी ने न सिर्फ संजू सैमसन पर से बड़ा बोझ हटा दिया है बल्कि उन लोगों पर से भी बोझ उतार दिया है जो जानते हैं कि वह कितने बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। उनके करियर में उतार-चढ़ाव आए हैं। वह बहुत ही अच्छे इंसान हैं। हर कोई चाहता है कि वह अच्छा प्रदर्शन करें। विश्व कप से पहले सैमसन का प्रदर्शन खराब रहा था। वह बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे थे।

गावस्कर ने कहा सभी भारतीय प्रशंसक इस बात से खुश होंगे कि इस ईमानदार क्रिकेटर को वह सफलता मिली है जिसका वह हकदार है। अब भारत गुरुवार को मुंबई में सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना करेगा। गावस्कर ने कहा करो या मरो के मैच में मैन ऑफ द मैच बनना सपना सच होने जैसा है। मैच विजेता पारी खेलने के बाद संजू के चेहरे पर भाव साफ झलक रहे थे। वह शतक से सिर्फ तीन रन दूर थे और अगर वह शतक तक पहुंच जाते तो यह शानदार होता।

संजू को सफेद गेंद की टीम में नियमित खेलना चाहिए

कोलकाता, एजेंसी

- पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने सैमसन का किया समर्थन

> इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज से ज्यादा मजबूत प्रतिद्वंद्वी होगी। उन्हें वैसा ही खेलना होगा जैसा उन्होंने कल के मैच में जीत दिलाई थी। भारत के लिए सबसे अच्छी बात यह रही है कि टी20 विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ निराशाजनक सीरीज के बाद संजू सैमसन ने शीर्ष क्रम में फॉर्म में वापसी की है।
>
> - सौरव गांगुली

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने सोमवार को संजू सैमसन को भारत की सफेद गेंद की टीमों में नियमित रूप से शामिल किए जाने का समर्थन किया और टी20 विश्व कप से पहले इस आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज की आलोचना पर हैरानी व्यक्त की। सैमसन की 50 गेंद में नाबाद 97 रन की पारी से भारत ने रविवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ वर्चुअल क्वार्टरफाइनलमें 196 रन के लक्ष्य का पीछा किया। इसे एक शानदार पारी बताते हुए गांगुली ने कहा वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। उसे सफेद गेंद के क्रिकेट में भारत के लिए लगातार खेलना चाहिए, शत प्रतिशत।

उन्होंने कहा यह मुकाबला लगभग क्वार्टर फाइनल जैसा था और 97 रन पर नाबाद रहना उसके कौशल को दिखाता है। वह इस तरह का खिलाड़ी है। जब वह मैदान में उतरता है तो विरोधी टीम को नुकसान पहुंचाता है। सैमसन ने यह पारी उस दिन खेली जब भारत के मुख्य बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, कप्तान सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या सस्ते में आउट हो गए। लेकिन सैमसन ने दबाव से अच्छी तरह निपटते हुए आखिर तक बिना किसी जोखिम के बल्लेबाजी की।

गांगुली ने आगे कहा वह परिस्थिति के हिसाब से खेला और यह जरूरी था। इससे हम सभी को यह सीख मिलती है कि यह वही लड़का है जो पिछले छह महीनों में टीम में अपनी जगह नहीं बना पाया, भले ही ईशान किशन पारी का आगाज कर रहा हो या कोई और आ रहा हो। उन्होंने कहा विश्व कप से ठीक पहले मैं अखबार में पढ़ता था कि संजू फिर विफल हो गया वह टीम में शामिल होने का हकदार नहीं भारत में इतनी प्रतिभा है, शुभमन गिल टीम में क्यों नहीं है? और फिर यही लड़का क्वार्टरफाइनल जैसे मैच 97 रन बनाकर नाबाद रहता है और आपको सेमीफाइनल में पहुंचा देता है। गांगुली ने यह भी कहा कि इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज से ज्यादा मुश्किल होगी और कहा कि मुंबई में सेमीफाइनल की मुश्किल पार करने के लिए घरेलू टीम को अपनी बेहतरीन फॉर्म बनाए रखनी होगी।

सेमीफाइनल

टीम	तारीख
न्यूजीलैंड बनाम द. अफ्रीका	4 मार्च
भारत बनाम इंग्लैंड	5 मार्च

फाइनल

सेमीफाइनल विजेता टीम	8 मार्च

क्रिकेट एक टीम गेम है : गंभीर

कोलकाता, एजेंसी

- कई वर्षों से हम सिर्फ कुछ खास योगदान की ही बात करते आए हैं

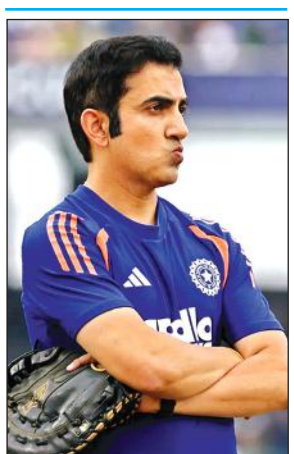

गौतम गंभीर का मानना है की टीम गेम में प्रत्येक खिलाड़ी का छोटा या बड़ा योगदान महत्वपूर्ण होता है लेकिन भारतीय क्रिकेट में लंबे समय से इसका अभाव रहा है। भारत के मुख्य कोच ने कहा कि अगर शिवम दुबे ने रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप के मैच में 19वें ओवर दो चौके नहीं लगाए होते तो संजू सैमसन की 97 रन की मैच विजेता पारी की कोई बात नहीं कर रहा होता।

गंभीर ने कहा कि जब तक वह कोच हैं, प्रत्येक खिलाड़ी के योगदान का पूरे सम्मान के साथ उल्लेख किया जाएगा। गंभीर ने पत्रकारों से कहा मुझे खुशी है कि आप सभी के योगदान के बारे में बात कर रहे हैं क्योंकि कई वर्षों से हम केवल कुछ विशेष योगदानों के बारे में ही बात करते रहे हैं। यह एक टीम गेम है और यह हमेशा टीम गेम ही रहेगा। उन्होंने कहा मेरे लिए शिवम के दो चौके भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने संजू के 97 रन, क्योंकि अगर उसने वे दो चौके नहीं लगाए होते तो आप उस (97 रन की पारी) के बारे में बात भी नहीं करते।''''
गंभीर ने कहा बड़ा योगदान सुर्खियां बटोरता है, लेकिन छोटा योगदान भी महत्वपूर्ण होता है क्योंकि वह टीम को जीत दिलाने में मदद कर सकता है, उसे लक्ष्य तक पहुंचा सकता है। इसीलिए मैं कहता हूं कि जब तक मैं इस पद पर हूं, हमारी आगे भी यही नीति रहेगी। दुनिया भर के कोच आंकडों (डेटा) को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इनमें गंभीर शामिल नहीं हैं। उन्होंने कहा सच कहूं तो मुझे आंकड़ों पर भरोसा नहीं है। मैंने कभी आंकड़े देखे ही नहीं। मुझे तो यह भी नहीं पता कि आंकड़े होते क्या हैं। मैं उन पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं करता, क्योंकि मुझे लगता है कि वे अधिकतर सहज ज्ञान पर आधारित होते हैं। गंभीर की यह टिप्पणी आश्चर्यजनक थी क्योंकि टीम डेटा विश्लेषक हरि प्रसाद पर काफी हद तक निर्भर रहती है।

भारतीय कोच ने कहा टी20 क्रिकेट में सहज ज्ञान और उस सहज ज्ञान पर भरोसा करना ही सब कुछ है। खेल और टी20 प्रारूप के बारे में मुझे जो भी जानकारी है, मैं उसे कप्तान को देने और जितना हो सके उनकी मदद करने की कोशिश करता हूं। उन्होंने कहा लेकिन आखिर में फैसला कप्तान को करना होता है लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मुझे आंकड़ों पर कोई विश्वास नहीं है क्योंकि इन्हें बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। मेरे लिए यह बहुत सौभाग्य की बात है कि हमारे पास विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई में होने वाले सेमीफाइनल के बारे में गंभीर ने कहा उनकी (इंग्लैंड) टीम एक विश्वस्तरीय टीम हैं। उनके पास कई बेहतरीन खिलाड़ी भी हैं और हम सभी जानते हैं कि वानखेड़े में खेलना आसान नहीं होता है। उम्मीद है कि हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

जहीर के बाद भज्जी से संपर्क किया बीसीसीआई ने

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को तैयार करने में मदद के लिए अपने पूर्व क्रिकेटरों से संपर्क किया है। इसमें पूर्व भारतीय दिग्गज जहीर खान और हरभजन सिंह शामिल हैं। उनसे बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में विशेष शिविरों में अपनी सेवाएं देने के लिए कहा है।

बीसीसीआई ने इन शिविरों के कुछ खिलाड़ियों की सूची तैयार की है। इस सूची में ऐसे खिलाड़ी शामिल किए गए हैं जो भविष्य में भारत की तरफ से खेल सकते हैं। इन खिलाड़ियों में आयु वर्ग और प्रथम श्रेणी क्रिकेट के अलावा भारत ए और भारत की सीनियर टीम की तरफ से कुछ मैच खेलने वाले खिलाड़ी शामिल हैं।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान युवा तेज गेंदबाजों के साथ पांच दिवसीय शिविर के लिए पहले ही बेंगलुरु पहुंच चुके हैं। ये युवा गेंदबाज सीनियर टीम में जगह बनाने के करीब हैं या उसके लिए कुछ मैच खेल चुके हैं। सीओई के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने इससे सुखद परिणाम की उम्मीद जताई है।

मेसी के दो गोल से इंटर मियामी जीता

ऑरलैंडो, एजेंसी

लियोनेल मेसी ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जबकि डिफेंडर टेलास्को सेगोविया ने एक गोल करने के अलावा दो गोल करने में मदद की जिससे मौजूदा चैंपियन इंटर मियामी ने एमएलएस फुटबॉल टूर्नामेंट में ऑरलैंडो सिटी को 4-2 से हराकर इंटर एंड कंपनी स्टेडियम में पहली बार जीत हासिल की।

पहले हाफ में दो गोल से पिछड़ने के बाद मियामी की तरफ से पहला गोल दूसरे हाफ के चौथे मिनट में माटेओ सिल्वेट्टी ने किया। मेसी ने सेगोविया से पास लेकर 57वें मिनट में अपना पहला गोल किया और इंटर मियामी को 2-2 से बराबरी पर ला दिया। सेगोविया ने 85वें मिनट में गोल करके मियामी को बढ़त दिलाई। मेसी ने 90वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके मियामी की जीत सुनिश्चित कर दी। अर्जेंटीना का यह स्टार खिलाड़ी इस तरह से एमएलएस में 52 गोल कर चुका है। मार्को पासलिच ने इवान एंगुलो से पास पर 18वें मिनट में गोल करके ऑरलैंडो सिटी को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद मार्टिन ओजेडा ने गोल किया जिससे ऑरलैंडो सिटी को 2-0 की बढ़त मिल गई।

ईरान का विश्व कप फुटबॉल में खेलना संदिग्ध

तेहरान, एजेंसी। ईरान के फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि अमेरिका और इजरायल के उनके देश पर किए गए हमले के बाद वह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि उनकी टीम इस साल अमेरिका में होने वाले फीफा विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में खेल पाएगी या नहीं। मेहदी ताज ने खेल पोर्टल वर्जेश3 से कहा निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने को लेकर उम्मीद की दृष्टि से नहीं देख सकते। अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद इस देश का भविष्य अनिश्चितता में डूब गया है और क्षेत्रीय अस्थिरता का खतरा बढ़ गया है। विश्व कप में ईरान को ग्रुप जी में रखा गया है और उसे इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलने हैं। इसक बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मैच खेलेगा। विश्व कप फुटबॉल 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा।

विचार

दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट व वनडे कप्तान बोले- क्रिकेट भद्रजनों का खेल है, हम इसी सोच के साथ बड़े हुए

हाथ नहीं मिलाने की नीति अच्छी नहीं लगती : तेम्बा बावुमा

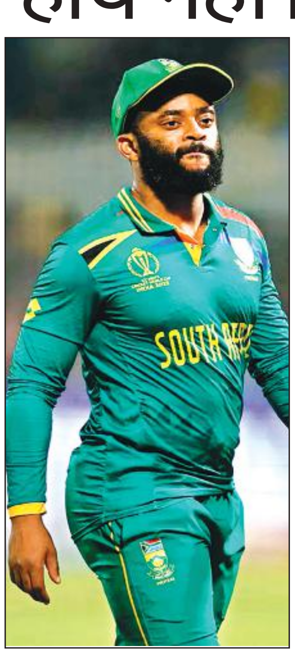

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के प्रेरणादायी टेस्ट और वनडे कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय मैचों के दौरान खिलाड़ियों द्वारा हाथ नहीं मिलाना खेल के लिए अच्छा संदेश नहीं देता। भारत और श्रीलंका में खेले जा रहे मौजूदा टी20 विश्व कप के कमेंट्री पैनल में शामिल बावुमा ने कहा भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में 'नो हैंडशेक (हाथ नहीं मिलाने)' नीति के अलावा अन्य मुद्दों पर बात की। सामाजिक मुद्दों पर बेबाक राय रखने के लिए पहचाने जाने वाले 35 वर्षीय बल्लेबाज ने अपने देश में सभी को समान अवसर दिए जाने की जोरदार वकालत की और खेल को एकजुट करने वाली शक्ति पर भी बल दिया।

बावुमा ने कहा हां, अगर आप इसे बाहर से देखते हैं तो अच्छी नहीं लगती। यह क्रिकेट के खेल के लिए अच्छा नहीं दिखता। आखिरकार यह भद्रजनों का खेल है, हम इसी सोच के साथ बड़े हुए हैं कि हमसे एक खास व्यवहार की अपेक्षा की जाती है।

उन्होंने आगे कहा लेकिन जैसा मैंने कहा, यह बाहर से देखने का नजरिया है। मैं भारत और पाकिस्तान के बीच की राजनीति से पूरी तरह परिचित नहीं हूं, इसलिए उस दृष्टिकोण से कुछ नहीं कह सकता। लेकिन एक दर्शक के तौर पर, जो बिना पूरी पृष्ठभूमि जाने इसे देख रहा है, तो यह क्रिकेट के खेल के लिए अच्छा संदेश नहीं देता। दक्षिण अफ्रीका ने बावुमा की कप्तानी में पिछले साल जून में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के बाद भारत में 25 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद टेस्ट श्रृंखला में जीत दर्ज की थी। पिछले 12 महीनों में मिली बड़ी सफलताओं ने 'चोकर्स' के तमगे से भी काफी हद तक मुक्त कर टीम के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है।

पीसीबी ने टी-20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के लिए अपने खिलाड़ियों पर लगाया जुर्माना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी-20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपये (लगभग 18000 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया है। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में सुपर आठ स्टेज के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गया और लगातार चौथी बार आईसीसी पुरुष टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाया। पाकिस्तान के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। क्रिकइनफो की रिपोर्ट के अनुसार जुर्माना डिसिप्लिनरी कारणों से नहीं है, बल्कि खास तौर पर बोर्ड के अनुसार टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन के लिए लगाया गया है। ये जुर्माना ग्रुप स्टेज में भारत के खिलाफ पाकिस्तान के मैच के तुरंत बाद लगाया गया था, जहां खराब प्रदर्शन के कारण 61 रन से हार मिली थी। उन्हें बताया गया था कि अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचता है तो जुर्माना माफ किया जा सकता है। हालांकि, मौजूदा पीसीब प्रबंधन के पास बड़े टूर्नामेंट में निराशा के बाद सजा देने का यह तरीका है। पांच महीने पहले, एशिया कप फाइनल में भारत से मिली करीबी हार के बाद, पीसीबी ने खिलाड़ियों को दिए गए सभी नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट को कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया था।